ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

किसी भी परिस्थिति में दक्षिण कन्नड़ जिले में सांप्रदायिक झड़पें नहीं होनी चाहिए @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 19 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-137

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत 40000 करोड़ का खरीदेगा रक्षा सामान

⇨ **पीएएफ के परखचे उड़ाने वाले ब्रह्मोस और स्काल्प क्रूज की बढ़ेगी आपूर्ति**

⇨ **तीनों सेनाओं के पास पहले से अधिक होगा गोला-बारूद**

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ जंग की स्थिति के बीच भारतीय सरकार ने सेना को अधिक मजबूत करने का फैसला लिया है। जहाँ ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी वायुसेना को नेस्तनाबूद करने के लिए भारत के अहम मिसाइलों का इस्तमाल किया गया। अब उन्हीं की सप्लाई बढ़ाने के लिए सरकार ने अधिक पैसे दिए हैं। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने आपातकालीन शक्तियों का इस्तमाल करते हुए सेनाओं के हथियार और गोला बारूद खरीदने के लिए 40,000 करोड़ की मंजूरी दी है।

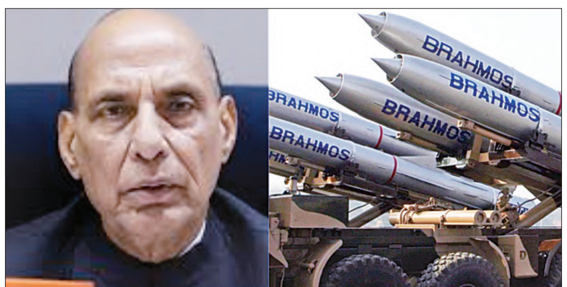

दरअसल, शनिवार (17 मई 2025) को इससे संबंधित बैठक आयोजित की गई, जिसमें रक्षा मंत्रालय और तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि आपातकालीन शक्तियों में सेनाएँ नजर रखने वाले ड्रोन, आत्मघाती (फिदायीन) ड्रोन, लॉन्ग रेंज लूटरिंग म्यूनिशन और तोप, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम के लिए गोला बारूद खरीद सकेंगी। इस कदम से पाकिस्तान पर हुए हमलों में इस्तमाल हुई मिसाइलों जैसे ब्रह्मोस और स्काल्प क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति और तेज हो जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन सभी हथियार और उपकरण को खरीदने के लिए समय सीमा तय की गई है। इसके भीतर ही सभी खरीदारी होनी चाहिए। इसमें डिलीवरी के लिए एक साथ के भीतर ही आश्वासन देना होगा। इन शक्तियों का उपयोग केवल तीनों सनाओं के उप अधिकारी द्वारा ही किया जाएगा। साथ ही यह 5वीं बार है, जब सेनाओं को इस तरह की आपातकालीन खरीद के लिए मंजूरी मिली है। इस खरीद प्रक्रिया में रक्षा मंत्रालय के वित्त सलाहकार भी शामिल होंगे। ▶10पर

ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो आया सामने

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। भारतीय सेना की पश्चिमी कमान की ओर से जारी वीडियो में सेना के एक जवान ने कहा कि ये शुरुआत पाकिस्तान पहलगाम आतंकी हमले से शुरू हुई, जो कि गुस्सा नहीं लावा था। वीडियो में सेना के जवान ने कहा कि दिमाग में बस एक ही बात थी कि अबकी बार ऐसा जवाब देंगे कि इनकी पीढ़ियां याद रखेंगी, ये बदले की भावना नहीं, न्याय था। 9 मई रात को तकरीबन 9 बजे दुश्मन की फोर्स ने सीजफायर का उल्लंघन किया। इन सभी पोस्ट्स को भारतीय सेना ने मिट्टी में मिला दिया। ▶10पर

हैदराबाद में चारमीनार के पास भीषण आग में 17 की मौत

मृतकों में आठ बच्चे भी शामिल, पीएम मोदी ने जतायी संवेदना

राज्य सरकार ने 5 लाख की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार, 18 मई की सुबह चारमीनार के पास गुलजार हाउस में भीषण आग लग गई, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई और लगभग 10 अन्य घायल हो गए। पीड़ितों की पहचान प्रह्लाद, 70, मुन्नी, 70, राजेंद्र मोदी, 65, सुमित्रा, 60, हमी, 7, अभिषेक, 31, शीतल, 35, प्रियांश, 4, इराज, 2, आरुषि, 3, ऋषभ, 4, प्रथम, 1.5, अनुयान, 3, वर्षा, 35, पंकज, 36, रजनी, 32 और इद्दू, 4 के रूप में की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, श्रीकृष्ण पर्ल्स बिल्डिंग में सुबह करीब 6 बजे आग लगी। इमारत में घना धुआँ भर गया, जिससे कई लोग बेहोश हो गए। उस समय इमारत के अंदर करीब 30 लोग मौजूद थे, जिनमें एक मोती व्यापारी का परिवार और उसके कर्मचारी भी शामिल थे।

सूचना मिलते ही 11 दमकल गाड़ियां आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मियों ने ग्राउंड प्लस वन बिल्डिंग में फंसे कई लोगों को सफलतापूर्वक बचाया। यह बिल्डिंग एक व्यस्त व्यावसायिक इलाके में एक संकरी और भीड़भाड़ वाली गली में स्थित है। घायलों को उस्मानिया, यशोदा मालकपेट, अपोलो डीआरडीओ और अपोलो हैदरगुडा अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।जब मोगलपुरा फायर स्टेशन मौके पर पहुंचा, तो उन्होंने तुरंत स्थिति की गंभीरता को पहचाना और अतिरिक्त सहायता के लिए बुलाया, जिसके कारण बारह फायर टेंडर तैनात किए गए। कुल मिलाकर, ग्यारह वाहन, 17 अग्निशमन अधिकारी और 70 कर्मियों ने इमारत में लगी भीषण आग पर काबू पाया। उनके प्रयासों के बावजूद, आग कम होने का नाम नहीं ले रही थी और समय भी बीत रहा था। बचाव अभियान में तेज़ी लाने के लिए, तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवाओं ने फायर रोबोट और ब्रोंटो स्काईलिफ्ट हाइड्रोलिक प्लेटफ़ॉर्म सहित उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया। लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद अंततः आग पर काबू पा लिया गया। तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा के महानिदेशक वाई नागी रेड्डी, जिन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया, ने संवाददाताओं को बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट है। ▶10पर

दिवंगत लोगों के प्रति शुभ-लाभ परिवार की हार्दिक संवेदना

दर्दनाक हादसे में मोदी परिवार के 17 सदस्यों की असामयिक मृत्यु से हिंदी दैनिक शुभ-लाभ के चेयरमैन श्री गोपाल अग्रवाल और शुभ-लाभ परिवार के सभी सदस्य अत्यंत व्यथित हैं। शुभ-लाभ के चेयरमैन श्री गोपाल अग्रवाल ने मोदी परिवार के दिवंगत सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट की है। सम्पूर्ण शुभ-लाभ परिवार दिवंगत लोगों के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है और ईश्वर से प्रार्थना करता है कि दुर्घटना में घायल हुए लोगों को शीघ्र स्वस्थ करें।

समुद्र के अंदर तैनात होगा मेड इन इंडिया 'रक्षक'

अब भारत में ही बनेंगे सोनोबॉय जैसे हाई-टेक सिस्टम

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। भारत की समुद्री सुरक्षा को और मज़बूती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने 18 मई को अमेरिकी कंपनी स्पार्टन के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है । स्पार्टन, जो एल्बिट सिस्टम्स की ग्रुप कंपनी है, अब भारत में पनडुब्बी रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) सिस्टम्स को असेंबल करने में अडाणी की मदद करेगी। इस साझेदारी के तहत भारत में सोनोबॉय और अन्य एंटी-सबमरीन वॉरफेयर सिस्टम्स का निर्माण होगा। ये पहल आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियानों के तहत की जा रही है। यह पहली बार है जब भारत की कोई निजी कंपनी नौसेना को देश में बने सोनोबॉय समाधान उपलब्ध कराएगी। ▶10पर

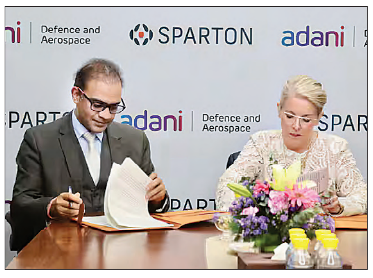

पाकिस्तान में मारा गया लश्कर का आतंकी सैफुल्लाह

- रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर करवाया था हमला
- आरएसएस मुख्यालय था निशाने पर

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में लश्कर के शीर्ष आतंकी को अज्ञात हमलावरों ने ढेर कर दिया। आतंकी की पहचान सैफुल्लाह खालिद के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह भारत में तीन आतंकी हमलों में शामिल था और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के मतली बदीन से काम कर रहा था। उसने नेपाल में भी अपना बेस बनाकर रखा था।

वर्ष 2006 में महाराष्ट्र के नागपुर में आरएसएस मुख्यालय पर हमला करने की साजिश रची थी। आतंकी कार से आए थे और पुलिस की वर्दी पहने हुए थे। वे अपने नापाक मंसूबों में सफल होते उससे पहले महाराष्ट्र पुलिस ने उन्हें ढेर कर दिया। आतंकियों के पास से हैंड ग्रेनेड, आरडीएक्स और एके-56 रायफल मिली थी।

सैफुल्लाह ने उत्तर प्रदेश के रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमला कराया था। वर्ष 2005 में बेंगलुरु में हमला कराया था। भारतीय विज्ञान संस्थान के ऑडिटोरियम से बाहर निकलते समय भीड़ पर आतंकियों ने फायरिंग की थी। इस हमले में एक प्रोफेसर की मौत हो गई थी।

मोदी सरकार ने दिया बांग्लादेश को एक बड़ा झटका

बांग्लादेश से आने वाले रेडिमेड कपड़ों, प्रोसेस्ड फुड और फ्रूट ड्रिंक्स पर लगी पाबंदी

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। भारत की मोदी सरकार ने बांग्लादेश को एक बड़ा झटका दिया है। 17 मई को एक अधिसूचना जारी कर मोदी सरकार ने बांग्लादेश से आने वाले रेडिमेड कपड़ों, प्रोसेस्ड फुड और फ्रूट ड्रिंक्स आदि पर पाबंदी लगा दी। अधिसूचना में कहा गया कि बांग्लादेश की ये सारी चीजें केवल मुंबई के न्हावा शेवा और कोलकाता के समुद्री बंदरगाहों के माध्यम से आएँगी और किसी बंदरगाह से नहीं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के अंतर्गत विदेश व्यापार महानिदेशालय ने शनिवार (17 मई 2025) को एक अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी। यह फैसला बांग्लादेश सरकार के प्रमुख मोहम्मद युनुस के चीन में दिए गए विवादास्पद बयान के बाद लिया गया। जहाँ युनुस ने कहा था कि भारत के पूर्वोत्तर राज्य समुद्र से कटे हुए हैं और उन्हें समुद्र तक पहुँचने के लिए बांग्लादेश पर निर्भर रहना पड़ता है। इसी बयान के बाद अधिसूचना जारी हुई। अब भारत के बंदरगाहों (न्हावा शेवा और कोलकाता बंदरगाहों को छोड़कर) पर बांग्लादेश से आने वाले सभी प्रकार के रेडिमेड कपड़ों, फल और फलों के स्वाद वाले और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, प्रोसेस्ड फुड, प्लास्टिक और पीवीसी तैयार सामान और लकड़ी के फर्नीचर के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। ▶10पर

भूमि बंदरगाहों से बांग्लादेशी निर्यात पर अंकुश लगाने का फैसला निष्पक्षता लाने के लिए

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। भूमि बंदरगाहों के जरिये बांग्लादेश के रेडीमेड वस्त्रों और कई अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के निर्यात पर अंकुश लगाने का भारत का फैसला द्विपक्षीय व्यापार में निष्पक्षता और समानता लाने के लिए है। सरकारी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत के व्यापार संबंध पारस्परिक शर्तों पर आधारित होंगे और पड़ोसी देश से रेडीमेड वस्त्रों के निर्यात को प्रतिबंधित करने का फैसला ढाका द्वारा भारतीय धागों और चावल पर इसी तरह की व्यापार बाधाएं लगाने के जवाब में लिया गया है। इसके अलावा बांग्लादेश ने भारतीय वस्तुओं की जांच भी बढ़ा दी है। ▶10पर

हिमंत बिस्व सरमा का कांग्रेस सांसद को लेकर बड़ा दावा

आईएसआई के निमंत्रण पर गौरव गोगोई पाकिस्तान गए थे

गुवाहाटी, 18 मई (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को लेकर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए दावा किया कि गोगोई पाकिस्तान सरकार के गृह मंत्रालय और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, गौरव गोगोई को पाकिस्तान सरकार के गृह विभाग की ओर से निमंत्रण दिया गया था। उन्होंने यह निमंत्रण स्वीकार कर पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस संबंध में सभी दस्तावेज और तथ्य सामने लाए जाएंगे। यदि गौरव गोगोई सांस्कृतिक ▶10पर

एक राष्ट्र, एक चुनाव भारत की प्रगति की कुंजी: किशन रेड्डी

हैदराबाद, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने रविवार को देश में चुनाव सुधारों की आवश्यकता पर जोर देते हुए 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' को भारत की प्रगति की कुंजी बताया और कहा कि शासन की दक्षता में सुधार और व्यवधानों को कम करने के लिए एक साथ चुनाव कराना महत्वपूर्ण है।राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान के तहत यहां आयोजित एक कार्यक्रम में को संबोधित करते हुए श्री रेड्डी ने कहा आजादी के 76 साल बाद भी हम औपनिवेशिक युग की प्रणालियों का पालन करना जारी रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार पुराने कानूनों को वर्तमान राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप सुधारने की वकालत की है। उन्होंने जोर दिया कि राज्यों में बार-बार चुनाव होने से प्रशासनिक कार्य बाधित होने के साथ ही जनशक्ति और संसाधनों का काफी नुकसान होता है तथा विकास में बाधा आती है। उन्होंने कहा कि अगर पूरे देश में एक साथ चुनाव होते हैं, तो इससे बहुमूल्य समय और ऊर्जा की बचत होगी और सुचारू शासन की सुविधा मिलेगी। राजनीतिक दलों, बुद्धिजीवियों, विश्लेषकों और नागरिक समाज से इस मुद्दे पर जनता से जुड़ने और व्यापक आधार पर आम सहमति बनाने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा यह एक जन आंदोलन बनना चाहिए , ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 23^0

पुलिस की मुस्तैदी से हैदराबाद में घातक विस्फोट टला

हैदराबाद/विजयनगरम, 18 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक बड़ी काउंटर इंटेलिजेंस कार्रवाई में, तेलंगाना काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) इकाई ने हैदराबाद में एक योजनाबद्ध बम हमले को सफलतापूर्वक विफल कर दिया , साजिश से जुड़े दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इस त्वरित और गुप्त ऑपरेशन ने शहर में एक विनाशकारी घटना को टाल दिया है। दो संदिग्धों - विजयनगरम से सिराज-उर-रहमान (29) और हैदराबाद से सैयद समीर (28) को काउंटर इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने शहर में सिलसिलेवार विस्फोटों की योजना बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया था । पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ने विजयनगरम से विस्फोटक सामग्री मंगवाई थी और हैदराबाद में समन्वित विस्फोटों की साजिश रच रहे थे। जांच से पता चला है कि दोनों आरोपियों को सऊदी अरब स्थित आईसीसी मॉड्यूल से दूर से निर्देश मिल रहे थे, जिससे अंतरराष्ट्रीय आतंकी संबंधों की संभावना का संकेत मिलता है । इससे स्थानीय तत्वों को प्रभावित करने वाले अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के बारे में चिंता पैदा होती है। तेलंगाना पुलिस ने एक आवासीय स्थान पर लक्षित छापेमारी में निम्नलिखित विस्फोटक पदार्थ जब्त किए: अमोनिया, गंधक, एल्युमिनियम पाउडर है।इनका उपयोग आमतौर पर घर में निर्मित इम्प्रोवाइज्ड विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) में किया जाता है , जिससे संदिग्धों के सामूहिक विनाश के इरादे की पुष्टि होती है।अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दोनों लोगों को अदालत में पेश किया जाएगा। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना काउंटर इंटेलिजेंस विभाग की त्वरित कार्रवाई ने संभवतः कई लोगों की जान बचाई है।

विस्फोट की साजिश में दो संदिग्ध गिरफ्तार

पुलिस अब सऊदी अरब स्थित आईसीसी नेटवर्क की गहन जांच कर रही है और यह पता लगा रही है कि क्या भारत में और भी लोग इस साजिश से जुड़े हो सकते हैं। जब्त की गई सामग्री और डिजिटल संचार का फोरेंसिक विश्लेषण किया जा रहा है।

पिछले 5 वर्षों में भारत भर में सड़क दुर्घटनाओं में 8 लाख लोग मारे गए

*** इनमें से 1.5 लाख मौतें पैदल चलने वालों की हुई**

*** ऑडिट से फुटपाथ निर्माण में खामियां उजागर**

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। नए आंकड़ों के अनुसार, 2019 और 2023 के बीच भारत में सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 8 लाख मौतें दर्ज की गईं, जिनमें पैदल चलने वालों की संख्या 1.5 लाख या 20 प्रतिशत थी।

परिवहन अनुसंधान एवं दुर्घटना निवारण केंद्र तथा आईआईटी-दिल्ली द्वारा जारी सड़क सुरक्षा पर भारत स्थिति रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि अनुच्छेद 21 के तहत पैदल यात्रियों के लिए पहुंच की गारंटी देने के संवैधानिक अधिकार के बावजूद, राज्यों द्वारा फुटपाथ उपलब्ध कराने में कम अनुपालन किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय के एक पैनल द्वारा आदेशित और 24 राज्यों में किए गए ऑडिट में पाया गया कि सड़कों पर फुटपाथ की उपलब्धता 19 प्रतिशत से 73 प्रतिशत के बीच है, जिसमें महाराष्ट्र सबसे आगे है। प्रत्येक राज्य के चार शहरों को कवर करने वाले ऑडिट में यह मूल्यांकन किया गया कि फुटपाथ उपलब्धता, चौड़ाई और ऊंचाई के मामले में भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के मानदंडों को पूरा करते हैं या नहीं। जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में, केवल 3 प्रतिशत और 5 प्रतिशत सड़कों पर फुटपाथ थे। ▶10पर

पहलगाम घटना की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने शनिवार को सिल्वर काउन्टी रोड स्थित एस.एन. एन राज इटरनिया, बेंगलूरु में 13वीं कार्यकारिणी का पहला रक्तदान शिविर नारायण हृदयालय के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया। यह शिविर पहलगाम घटना की याद में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मंच के सचिव अजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निपुण सुंदरका, रक्तदान संयोजक सौरभ रूंगटा, स्थानीय संयोजक एवं कार्यकारिणी सदस्य धीरज अग्रवाल उपस्थित रहे। शाखा, प्रांतीय सहायक सचिव, मंडल 1 - श्याम जालान का भी आभारी हैं, जिन्होंने ना सिर्फ रक्तदान किया, बल्कि टीम का यथासंभव सक्रिय रूप से हर कार्य में समर्थन किया। 5 घंटे चले इस शिविर में कुल 42 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। शिविर में करीब 15 महिलाओं ने रक्तदान किया जिसमें 5 ने प्रथम बार रक्तदान किया, शाखा ने इनके जज्बे को और लगातार नियमित दान करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पौधे भेंट किए। अपार्टमेंट के पास के रेस्तरां से सहायक कर्मचारी ने भी आकर रक्तनदान किया। इस नेक कार्य में शाखा सदस्य धीरज अग्रवाल और रक्तदान संयोजक सौरभ रूंगटा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। धीरज ने अपने अपार्टमेंट में लगातार पिछले 15 दिन से इसका प्रचार किया और इसका परिणाम इस रक्तदान शिविर की सफलता के साथ मिला। शिविर की तैयारी के लिए राष्ट्रीय संयोजक वित्त नितेश टिबरेवाल एवं निवर्तमान शाखा रक्तदान संयोजक विकास अग्रवाल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला अपनी निजी यात्रा में होने के बावजूद लगातार शिविर का संज्ञान लेते रहे। अपने धन्यवाद ज्ञापन में सचिव अजय अग्रवाल ने अपार्टमेंट और आसपास के सभी रक्तदानकर्ताओं का आभार प्रकट किया और अपार्टमेंट के प्रशानिक अधिकारियों का भी धन्यवाद कहा जिन्होंने इस नेक कार्य के लिए जगह प्रदान करने की अनुमति दी।

अणुव्रत क्रिएटिविटी प्रतिस्पर्धा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशानुसार कर्नाटक स्तरीय अणुव्रत क्रिएटिविटी प्रतिस्पर्धा की महत्वपूर्ण बैठक बेंगलूरु के सनमान होटल में आयोजित हुई। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारम्भ सामूहिक नमस्कार मंत्र से हआ। अणुव्रत गीत से मुस्कान एवं सुमित्रा बरडिया ने कार्यक्रम को गति दी। अणुव्रत आचार संहिता का वचन देवराज रायसोनी ने किया।

कर्नाटक राज्य प्रभारी शांति सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी एवं ए सी सी के राष्ट्रीय संयोजक राजेश चावत ने कहा इस वर्ष पूरे देश भर में 11000 स्कूल में यह प्रतिस्पर्धा आयोजित होगा। जिसमें 24 राज्य एवं 500 से भी ज्यादा शहरों में इसका आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य बच्चों में नैतिकता प्रमाणिकता का बीजारोपण करना और देश के लिए एक अच्छा नागरिक बनाना है। इस वर्ष का विषय संविधान की धार मर्यादाओं को हो आधार है। इस विषय से देश के प्रति सम्मान एवं मर्यादा से कैसे जीना बच्चों के अंदर एक नई चेतना जागेगी। एसीसी के सह सयोजक सुभद्रा लूणावत ने एसीसी के नियम एवं कार्य को कैसे करना इसके बारे में जानकारी दी। सोनल कठारी ने नेटवर्किंग टीम की जानकारी दी। मुस्कान नवलखा ने अपने क्षेत्र की जानकारी दी। आभार ज्ञापन कर्नाटक एसीसी राज्य प्रभारी बबीता चोपड़ा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मानक संचेती, लाभेश कांसवा, गुमान पारेख, कविता पोरवाल और भानुप्रिया की उपस्थिति रही।

व्रत ही आत्मा का शिवालय: साध्वी सोमयशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशीष्या विदुषी साध्वी सोमयशा जी के पावन सानिध्य में शनिवार को तेरापंथ भवन राजाजी नगर में 12 व्रत कार्यशाला का आयोजन श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा ट्रस्ट द्वारा किया गया। नमस्कार मंत्र के सामूहिक उच्चारण से कार्यशाला की शुरुआत हुई। उपाशिका सुशीला दुग्गड ने 12 व्रत की भूमिका बांधते हुए दृष्टांत के माध्यम से व्रत का महत्व समझाया। सभा को संबोधित करते हुए साध्वी ने फरमाया कि 12 व्रत श्रावक जीवन की पहली भूमिका है, सुखमय जीवन की कुंजी है, जीवन को नए दृष्टिकोण से समझने का जानने का और

संवारने का जरिया है 12 व्रत। साध्वी जी ने अपने वक्तव्य की सरल शैली से 12 व्रतों की महत्ता को विस्तार पूर्वक समझाया। साध्वी डॉक्टर सरलयशा जी ने बताया आत्मा के बगीचे को हरा भरा करने वाला कल्पवृक्ष है 12 व्रत। श्रावक समाज ने बड़े ही उत्साह पूर्वक इस कार्यशाला में भाग लिया और अगले 1 साल के लिए 12 व्रतों को स्वीकार किया। साध्वी ने बड़े ही सरल शैली में श्रावकों की जिज्ञासा का समाधान किया।

युवाओं में आर्थिक विकास की शक्ति है: राजेंद्र गांधी

श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा युवा उद्यमी औद्योगिक यात्रा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुछ युवा व्यवसाय को एक रोमांचक और फायदेमंद अवसर के रूप में देखते हैं, जबकि कुछ इसे जोखिमपूर्ण एवं कठिन मानते है। युवा व्यवसाय के माध्यम से सामाजिक आंदोलन भी ला सकते हैं। यह प्रेरक विचार बेंगलूरु एवं हैदराबाद के युवाओं के एक दल के औद्योगिक यात्रा पर स्टोव क्राफ्ट लिमिटेड की हरोहल्ली स्थित उत्पाद इकाई में पहुचने पर कंपनी के चेयरमैन राजेंद्र गांधी ने व्यक्त

की। उन्होंने युवाओं से कहा कि आज के युवा उद्यमियों में रोजगार को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास को गति देने की शक्ति है। साथ ही युवाओं के दृष्टिकोण एवं साहसिक विचारों में उद्योगों तथा समाज को बेहतर बनाने की क्षमता है। स्टोव क्राफ्ट के उत्पादों की तकनीकी जानकारी लेने के पश्चात युवा दल अयोध्या के राम मंदिर में राम नवमी का सूर्य तिलक की तकनीक दान करने वाली कंपनी ऑप्टिक के उत्पादों की जानकारी लेने हेतु बोमसांद्रा स्थित उनके उत्पाद इकाई पहुंचा। ऑप्टिका के चेयरमैन राजेन्द्र कोटरिया ने युवाओं से कहा कि व्यावसायिक सफलता के लिये कड़ी मेहनत, समर्पण, दृढ़ संकल्प, सकारात्मक सोच के साथ जोखिम लेने का माद्दा भी जरूरी है। श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट (प.), बेंगलूरु द्वारा युवाओं के व्यवसायिक विकास, व्यापारिक मजबूती एवं नये व्यवसायिक अवसरों की खोज हेतु आयोजित युवा उद्यमी औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें हैदराबाद एवं बेंगलूरु के कांठा प्रांतीय युवाओं ने संयुक्त रूप से भाग लिया। संयोजक प्रकाश कटारिया, सह संयोजक जसवंत गुगलिया एवं रमेश गांधी के अनुसार इस आयोजन से दोनों शहरों के कांठा प्रांतीय युवाओं के बीच न केवल आपसी रिश्ते मधुर होंगे अपितु दीर्घ अवधी के आपसी व्यवसाय का मार्ग प्रशस्त होगा। यात्रा दल में शामिल हैदराबाद कांठा संघ के महामंत्री विमलचंद मुथा व सज्जनराज गांधी तथा योजना संयोजक राजेश गुगलिया ने आशा व्यक्त की कि इस औद्योगिक यात्रा के दूरगामी एवं सुखद परिणाम मिलेंगे। श्री कांठा प्रांत जैन संघ बेंगलूरु के मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में किसी उत्पाद के बनने की तह में जाकर जानकारी लेने से व्यवसायिक उन्नति पर बढ़ने की ऊर्जा मिलती है। उन्होंने औद्योगिक यात्रा हेतु अपना परिसर उपलब्ध कराने हेतु स्टोव क्राफ्ट के राजेंद्र गांधी एवं ऑप्टिका के राजेंद्र कोटरिया का आभार व्यक्त किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन नवयुवक मंडल श्रीरामपुरम बेंगलूरु के मार्गदर्शक संतोष दक, कांतिलाल गुगलिया, दिनेश खिवेंसरा, उपाध्यक्ष संदीप छल्लानी एवं मंडल के पूर्व मंत्री मुकेश बाबेल ने रविवार को कोलार श्री संघ में विराजित श्रमण संघीय मंत्री राष्ट्र संत गुरुदेव श्री कमलमुनिजी कमलेश के दर्शन वंदन किए व आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुदेव के सानिध्य में कोलार में तिरंगा यात्रा आयोजित हुई।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मुनेश्वरा स्वामी देवालय बापूजी नगर में आयोजित 12वें जात्रा महोत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

राज्य में स्कूल 29 मई को फिर से खुलेंगे: शिक्षा मंत्री

नैतिक विज्ञान, सुधार सरकार के शिक्षा एजेंडे में शीर्ष पर

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।

नए शैक्षणिक वर्ष से पहले एक महत्वपूर्ण घोषणा में, स्कूली शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने पुष्टि की कि कर्नाटक भर में सरकारी स्कूल 29 मई को फिर से खुलेंगे। मंत्री ने कहा कि छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा, जनप्रतिनिधि और अधिकारी फिर से खुलने वाले दिन सरकारी स्कूलों का व्यक्तिगत रूप से दौरा करेंगे। मुद्देबिहाल में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, बंगारप्पा ने पुष्टि की कि फिर से खुलने वाले दिन छात्रों को पाठ्यपुस्तकें और वर्दी वितरित की जाएंगी। उन्होंने कहा जूते और मोजे भी चरणबद्ध तरीके से दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हर शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में सभी शिक्षण आवश्यक वस्तुओं का समय पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक सख्त नीति का मसौदा तैयार किया जा रहा है। मंत्री ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा सुझाए गए स्कूलों में नैतिक शिक्षा शुरू करने की एक नई पहल पर भी प्रकाश डाला। बंगारप्पा

ने खुलासा किया इस साल नैतिक विज्ञान प्री-प्राइमरी से लेकर पीयूसी स्तर तक के पाठ्यक्रम का हिस्सा होगा, जिसका उद्देश्य बच्चों में मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करना और मानवीय मूल्यों का पोषण करना है। बुनियादी ढांचे से जुड़ी चिंताओं को संबोधित करते हुए मंत्री ने बताया कि कर्नाटक में 46,000 से ज्यादा स्कूल हैं, जिनमें से कुछ ने हाल ही में एसएसएलसी परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि नतीजों को बेहतर बनाने के लिए सुधारात्मक उपाय किए जाएँगे। उन्होंने कहा, बच्चे ईमानदारी से परीक्षाएँ दे रहे हैं और कदाचार की घटनाओं में काफी कमी आई है।

गौशाला में भव्य जीवदया कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक प्रांत के तत्वावधान में युवा शाखा कर्नाटक द्वारा साहित्यकार कवि कुल भूषण पूज्य उपाध्याय प्रवर श्री केवलमुनिजी की 31वीं पुण्यतिथि के अवसर पर जीवदया कार्यक्रम के चेयरमैन दीपक भंडारी जैन एवं सह-चेयरमैन किशन बोहरा जैन के नेतृत्व में दौड़नीकुण्डी गौशाला में भव्य जीवदया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः महासाध्वी कंचनकंवर जी के मुखारविंद से मांगलिक प्राप्त कर हुआ, जिसमें सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने भावपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर धर्म आराधना का भावपूर्ण वातावरण बना, जहां उपस्थितजनों ने गुरु देव के जीवन और उनकी शिक्षाओं को स्मरण

करते हुए प्रेरणा प्राप्त की। आयोजन के दौरान मासिक जीवदया कार्यक्रम का भी सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इसमें जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और धर्म सेवा के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट की। कर्नाटक प्रांतीय युवा प्रचार-प्रसार मंत्री यश बाफना ने बताया कि इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय वैयावच्च मंत्री रतन सिंघी जैन, राष्ट्रीय कानून सलाहकार मंत्री विशाल छल्लानी जैन, जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत के महामंत्री नेमीचंद दलाल जैन, प्रांतीय मानवसेवा मंत्री राजेश भटेवरा जैन, राष्ट्रीय युवा मंत्री अभय कातरेला जैन, कर्नाटक प्रांतीय युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली जैन, प्रमुख मार्गदर्शक भरत कोठारी जैन, सह- कोषाध्यक्ष सुनील बम्ब जैन, शीतल लूणावत जैन, पीयूष बगानी जैन और किरण भंसाली जैन की उपस्थिति रही।

मामूली बात पर एक व्यक्ति ने दूसरे की चाकू घोंपकर हत्या कर दी

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

रायचूर के जाकिर हुसैन सर्किल में रविवार को मामूली बात पर एक व्यक्ति ने दूसरे की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान रायचूर के जाहिराबाद निवासी 30 वर्षीय सादिक के रूप में हुई है।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सदर बाजार पुलिस ने शहर के जानी मोहल्ला निवासी आरोपी करीम को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि मृतक और आरोपी के बीच इडली खाने को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद आरोपी ने मृतक पर हथियार से वार कर दिया। हालांकि, घटना का असली कारण जांच पूरी होने के बाद ही पता चलेगा। पुलिस आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच जारी रखे हुए है।

सफलता सपनों से नहीं संघर्ष से मिलती हैं: श्रीपाल खिवेसरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक व्यवसायी जो भी व्यवसाय करें उसमें जुनून बहुत जरूरी है और व्यवसाय हेतु ऐसा क्षेत्र चुनना चाहिये जिसमें व्यवसायी की रुचि हो। अगर व्यवसायी के पास जुनून है तो आज ऐसे कई क्षेत्र है जिनमें आगे बढ़ने की बहुत गुंजाइश है। आज विचार और क्रियान्वयन ही मुख्य है। निवेश अपने आप आएगा परंतु सफलता सपनों से नहीं संघर्ष से मिलती है। ऐसे प्रेरणादायक विचार श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट, बेंगलूरु द्वारा युवा व्यवसाइयों के प्रेरणा स्वरूप आयोजित कार्यक्रम में उद्योगपति श्रीपाल खिवेंसरा ने युवाओं के समक्ष रखे।

साथ ही उन्होंने युवाओं से कहा कि कड़ी मेहनत करें और अनुशासित रहें। अगर आप अनुशासित नहीं हैं तो आप

जीवन में आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने कहा कि आज व्यापार में बहुत विशालता और विभिन्नता है बस जरूरत है तो सिर्फ समर्पित होने की। कार्यक्रम में प्रेरक वक्ता महेश नाहर ने नये स्टार्टअप के बारे में युवाओं को समझाते हुए कहा कि आज की गाल काट स्पर्धा के बीच नये विचारों व आधुनिक तकनीक युक्त अनेकों स्टार्टअप बाजार में निरंतर आ रहे है, आपको उनके खतरे, नुकसान, फायदे, अवसरों का आंकलन करना होगा। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के सफलता का अनुपात कम है परंतु जो सफल होता है वो स्टार्टअप बहुत उचाई पर जाता है। उन्होने अनेकों सफल एवं असफल भारतीय व विदेशी स्टार्टअप की जानकारी डिजिटल माध्यम से दी। कांठा प्रांत ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया तथा ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न जन हितैषी योजनाओं की जानकारी दी। प्रेरक वक्ता के रूप में उपस्थित जीतो के पूर्व महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने युवाओं से कहा कि बड़ा सोचो, छोटी शुरुआत करो लेकिन सबसे जरूरी है कि शुरुआत जरूर करो और फिर अपने बड़े लक्ष्यों की ओर लगातार बढ़ते रहो बाकी सारी चीजें अपने आप सही होती जाएगी। उन्होंने कहा कि आपको अगर सफल व्यवसायी बनना है तो कुछ अलग करना ही होगा। इस अवसर पर गौ प्रेमी महेंद्र मुणोत ने युवाओं से कहा कि अगर सूरज की तरह चमकना है तो सूरज की तरह तपना होगा। कार्यक्रम में हैदराबाद कांठा प्रांतीय युवाओं के एक दल के साथ उपस्थित कांठा प्रांत संघ के पदाधिकारी विमल मुथा, सज्जन गांधी व राजेश गुगलिया ने प्रेरक आयोजन के लिये ट्रस्ट को धन्यवाद दिया। योजना के संयोजक प्रकाश कटारिया, सह संयोजक जसवंत गुगलिया व रमेश गांधी के अनुसार कार्यक्रम में कांठा प्रांत ट्रस्ट के ट्रस्टियों, सहयोगी सदस्यों, श्रीरामपुरम संघ अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया, मंत्री अशोक गुगलिया, राजाजीनगर संघ अध्यक्ष मिश्रीमल कटारिया, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, पदाधिकारी मदनलाल गांधी, प्रकाश भलगट, रमेश गुंदेचा, विजयनगर मंडल के अध्यक्ष मोहन कटारिया व पदाधिकारी के साथ कांठा प्रांत बेंगलूरु के अन्य गणमान्य उपस्थित थे। संचालन ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने किया।

किसी भी परिस्थिति में दक्षिण कन्नड़ जिले में सांप्रदायिक झड़पें नहीं होनी चाहिए: सीएम

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सलाह दी है कि किसी भी परिस्थिति में दक्षिण कन्नड़ जिले में सांप्रदायिक झड़पें नहीं होनी चाहिए और उन्होंने सभी राजनीतिक नेताओं से इस लक्ष्य की दिशा में काम करने का आग्रह किया। वे मेंगलूरु के पडिल में 75 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नए जिला प्रशासन परिसर 'प्रजासौधा' का उद्घाटन करने और 'पोडी मुक्ता अभियान' (भूमि रिकॉर्ड विसंगतियों को दूर करने का अभियान) के तहत 8,000 से अधिक लोगों को आरटीसी दस्तावेज वितरित करने के बाद बोल रहे थे। जिले में हाल ही में हुई अप्रिय घटनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने सांप्रदायिक सद्भाव को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा दक्षिण कन्नड़ शिक्षा में नंबर एक स्थान पर है, लेकिन यहां शांति स्थापित होनी चाहिए।

संविधान भाईचारे के संदेश को बढ़ावा देता है और इसके साथ ही सहिष्णुता और सह-अस्तित्व आवश्यक है। सभी को एक मां की संतान के रूप में रहना चाहिए। दक्षिण कन्नड़ को शांति का बगीचा बनने दें। सभी राजनीतिक नेताओं को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा ऐसा माहौल कभी नहीं होना चाहिए जहां एक इंसान दूसरे से नफरत करे। प्रेम और सद्भाव पर आधारित समाज बनाना राजनेताओं का सच्चा कर्तव्य है। उन्हें सामाजिक असमानता को खत्म करने के लिए भी काम करना चाहिए। सिद्धरामैया ने जोर देकर कहा कि समानता के आदर्शों को कायम रखने वाले संविधान की महानता को समझना केवल उन लोगों के लिए संभव है जो इसके प्रति आस्था और प्रतिबद्धता रखते हैं। तुलु भाषा को आधिकारिक दर्जा देने की मांग पर बोलते हुए सिद्धरामैया ने कहा हम तुलु को आधिकारिक मान्यता देने की दिशा में काम करके इसे सम्मानित करने के लिए कदम उठाएंगे।

हालांकि, कन्नड़ हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा मैंने ही इस प्रजासौधा की आधारशिला रखी थी और इसके उद्घाटन के लिए यहां मौजूद होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यह प्रजासौधा लोगों के लिए है। नागरिक इस उम्मीद के साथ जिला कार्यालय जाते हैं कि उनके मुद्दे हल हो जाएंगे। किसी भी अधिकारी को उस भरोसे को नहीं तोड़ना चाहिए। सरकार की गारंटी योजनाओं के आलोचकों पर कटाक्ष करते हुए सिद्धरामैया ने कहा जो लोग गारंटी योजनाओं की आलोचना करते हैं, वे दावा करते हैं कि विकास के लिए कोई पैसा नहीं है।

पिछले साल, राज्य का पूंजीगत व्यय 51,000 करोड़ रुपये था। इस साल यह बढ़कर 82,000 करोड़ रुपये हो गया है। इसलिए, यह दावा कि विकास के लिए कोई पैसा नहीं है, उसका कोई महत्व नहीं है। सिद्धरामैया ने कहा वास्तव में, पिछले साल की तुलना में राज्य के बजट का आकार 38,000 करोड़ रुपये बढ़ गया है। कर्नाटक पूरे देश के लिए एक आदर्श सरकार के रूप में उभर रहा है।

वन विभाग के अधिकारियों ने चन्नारायपटना तालुक में 27 एकड़ से अतिक्रमण हटाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वन विभाग के अधिकारियों ने रविवार सुबह कर्नाटक के हासन जिले के चन्नारायपटना तालुक के बागुर होबली के मदाबा गांव में 27 एकड़ वन क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया।

अधिकारियों ने बरामद की गई जमीन की कीमत 10 करोड़ से अधिक आंकी है। मदाबा के सर्वे नंबर 27 में 26 एकड़ और 33 गुंटा जमीन के अवैध अनुदान के बारे में शिकायत के बाद, कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था।

मंत्री के कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कुछ लोगों ने वन क्षेत्र में पेड़ों को काटकर खेती की थी। चन्नारायपटना निवासी तेजस गौड़ा ने मंत्री से अवैध अनुदान के बारे में शिकायत की थी।

मंत्री ने 23 अक्टूबर 2024 को अपने विभाग के अधिकारियों को अभिलेखों की जांच कर अतिक्रमण हटाने के लिए पत्र लिखा। विभाग ने वन भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया और अर्थमूवर की मदद से भूमि को साफ किया। बाद में, उन्होंने स्थानीय किस्मों के पौधे लगाए और एक बोर्ड भी लगाया, जिसमें इसे वन भूमि घोषित किया गया। वन संरक्षक बी. येदुकोंडाला, हासन के डीसीएफ सौरभ कुमार और अन्य अधिकारियों ने अभियान की निगरानी की।

भाजपा भारतीय सेना का अपमान कर रही है: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने भाजपा द्वारा भारतीय सेना का बार-बार अपमान किये जाने पर अपना रोष व्यक्त किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सभी दलों ने आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए सभी कदमों के प्रति पूर्ण समर्थन जताया है। फिर भी केंद्र सरकार अमेरिकी हुक्म के अनुसार क्यों काम कर रही है? खड़गे ने इस बात पर नाराजगी जताई कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारत की विदेश नीति को नियंत्रित कर रहे हैं। भाजपा की तिरंगा यात्रा हास्यास्पद है। मध्य प्रदेश के मंत्री ने सेना की सोफिया कुरैशी के बारे में अपमानजनक बातें कहीं। उन्होंने मांग की कि तिरंगा यात्रा यह स्पष्ट करे कि उन्हें अब तक बर्खास्त क्यों नहीं किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उन क्षेत्रों का महिमामंडन करते हैं जहां उनकी अच्छी प्रतिष्ठा है। हम अपनी छवि को नुकसान पहुंचाने या बदनाम करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाएंगे। मणिपुर में जो हुआ, वह पूरी दुनिया जानती है। प्रधानमंत्री अभी तक वहां नहीं गए हैं। वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार भारत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करते रहे हैं। ट्रम्प ने एप्पल को भारत में आईफोन का निर्माण बंद करने की धमकी दी है। वे कह रहे हैं कि कर शून्य है। इस सबका जवाब किसे देना चाहिए? क्या वह प्रधानमंत्री नहीं हैं? पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने शनिवार को ही एक बयान जारी कर कहा था कि भारतीय नेता ने युद्धविराम का अनुरोध किया है। वे दावा कर रहे हैं कि हमने लड़ाई जीत ली है। सत्य क्या है? उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार संसद का सत्र बुलाए और स्पष्ट जवाब दे। हम सेना के साथ पूरी दृढ़ता से खड़े हैं। हम राजनीति भी नहीं कर रहे हैं। भाजपा की तिरंगा यात्रा के दौरान मोदी की तस्वीर को सेना की वर्दी से सजाया गया था। इससे पता चलता है कि राजनीति कौन कर रहा है। मोदी ने पहलगाम स्थल का दौरा भी नहीं किया है जहां हमला हुआ था। पिछले दस वर्षों में जहां भी कोई संकट आया है, मोदी ने हस्तक्षेप करने की जहमत नहीं उठाई है। उन्होंने कहा कि उन्हें महिमा तभी मिलेगी जब वे अच्छा नाम कमाएंगे। राजस्थान, जो भारतीय सीमा के नजदीक है, वहां पंजाब की यात्रा हो सकती थी। प्रधानमंत्री केवल एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से ही परामर्श करते हैं। पंजाब, जम्मू और कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश राज्य देश की सीमा से लगे हुए हैं। क्या हमें उनके साथ जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए? इसको देखते हुए केंद्र सरकार सिर्फ राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि देश का हित उनके लिए महत्वपूर्ण नहीं है।

बेंगलूरु में भारी बारिश से अफरातफरी

अगले कुछ दिनों तक शहर के लिए येलो अलर्ट जारी

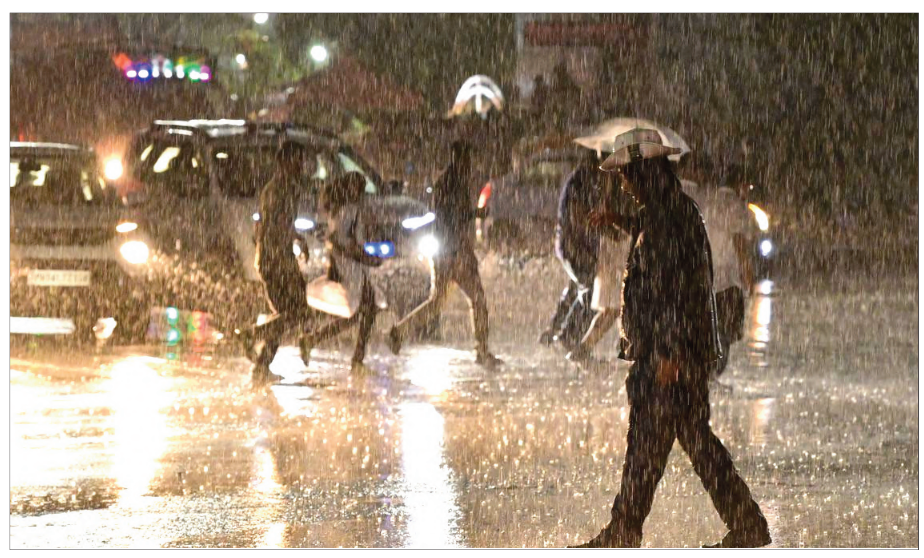

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु में शनिवार शाम को हुई भारी बारिश ने तबाही मचा दी, सड़कों और घरों में पानी भर गया, पेड़ गिर गए और यातायात तथा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। शहर के कई हिस्सों में जलभराव वाली सड़कों से वाहन चालकों को निकलने में संघर्ष करते देखा गया। कई आवासीय क्षेत्रों में भी बाढ़ की खबर है। साई लेआउट की नीलूफर अहमद, जिसने बारिश से जुड़ी कई घटनाओं को देखा है, ने कहा कि लेआउट के कुछ हिस्सों में शनिवार को फिर से बाढ़ आ गई - शहर में प्री-मानसून बारिश शुरू होने के बाद से यह पहली बार है। उन्होंने शनिवार रात को कहा जल स्तर बढ़ रहा है और अगर बारिश जारी रही, तो स्थिति और खराब हो जाएगी।

यातायात भी प्रभावित हुआ। सुब्रमण्य ने कहा मैंने जिन स्थानों की यात्रा की, उनमें से अधिकांश स्थानों पर भारी जलभराव था। हम शाम 6.45 बजे कनकपुरा रोड से उलसूर के लिए निकले और जब हम डबल रोड पर पहुंचे, तो गूगल मैप्स दिखा रहा था कि हमें अभी 45 मिनट और लगेंगे। शनिवार की सुबह भी सकरा अस्पताल रोड, सरजापुर रोड का एक हिस्सा और अन्य कई सड़कें जलमग्न हो गईं। इलाके के स्थानीय लोगों का कहना है कि बीबीएमपी यहां बाढ़ की समस्या को हल करने के वादे को पूरा करने में लगातार विफल रही है और सकरा अस्पताल रोड पर चल रहे सड़क निर्माण कर्मियों ने स्थिति को और खराब कर दिया है।

शाम 6 बजे से रात 9 बजे के बीच शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कुल आठ पेड़ गिरने की शिकायतें दर्ज की गईं। सबसे अधिक पेड़ गिरने की घटनाएं दक्षिण क्षेत्र में दर्ज की गईं, जहां तीन घटनाएं हुईं। पूर्व, महादेवपुरा, येलहंका और पश्चिम क्षेत्रों में एक-एक पेड़ गिरने की सूचना मिली, जबकि दशरहल्ली, बोम्मनहल्ली और आर.आर. नगर में एक भी पेड़ गिरने की सूचना नहीं मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार तक बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने का पूर्वानुमान लगाया है, जिससे बेंगलूरु को गर्मी से राहत मिलती रहेगी। शहर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी के अनुसार, बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, चिक्कबल्लापुरा, चित्रदुर्ग, कोलार, बल्लारी, रामनगर और तुमकुरु सहित क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश या गरज के साथ बारिश हो सकती है। इस बीच, चामराजनगर, चिक्कमगलूरु, मांड्या, दावणगेरे, हासन, कोडागु, मैसूरु और शिवमोग्गा जैसे कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बारिश की संभावना है। साथ ही हवा की स्थिति भी ऐसी ही होगी। इस बीच, गुरुवार दोपहर पेड़ गिरने से दो लोग घायल हो गए। बीबीएमपी के अनुसार, घायलों की पहचान शिवाजीनगर के 33 वर्षीय असलम और देवनहल्ली के 38 वर्षीय टी. रंगास्वामी के रूप में हुई है।

यह घटना तब हुई जब शिवानंद सर्कल पर एक लंबा पेड़ गिर गया। इस घटना से गुस्सा भी भड़क गया क्योंकि बीबीएमपी ने बार-बार शिकायत करने के बावजूद पेड़ की छंटाई/काटने में विफल रहा।

मंत्री ने निर्माणाधीन थिम्माराजनहल्ली रेलवे यार्ड के कार्यों का किया निरीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रेल एवं जलशक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने तुमकुरु-चित्रदुर्ग-दावणगेरे नई रेलवे लाइन परियोजना के तहत निर्माणाधीन थिम्माराजनहल्ली रेलवे यार्ड के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित थिम्माराजनहल्ली गुड्स शेड सीबीआईसी-टीआईटीएल औद्योगिक पार्क को रेलवे कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता है कि औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए, व्यापार करने में आसानी बढ़ाई जाए और रसद लागत कम की जाए। मंत्री ने कहा कि गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों की स्थापना के लिए उद्योगों को पूरा समर्थन दिया जाएगा। चेन्नई-बेंगलूरु औद्योगिक गलियारे के हिस्से के रूप में, तुमकुरु के वसंत नरसापुरा में एक औद्योगिक नोड बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने 2023 में परियोजना के चरण ए की आधारशिला रखी थी। इस पहल का उद्देश्य लगभग 90,000 नौकरियां पैदा करना और 7000 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि रेलवे क्षेत्र में औद्योगिक विकास का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने औद्योगिक टाउनशिप को रेलवे कनेक्टिविटी प्रदान करने की योजना का पता लगाया। मंत्री ने तुमकुरु-दावणगेरे रेलवे लाइन की प्रगति की समीक्षा की और आश्वासन दिया कि काम निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा हो जाएगा। सोमन्ना ने रेलवे अधिकारियों को भविष्य की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभी चल रहे कार्यों को समय पर पूरा करने को प्राथमिकता देने की सलाह दी। 191 किलोमीटर लंबी तुमकुरु-दावणगेरे नई लाइन परियोजना चित्रदुर्ग, सिरा, हिरियूर, लक्ष्मीसागर और थोलाहुंसे जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ती है। परियोजना की कुल लंबाई 191.00 किमी है, जिसकी स्वीकृत लागत 1,801 करोड़ है। इस परियोजना में तुमकुरु, चित्रदुर्ग और दावणगेरे जिले शामिल हैं, जिनमें 17 स्टेशन, 1 हॉल्ट और 1 जंक्शन शामिल हैं।

भारी बारिश और आईपीएल के उत्साह के कारण नम्मा मेट्रो सेवाएं प्रभावित

ट्रेन कब्बन पार्क स्टेशन पर नहीं रुकी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फिर से शुरू होने के बीच, एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम जाने वाले कई क्रिकेट प्रेमियों सहित नम्मा मेट्रो के यात्रियों को शनिवार शाम को कब्बन पार्क स्टेशन पर भीड़भाड़ के कारण पहले के स्टेशनों पर उतरना पड़ा। स्टेडियम की ओर जाने वाले स्टेशनों पर भारी भीड़ देखी गई।

चूंकि ट्रेनें कब्बन पार्क स्टेशन पर नहीं रुकीं, इसलिए कई यात्रियों को भारी बारिश में अन्य स्टेशनों पर उतरना पड़ा और कार्यक्रम स्थल और स्टेशन के आसपास के इलाकों तक पहुंचने के लिए अन्य साधन तलाशने पड़े। एक यात्री ने गुस्से में कहा जब ट्रेन सेंट्रल कॉलेज पहुंची, तो घोषणा की गई कि कब्बन पार्क में उतरने वालों को विधान सौधा स्टेशन या एम.जी. रोड पर उतरना होगा। मुझे विधान सौधा में उतरना पड़ा और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए बारिश में पैदल चलना पड़ा। जलमग्न सड़क ने स्थिति को और खराब कर दिया। एक अन्य यात्री का भी यही हाल हुआ। उन्होंने कहा कब्बन पार्क में ठहराव रद्द करने की घोषणा विधान सौधा स्टेशन से हमारी ट्रेन के रवाना होने के बाद की गई। मेट्रो अधिकारी कम से कम इतना तो कर ही सकते थे कि पिछले स्टेशन पर इसकी घोषणा कर देते। साथ ही, रद्द करने का कोई कारण भी नहीं बताया गया। इस बीच, कब्बन पार्क स्टेशन के अंदर और बाहर भारी भीड़ थी क्योंकि बारिश के कारण दोपहिया वाहन सवार स्टेशन के आसपास शरण लिए हुए थे, जिससे स्टेशन पर पहले से ही फंसे क्रिकेट मैच देखने वालों की संख्या और बढ़ गई। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी यशवंत चव्हाण ने कहा कि स्टेशन पर ट्रेनों के रुकने का फैसला अत्यधिक भीड़ के कारण लिया गया। बीएमआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा जब बाहर निकलने वाले यात्री बारिश के कारण कब्बन पार्क स्टेशन पर शरण ले रहे थे, तो स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ थी और यात्रियों की सुरक्षा के लिए भीड़ प्रबंधन के तहत शाम 6.15 बजे से 7.10 बजे के बीच कुछ ट्रेनों को उचित घोषणाओं के साथ छोड़ दिया गया। असुविधा के लिए खेद है।

कोंकण रेलवे का भारतीय रेलवे में विलय किया जाएगा: केंद्रीय मंत्री

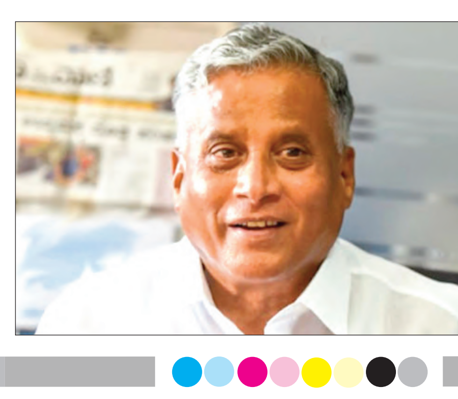

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने शनिवार को आश्वासन दिया कि कोंकण रेलवे को भारतीय रेलवे में विलय करने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद इस मामले को उठाया गया था। उन्होंने कहा कि मेंगलूरु में एक बैठक हुई और विलय प्रक्रिया शुरू करने के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत किया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा किए गए इसी अनुरोध का हवाला देते हुए सोमन्ना ने बताया कि विलय प्रक्रिया आगे बढ़ने से पहले महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों सरकारों को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्रदान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह का विलय राज्यों और विशेष रूप से तटीय क्षेत्र दोनों के लिए, विकास का एक नया अध्याय लिखेगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस की कड़ी मेहनत ने कोंकण रेलवे निगम की स्थापना और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सेंट मैरी द्वीप पर प्रवेश और साहसिक जल खेलों पर चार महीने का प्रतिबंध

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। मानसून के आगमन को देखते हुए तथा पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उडुपी जिला प्रशासन ने लोकप्रिय पर्यटन स्थल सेंट मैरी द्वीप, मालपे में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध गत 16 मई से प्रभावी है और चार महीने तक लागू रहेगा।

इस दौरान द्वीप पर सभी साहसिक जल क्रीड़ाएं भी स्थगित रहेंगी। समुद्र की लहरें तेज होने तथा हवा की गति बढ़ने के कारण पर्यटन विभाग ने एहतियाती कदम उठाया है।

यह प्रतिबंध 15 सितंबर तक प्रभावी रहेगा। मानसून के मौसम में पश्चिमी तट पर नौका विहार की गतिविधियां आम तौर पर प्रतिबंधित रहती हैं, तथा द्वीप पर प्रवेश पर प्रतिबंध हार्बर क्राफ्ट नियमों के अनुसार है। पर्यटकों से इस अवधि के दौरान जिला प्रशासन के साथ सहयोग करने का अनुरोध किया गया है। हालांकि गर्मी की छुट्टियों में कई पर्यटक मालपे समुद्र तट पर आते हैं तथा द्वीप पर कुछ और दिनों तक प्रवेश खुला रखने की अपील की गई है, लेकिन जिला प्रशासन ने दोहराया है कि पिछले वर्षों की तरह, 16 मई से प्रवेश प्रतिबंध सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। मॉनसून के पूर्वानुमान और संबंधित सुरक्षा नियमों के कारण एडवेंचर वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों और सेंट मैरी द्वीप तक पहुंच को स्थगित कर दिया गया है। हालांकि, पर्यटकों को अभी भी समुद्र तट पर जाने की अनुमति है। पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक चंद्रशेखर ने कहा कि 1 जून से अतिरिक्त सुरक्षा उपाय के रूप में समुद्र तट की लंबाई के साथ बैरिकेड्स लगाए जाएंगे।

बंटवाल में चाकू मारने की कोशिश पूछताछ के लिए कई लोग हिरासत में

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पनेमलंगलूरु के अक्करेंगडी निवासी हमीद से जुड़ी चाकूबाजी की घटना के सिलसिले में कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। बंटवाल टाउन पुलिस फिलहाल मामले की विस्तृत जांच कर रही है। दक्षिण कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक यतीश एन ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। बाद में उन्होंने घटना के बारे में पूरी जानकारी जुटाई और इसमें शामिल लोगों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पहले भी दो समूहों के बीच किसी व्यक्तिगत मुद्दे को लेकर कहासुनी हुई थी और संदेह है कि हाल ही में हुई चाकूबाजी उसी संघर्ष का परिणाम हो सकती है। पुलिस ने इस संदेह की पुष्टि के लिए कई कोणों से जांच शुरू कर दी है और पूछताछ के लिए कई लोगों को हिरासत में भी लिया है।

असली अपराधियों का पता लगाने के लिए बंटवाल के डीएसपी के मार्गदर्शन और एसपी के निर्देशों के अनुसार बंटवाल टाउन के पुलिस निरीक्षक अनंतपद्मनाभ के नेतृत्व में चार जांच दल बनाए गए हैं। हमले में घायल हुए हमीद का फिलहाल मंगलूरु के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है और बताया जा रहा है कि वह खतरे से बाहर हैं। उनके हाथ में गंभीर चोट लगी थी, जिसके लिए सर्जरी की जरूरत थी। यह घटना उस समय हुई जब हमीद पनेमलंगलूरु के अक्करेंगडी में खड़े थे। अज्ञात हमलावरों ने बाइक से उन पर हमला किया और मौके से फरार हो गए।

तटीय कर्नाटक में पूर्वी मानसून ने पकड़ा जोर, 21 मई तक भारी बारिश की संभावना

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में पूर्वी मानसून तेज हो गया है, जिससे मेंगलूरु शहर सहित पूरे जिले में व्यापक वर्षा हुई है। पिछले कुछ दिनों से शहर में बादल छाए हुए हैं। दो दिन पहले मेंगलूरु के विभिन्न हिस्सों, जिनमें नंथूर, कादरी, बंट्स हॉस्टल, हम्पनकट्टा और स्टेट बैंक क्षेत्र शामिल हैं, में भारी बारिश की सूचना मिली है। हाल के दिनों में, दक्षिण कन्नड़ के ग्रामीण इलाकों में भी गरज के साथ बिजली चमकने की घटनाएं देखी गई हैं। मौसम विभाग ने 21 मई तक पूर्वी मानसून के प्रभाव को जारी रखने का पूर्वानुमान जारी किया है, जिसमें क्षेत्र में तेज हवाएं, गरज और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन ने मौसम की चेतावनी के मद्देनजर निवासियों से एहतियाती कदम उठाने का आग्रह किया है।

पूर्वानुमानों के अनुसार, मानसून के आधिकारिक तौर पर 27 मई को केरल में प्रवेश करने और जून के पहले सप्ताह के दौरान तटीय कर्नाटक तक पहुंचने की उम्मीद है। क्षेत्र में बेमौसम बारिश पहले ही शुरू हो चुकी है, जिससे मेंगलूरु में बादल छाए हुए हैं और रुक-रुक कर बारिश हो रही है। प्री-मानसून बारिश पहले ही अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है, इसलिए तटीय कर्नाटक में इस साल अच्छी बारिश होने की उम्मीद है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी मानसून के मौसम में इस क्षेत्र में सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है, जिसके 5 जून तक पूरी तरह से सक्रिय होने की उम्मीद है।

खतरनाक नीतियों से आबकारी राजस्व को नुकसान पहुंच रहा है: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने राज्य सरकार पर खतरनाक नीतियों के जरिए आबकारी राजस्व के स्रोत को कम करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने अवैज्ञानिक आर्थिक नीतियों के कारण दिवालियापन की स्थिति में पहुंच चुकी राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि कर वसूलने के लिए जो रास्ता अपनाया जा रहा है, वह उद्योग के लिए घातक है।

इस पर एक बयान जारी करते हुए उन्होंने कहा कि दरें और लाइसेंस फीस बढ़ाने के लिए एक मानदंड होगा। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि एक ही वर्ष में शराब की बिक्री और लाइसेंस फीस में अचानक वृद्धि से उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने बजट में कोई कर न लगाने और फिर जल्दबाजी में शराब की कीमतें बढ़ाने के लिए सरकार की आलोचना की।

विशेषकर बीयर की कीमत में साल में दो से तीन बार वृद्धि की गई है। उपभोक्ताओं पर भारी बोझ डाला गया है। केवल इसलिए कि शराबी विरोध नहीं करेंगे, ऐसा कदम उठाना अच्छी बात नहीं है। गारंटी योजनाएं उचित वित्तीय अनुशासन और तैयारी के बिना लागू की गईं। इसके कारण विकास कार्यक्रम रुक गए हैं। सरकार दिवालिया हो चुकी है और उसका खजाना खाली है। सरकार, किसी तरह इसे ठीक करने के लिए संघर्ष कर रही है, उसने जो कुछ भी मिल सकता है उसकी कीमतें बढ़ा दी हैं। हालांकि, स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। इसलिए, उन्होंने सरकार पर मूल्य और शुल्क वृद्धि जैसे अनुचित तरीकों से उद्योग का शोषण करने का आरोप लगाया है। शराब उत्पादन, बोतलबंदी और बिक्री केन्द्रों सहित सभी प्रकार के शुल्कों में 100 प्रतिशत की वृद्धि का प्रस्ताव है। इसके लिए आबकारी कानूनों में संशोधन कर मसौदा नियमों की अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई है। संशोधित दरें एक जुलाई से लागू होंगी। उन्होंने कहा कि इससे उद्योग का अंत हो जाएगा। विभाग के लिए 40,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी उपलब्ध अवसरों का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने आलोचना की है कि उद्योग को कठिनाई में धकेला जा रहा है। उद्योग के लाभ के लिए समय अभी भी समाप्त नहीं हुआ है। सरकार को अवैज्ञानिक उपायों को त्यागना चाहिए और उद्योग, विक्रेताओं और उपभोक्ताओं के सर्वोत्तम हित में निर्णय लेना चाहिए। अशोक ने मांग की है कि चार्टर शुल्क संशोधन की पुनः जांच की जाए।

कार खेत के कुएं में गिरने से तीन लोगों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले के पिलर के कुरावापल्ली गांव के पास रविवार सुबह एक कार अनियंत्रित होकर खुले कृषि कुएं में गिर गई, जिससे कर्नाटक के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ितों की पहचान चिंतामणि राजस्व प्रभाग के तंद्रर गांव के मूल निवासी के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात को एक शादी समारोह में खानपान का काम करने के बाद पांच लोग तमिलनाडु के होसूर से पिलर जा रहे थे। रविवार की सुबह कार तेज गति से सड़क से उछलकर कुएं में गिर गई। ग्रामीणों ने दुर्घटना को देखा और क्षेत्र की पुलिस को सूचित किया। दो यात्री, जिनकी पहचान टिप्पा रेड्डी और सुनील के रूप में हुई है, खिड़की तोड़कर भागने में सफल रहे, लेकिन बचाव अभियान शुरू होने तक वे कुएं के अंदर ही फंसे रहे। तीनों मृतकों की पहचान शिवन्ना, लोकेश और चलपति के रूप में हुई है, जो डूबे हुए वाहन के अंदर फंसे हुए थे। पुलिस ने शवों को निकालने और घायलों को बचाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया। पिलर विधायक नल्लारी किशोर कुमार रेड्डी ने तीन लोगों की मौत पर दुख जताया। विधायक ने मृतकों को उनके पैतृक स्थान तक पहुंचाने के लिए आर्थिक सहायता की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री समेत अन्य नेताओं ने जेडीएस प्रमुख देवेगौड़ा को उनके जन्मदिन पर बधाई दी

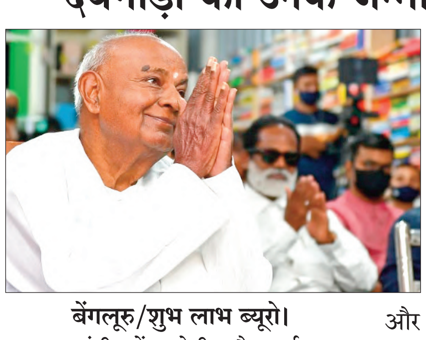

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई अन्य नेताओं ने रविवार को जेडीएस सुप्रीमो एच डी देवेगौड़ा को उनके 92वें जन्मदिन पर बधाई दी। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए मोदी ने लिखा हमारे पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें लंबी और स्वस्थ जिंदगी दे। प्रधानमंत्री ने कहा कि गौड़ा को उनके राजनेता जैसे दृष्टिकोण और जनसेवा के प्रति जुनून के लिए व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कई मुद्दों पर उनकी समझदारी और अंतर्दृष्टि बहुत ताकत का स्रोत है। अपने संदेश में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा देश के वरिष्ठ राजनेता और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें अच्छा स्वास्थ्य और लंबी आयु प्रदान करें। वरिष्ठ भाजपा नेता बी एस येदियुरप्पा और उनके बेटे बी वाई विजयेंद्र, जो भाजपा कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष हैं, ने भी गौड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। गौड़ा का जन्म 18 मई, 1933 को हासन जिले के उनके पैतृक गांव हरदनहल्ली में हुआ था। वे 1 जून, 1996 से 21 अप्रैल, 1997 तक 10 महीने तक भारत के 11वें प्रधानमंत्री रहे। जेडी(एस) सुप्रीमो 11 दिसंबर, 1994 से 31 मई, 1996 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी रहे।

सीएम का शिवमोग्गा का दौरा मौसम की स्थिति के कारण रद्द

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का रविवार को चिक्कमगलूरु और शिवमोग्गा का दौरा मौसम की स्थिति के कारण रद्द कर दिया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री अपरिहार्य कारणों से चिक्कमगलूरु और शिवमोग्गा की यात्रा नहीं करेंगे। दोनों जिलों में मौसम बादल छाए रहने की संभावना है। शनिवार को दोनों जिलों के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हुई। मुख्यमंत्री को विमान से शिवमोग्गा पहुंचना था और हेलीकॉप्टर से चिक्कमगलूरु जाना था। शाम को उनसे शिवमोग्गा में कर्नाटक राज्य सरकार कर्मचारी संघ की तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन करने की उम्मीद थी।

विधायक ने हुब्बल्ली, धारवाड़ में पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में चेतावनी दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधायक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अरविंद बेलाड ने हुब्बल्ली धारवाड़ के पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर संदेह जताया है कि कुछ पाकिस्तानी नागरिक संदिग्ध रूप से जुड़वा शहरों में घूम रहे हैं। राज्य विधानसभा में विपक्ष के उपनेता ने कहा कि उन्हें पाकिस्तान सहित विभिन्न देशों के अज्ञात और संदिग्ध लोगों के मस्जिदों और अन्य स्थानों पर घूमने की सूचना मिली है। उन्होंने मामले की जांच करने और ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। विधायक बेलाड ने कहा मुझे पूरा संदेह है कि वे स्थानीय नहीं हैं। ये नए चेहरे अज्ञात और संदिग्ध लोगों के हैं। ऐसा लगता है कि वे किसी विदेशी देश के नागरिक हैं। ऐसी भी जानकारी है कि वे जुड़वा शहरों (धारवाड़ के जन्नत नगर सहित) के विभिन्न झुग्गी-झोपड़ियों में रह रहे हैं। ऐसे लोगों से पूछताछ की जानी चाहिए और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। महानगर में अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए ऐसा किया जाना चाहिए।

शराब की कीमतों में बढ़ोतरी से खुदरा विक्रेताओं को भी झटका, लाइसेंस फीस में बढ़ोतरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार विभिन्न क्षेत्रों में कीमतों में लगातार वृद्धि कर रही है, जिससे जनता पर बार-बार बढ़ोतरी का बोझ पड़ रहा है। बीयर और भारतीय निर्मित शराब (आईएमएल) की कीमतों में हाल ही में की गई वृद्धि के बाद, राज्य सरकार ने अब एक और झटका देते हुए एक नए कदम के तहत, शराब की दुकानों और बार के लिए वार्षिक लाइसेंस शुल्क में काफी वृद्धि की है, जो कई श्रेणियों में लगभग दोगुना हो गया है। इस संबंध में एक सरकारी अधिसूचना जारी की गई है, जिसमें उपकर और अन्य शुल्क शामिल हैं, जिसके परिणामस्वरूप कुल मिलाकर लगभग 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, सीएल-9 श्रेणी (बार और रेस्तरां) के लिए लाइसेंस शुल्क पहले 8,62,000 रुपये था। इसे अब बढ़ाकर 15,00,000 रुपये कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, 2,25,000 रुपये का उपकर लगाया गया है, जिससे कुल राशि 17,25,000 रुपये हो गई है। सीएल-6ए लाइसेंस धारकों (शराब परोसने वाले स्टार होटलों पर लागू) के लिए, पहले 9,75,000 रुपये का शुल्क अब बढ़ाकर 20,00,000 रुपये कर दिया गया है। 3,00,000 रुपये के उपकर के साथ, कुल राशि 23,00,000 रुपये हो जाती है। सीएल-7 लाइसेंस (होटल और लॉज के लिए) के मामले में, शुल्क 9,75,000 रुपये से बढ़ाकर 17,00,000 रुपये कर दिया गया है। 2,55,000 रुपये के उपकर के साथ, अब देय कुल राशि 19,55,000 रुपये हो गई है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, बेंगलूरु होटल ओनर्स एसोसिएशन के मानद अध्यक्ष पी सी राव ने अपना असंतोष व्यक्त करते हुए कहा सरकार ने पहले ही पानी और बिजली सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि कर दी है। अब इसने बार और रेस्तरां के लिए लाइसेंस शुल्क बढ़ा दिया है। हम प्रतिदिन 110 करोड़ रुपये और सालाना 40,000 करोड़ रुपये आबकारी विभाग को देते हैं। इस संदर्भ में, लाइसेंस शुल्क वृद्धि अवैज्ञानिक और अनुचित है।

आरपीएफ स्टाफ के प्रयासों के बावजूद यात्री की दिल का दौरा पड़ने से मौत

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मचारियों के तत्काल और वीरतापूर्ण प्रयासों के बावजूद, 12602 मेंगलूरु-चेन्नई मेल में यात्रा कर रहे एक यात्री की शनिवार को दिल का दौरा पड़ने से दुखद मौत हो गई। यह घटना ट्रेन के जनरल कोच में दोपहर करीब 1:35 बजे हुई। सूचना मिलने पर, आरपीएफ इंस्पेक्टर मनोज कुमार यादव और उनकी टीम ने तुरंत कार्रवाई की, यात्री को कोच से बाहर निकाला, सीपीआर दिया और मुंह से मुंह लगाकर उसे होश में लाया। इसके बाद यात्री को आगे के इलाज के लिए सरकारी वेनलॉक अस्पताल ले जाया गया।

दुर्भाग्य से, इन जीवन रक्षक प्रयासों के बावजूद, यात्री को अस्पताल में शाम करीब 4 बजे मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारियों ने एक बयान में कहा हमने यात्री को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया।

हमारे लिए हर यात्री महत्वपूर्ण है। आरपीएफ कर्मचारियों की समर्पित प्रतिक्रिया, हालांकि अंततः असफल रही, यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों द्वारा समान रूप से व्यापक रूप से सराहना की गई।

एलओसी पर बंकरों का निर्माण शुरू

जम्मू, 18 मई (ब्यूरो)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीजफायर के जारी रहने या टूट जाने की आशंकाओं के बीच एलओसी से सटे इलाकों में रहने वाले लोग कोई खतरा मोल लेने को राजी नहीं हैं। यही कारण है कि इन इलाकों में नापाक गोलाबारी से बचाव के लिए बंकरों का निर्माण शुरू हो गया है। नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बढ़े तनाव और पाकिस्तानी गोलाबारी में हुए नुकसान के बाद उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर में सामुदायिक बंकरों का निर्माण शुरू कर दिया गया है। यह पहल संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक चरण में पोथवारी, 5 नंबर, नौगाम और मनकल सहित प्रमुख स्थानों पर सात सामुदायिक बंकरों का निर्माण शामिल है, प्रत्येक साइट पर एक बंकर होगा। आपात स्थिति के दौरान आसान और तत्काल पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ये संरचनाएं आवासीय क्षेत्रों के नजदीक विकसित की जा रही हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) के एक अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक बंकर 15 मीटर लंबा और 10 फीट चौड़ा होगा, जिसमें पांच से सात परिवार रह सकेंगे। निर्माण कार्य पीडब्लूडी द्वारा वन विभाग और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। प्रत्येक बंकर दो दिनों के भीतर उपयोग के लिए तैयार होने की उम्मीद है। दरअसल सीमा पर हाल ही में हुई वृद्धि ने नौगाम सेक्टर के निवासियों को लगातार भय की स्थिति में डाल दिया है, जिससे उनके दैनिक जीवन और आजीविका पर गंभीर असर पड़ रहा है। स्थानीय निवासी मोहम्मद असलम कहते हैं कि हाल ही में हुई गोलाबारी के कारण हमारी रातों की नींद उड़ गई थी। यहां के ज्यादातर घर लकड़ी से बने हैं जो इतने कमजोर हैं कि एक छोटा सा विस्फोट भी उन्हें सेकंडों में नष्ट कर सकता है। एक अन्य निवासी मोहम्मद अराफ कहते हैं, भारी गोलाबारी के दौरान परिवार सुरक्षा की तलाश में एक ही कंक्रीट के घर में एक साथ इकट्ठा हो जाते थे। ये अस्थायी बंकर हमें सुरक्षा का एहसास दिलाते हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि सरकार भविष्य में स्थायी कंक्रीट बंकर बनाएगी।

दिलचस्प बात यह है कि इन बंकरों के निर्माण ने कई स्थानीय लोगों के लिए आजीविका का अवसर भी प्रदान किया है, जिनमें से अधिकांश सेना या अन्य सीमा-संबंधी गतिविधियों में रोजगार पर निर्भर हैं। एक स्थानीय कार्यकर्ता कहते हैं, हम प्रशासन के आभारी हैं। वे न केवल हमें खतरे से बचा रहे हैं, बल्कि आजीविका कमाने का मौका भी दे रहे हैं।

सीमा पर रहने वाले निवासियों ने बताया कि उन्हें पहले उच्च जोखिम वाले सीमा क्षेत्र का हिस्सा नहीं माना जाता था। हालांकि, हाल ही में हुई झड़पों के बाद और नौगाम सेक्टर की एलओसी से निकटता को देखते हुए, अधिकारियों ने आखिरकार सुरक्षात्मक उपाय शुरू किए।

विशेष रूप से, लोगों ने एक ही चिंता व्यक्त की थी कि अगर युद्ध जैसी स्थिति फिर से पैदा हो गई, तो उनके पास कोई आश्रय नहीं होगा। स्थ्थानीय निवासियों द्वारा उजागर किए गए इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए, प्रशासन ने अब उचित स्थानों पर बंकरों का निर्माण शुरू करके प्रतिक्रिया दी है। इन सामुदायिक बंकरों का निर्माण सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिक सुरक्षा को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय लोग अब अधिक टिकाऊ, कंक्रीट संरचनाओं की उम्मीद करते हैं जो भविष्य में तनाव बढ़ने की स्थिति में दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं।

सहकारी ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता: शाह

अहमदाबाद, 18 मई (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में सभी लोगों को जागरूक कर, पारदर्शिता के नए आयाम तय कर सहकारी ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता है।

श्री शाह ने आज अहमदाबाद में गुजरात राज्य सहकारी संघ द्वारा विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका पर आयोजित महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के तौर पर मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सहकारिता शब्द पूरे विश्व में आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना वर्ष 1900 में था। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में 2021 से सहकारिता आंदोलन को पुनर्जीवित करने का एक बहुत बड़ा प्रयास शुरू हुआ और इसीलिए सहकारिता वर्ष की शुरुआत भारत में करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि 2021 में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुई शुरूआत के तहत सहकार से समृद्धि और विकसित भारत में सहकारिता की भूमिका के दो सूत्रों को देश के सामने रखा गया। उसी शुरूआत के अंतर्गत आज गुजरात में इस सहकारिता सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

श्री शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में हुए परिवर्तन के लाभ जब तक निचले स्तर पर प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पीएसीएस) और किसानों तक नहीं पहुंचेंगे तब तक सहकारिता क्षेत्र मजबूत नहीं हो सकता। इसीलिए यह बहुत जरूरी है कि हम सहकारी संस्थाओं को आगे बढ़ाएं। हमें सभी प्रकार की सहकारी संस्थाओं में जागरूकता, प्रशिक्षण और पारदर्शिता लाने का प्रयास करना होगा।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान साइंस ऑफ कोऑपरेशन और साइंस इन कोऑपरेशन पर भारत सरकार ने बल दिया है। आजादी के आंदोलन के समय देश में शुरू हुआ सहकारिता आंदोलन धीरे-धीरे देश के एक बड़े भाग में लगभग समाप्त हो चुका था। यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस आंदोलन के तहत हर राज्य और जिले तक सहकारिता का विस्तार हो। साथ ही हर राज्य में प्राथमिक सहकारी समितियों की स्थिति सुधरे, जिलास्तरीय संस्थाएं मजबूत हो और उनके माध्यम से राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर का सहकारी ढांचा भी मजबूत बने।

श्री शाह ने कहा कि कई वर्षों से चली आ रही वैश्विक त्रि-स्तरीय सहकारिता ढांचे की कल्पना में हमने चौथे स्तर को जोड़ा है। सहकारिता के ढांचे की हर सहकारी गतिविधि से जुड़े राष्ट्रीय संस्थानों, राज्यस्तरीय सहकारी संस्थाओं, जिलास्तरीय संस्थाओं और हर क्षेत्र की प्राथमिक सहकारी समितियों को मजबूत करते हुए पूरे देश में सहकारिता को पहुंचाना ज़रूरी है। इसके लिए हमें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का उपयोग करना चाहिए।

पाकिस्तान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सशस्त्र बलों की पहुंच से बाहर हो : मनोज सिन्हा

जम्मू, 18 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सशस्त्र बलों की पहुंच से बाहर हो।

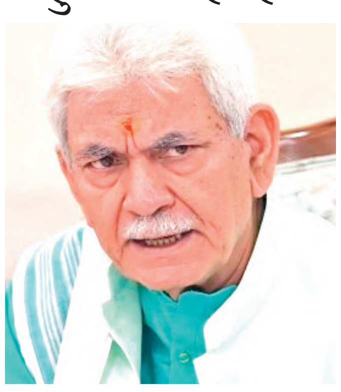

सिन्हा ने यह टिप्पणी उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के तंगधार सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा, ''पूरी दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी देखी है और फिर दुश्मन ने संघर्षविराम के लिए पूरी दुनिया से गुहार लगानी शुरू कर दी। पाकिस्तान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सेना की पहुंच से बाहर हो।''

उपराज्यपाल ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला और यह भी कहा कि दुश्मन कर्ज के दम पर मानवता को नष्ट कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा पड़ोसी कर्ज के दम पर मानवता को नष्ट करने पर तुला हुआ है। मुझे लगता है कि हमारे वीर सैनिकों द्वारा दिए गए जवाब से उन्हें सबक मिला होगा। मैं आपकी वीरता, पराक्रम और मां भारती के प्रति आपकी भक्ति को नमन करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जब भी ऐसा संकट आए, तो लोगों को पता चले कि हमारा देश आप जैसे वीरों के सुरक्षित हाथों में है।''

सिन्हा ने सेना और पुलिस कर्मियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देश सतर्कता, समर्पण, बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान के साथ जीवन की रक्षा करने और हमारी सीमाओं की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए सशस्त्र बलों का आभारी है।

सिन्हा ने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे जवान दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का डटकर सामना करेंगे।'' बाद में सिन्हा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सेना और पुलिस अधिकारियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। तंगधार में हमारे बहादुर जवानों से बातचीत की। वे देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ डटे हुए हैं।'' सिन्हा ने तंगधार सेक्टर में सीमा क्षेत्र का दौरा किया और पाकिस्तान द्वारा भारी गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन किया।

स्टालिन ने राष्ट्रपति के खिलाफ कानूनी लड़ाई में आठ मुख्यमंत्रियों से मांगा समर्थन

चेन्नई, 18 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को गैर-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर राष्ट्रपति द्वारा राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय सीमा तय करने के शीर्ष न्यायालय के समक्ष उठाए गए सवालों के खिलाफ कानूनी लड़ाई में उनका समर्थन मांगा।

श्री स्टालिन ने पत्र में उनसे संघवाद और राज्य की स्वायत्तता को बनाए रखने के लिए इसका कड़ा विरोध करने और आगामी कानूनी लड़ाई में एकजुट होने का आग्रह किया है। उन्होंने न्यायालय के समक्ष एक समन्वित कानूनी रणनीति विकसित करने और संविधान के मूल ढांचे को संरक्षित तथा सुरक्षित रखने के लिए एकजुट मोर्चा बनाने का भी आह्वान किया।

गौरतलब है कि तमिलनाडु विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी देने में अत्यधिक देरी को लेकर राज्यपाल आर एन रवि के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष न्यायालय ने राज्यपालों द्वारा भेजे गये विधेयकों पर मंजूरी देने को लेकर राष्ट्रपति के लिए समय सीमा निर्धारित कर दी थी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने केंद्र सरकार की सलाह पर गत 13 मई को संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सर्वोच्च न्यायालय के सलाहकार क्षेत्राधिकार का आह्वान किया है और न्यायालय के समक्ष 14 प्रश्न उठाए हैं। हालांकि संदर्भ में किसी राज्य या निर्णय का विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन इसका उद्देश्य तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए कानून और संविधान की व्याख्या पर सवाल उठाना है।

श्री स्टालिन ने कहा कि भाजपा सरकार ने संदर्भ मांगने के लिए दबाव डाला है, जो उनके भयावह इरादे की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा, इस महत्वपूर्ण मोड़ पर मैंने सभी राज्य सरकारों और क्षेत्रीय दलों के नेताओं से जो भाजपा के विरोधी हैं और हमारे संघीय ढांचे तथा राज्य की स्वायत्तता को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, आगामी कानूनी लड़ाई में एकजुट होने का आह्वान किया था।'

उन्होंने कहा, मैं अब आपको व्यक्तिगत रूप से यह अनुरोध करने के लिए लिख रहा हूं कि आप राष्ट्रपति द्वारा शीर्ष न्यायालय के समक्ष मांगे गए इस संदर्भ का विरोध करें। हमें न्यायालय के समक्ष एक समन्वित कानूनी रणनीति विकसित करनी चाहिए और संविधान के मूल ढांचे को संरक्षित तथा सुरक्षित रखने के लिए एक संयुक्त मोर्चा पेश करना चाहिए, जैसा कि हमारे सर्वोच्च न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक फैसले में बरकरार रखा है। मैं इस महत्वपूर्ण मुद्दे में आपके तत्काल और व्यक्तिगत हस्तक्षेप की आशा करता हूं।

सेना ने की घोषणा, सीजफायर समाप्ति की कोई तारीख नहीं

अब घर लौटने लगे सीमा पर रहने वाले लोग

जम्मू, 18 मई (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के प्रत्येक नागरिक खासकर सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लाखों नागरिकों की जान में जान उस समय आई जब सेना ने यह आश्वस्त किया कि 10 मई को आरंभ हुए सीजफायर की कोई एक्सपायरी डेट नहीं है और अब इस मुद्दे पर पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं होनी है। सीमांत नागरिकों और नागरिक प्रशासन को युद्धविराम की तारीख को लेकर भ्रम था। पाकिस्तान भी यह कह रहा था कि 18 मई तक ही सीजफायर जारी रहेगा।

आज सुबह भारतीय सेना ने कहा कि रविवार को भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच कोई वार्ता निर्धारित नहीं थी। सेना प्रवक्ता ने इस धारणा को खारिज किया कि युद्धविराम अस्थायी था और आज समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत में युद्धविराम की समाप्ति की कोई तारीख निर्धारित नहीं की गई थी। 12 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) की चर्चा गोलीबारी या किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई से बचने के लिए आपसी समझौते को बनाए रखने पर केंद्रित थी।

आरसीपी सिंह ने प्रशांत किशोर से मिलाया हाथ क्या बिहार की राजनीति में होगा बड़ा उलटफेर?

पटना, 18 मई (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव आया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी रहे आ-रसीपी सिंह ने रविवार को प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी जॉइन कर ली।

उन्होंने अपनी पार्टी 'आप सबकी आवाज' का जन सुराज पार्टी में विलय भी कर दिया। इसके बाद आरसीपी सिंह और प्रशांत किशोर ने जेडीयू के कई बड़े नेताओं पर निशाना साधा और जमकर हमला बोला। यह घटनाक्रम बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकता है।

प्रशांत किशोर ने आरसीपी सिंह का आभार जताते कहा कि वह नई व्यवस्था में बदलाव लाने के लिए जन सुराज से जुड़े हैं। बिहार को नया विकल्प देने में आरसीपी सिंह का प्रशासनिक और राजनीतिक अनुभव काम आएगा।

जन सुराज प्रमुख ने कहा, '2025 में बना महागठबंधन केस स्टडी बन गया है। महागठबंधन ने बिहार में पीएम मोदी और बीजेपी का विजय रथ रोका था। बीजेपी के विजय रथ रोकने की नई व्यवस्था प्रशांत किशोर और आ-रसीपी सिंह की वजह से बनी।' उन्होंने कहा कि आरसीपी सिंह के साथ संघर्ष कर रहे कार्यकर्ता भी जन सुराज में शामिल हुए हैं। प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान का हवाला देते हुए कहा कि जन सुराज क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म पर समझौता नहीं करेगी।

उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब शारीरिक और मानसिक तौर पर निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं। जदयू ठेकेदारों की पार्टी बन गई है। जन सुराज समाजवाद और लोहिया के विचारों को जिंदा रखेगी। गांधी की सोच के मुताबिक सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ा जाएगा।' प्रशांत किशोर ने जदयू छोड़कर जन सुराज में शामिल होने का आह्वान किया।

आरसीपी सिंह ने भी प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा, '2047 में विकसित भारत लेकिन बिहार की चर्चा नहीं होती। हमने एनडीए और इंडिया में भी काम किया है। हमने इनके लिए मजदूरी की है। अब पहली बार अपने लिए घर बना रहे हैं। हमारे लिए घर बिहार है।' आर-सीपी सिंह ने कहा कि पीएम मोदी 2047 में विकसित भारत की चर्चा करते हैं लेकिन बिहार की नहीं करते। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृहनगर नालंदा से संबंध रखने वाले आरसीपी सिंह उत्तर प्रदेश काडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी थे और केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर वह पहली बार 1999 में कुमार के संपर्क में आए थे। उस समय जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख कुमार रेल मंत्री थे। साल 2005 में बिहार की सत्ता संभालने के बाद कुमार ने सिंह के प्रशासनिक कौशल से प्रभावित होकर उन्हें अपने प्रमुख सचिव के रूप में बिहार आने के लिए राजी किया।

सिंह 2010 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर कुमार की जद (यू) में शामिल हो गए। इसके बाद वह लगातार दो बार राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए।

बाद में, उन्हें जद(यू) का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया। हालांकि, 2021 में सिंह का केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होना कुमार को पसंद नहीं आया। सिंह ने जद(यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया और एक साल बाद, उन्हें फिर से राज्यसभा सदस्य नहीं बनाया गया। बाद में, सिंह जद(यू) छोड़कर 2023 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। फिर नवंबर 2024 में उन्होंने अपनी खुद की पार्टी बनाई।

त्रिपुरा सरकार ने अनुराग को राज्य का नया डीजीपी नियुक्त किया

अगरतला, 18 मई (एजेंसियां)। त्रिपुरा सरकार ने शनिवार को 1994 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी अनुराग को राज्य का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया। श्री अनुराग ने 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी अमिताभ रंजन की जगह ली है।

रिपोर्टों के अनुसार नियुक्ति के तुरंत बाद श्री अनुराग ने रात में डीजीपी का पदभार संभाल लिया। श्री अनुराग की नियुक्ति से पुलिस महकमा खुश हैं, और पुलिस मुख्यालय सहित विभिन्न पुलिस इकाइयों में जश्न मनाया गया। मैसूर के केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीअ-रआई) से खाद्य प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर श्री अनुराग ने उस्मानिया विश्वविद्यालय से पुलिस प्रबंधन में मास्टर डिग्री और ना-लसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद से साइबर अपराधों में पीजी डिप्लोमा हासिल किया है। वह एसीएफई, अमेरिका से प्रमाणित धोखाधड़ी परीक्षक हैं।

श्री अनुराग ने उप-विभागीय पुलिस अधिकारी से लेकर महानिदेशक (खुफिया) तक विभिन्न क्षमताओं में 30 से अधिक वर्षों तक त्रिपुरा पुलिस की सेवा की है। वर्ष 2003-04 के दौरान, वह कोसोवो में शांति के लिए संयुक्त राष्ट्र मिशन में थे और 2005 से 2013 के बीच उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में सेवा की। इसके बाद, वह तीन साल के लिए त्रिपुरा लौट आए और फिर 2016 में उन्होंने पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिरीक्षक, अनुसंधान एवं सुधार प्रशासन और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में महानिरीक्षक (कार्मिक) के अलावा सीबीआई में संयुक्त निदेशक और अतिरिक्त निदेशक के रूप में कार्य किया। वे 2023 के अंत में त्रिपुरा फिर वापस नहीं आ गए। श्री अनुराग के वापस आते ही डीजीपी बनने की उम्मीद थी, क्योंकि श्री रंजन के कार्यकाल के दौरान त्रिपुरा पुलिस संकट कथित तौर पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और शीर्ष पर भाई-भतीजावाद के कारण से जूझ रही थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस थानों को कथित तौर पर निर्देश दिया गया था कि वे अपराध की कम घटनाओं को दर्शाने के लिए अत्यंत आवश्यक होने पर ही प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करें।

गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि श्री रंजन पर अपने पूर्ववर्ती वी एस यादव के खिलाफ़ झूठे मानहानि के आरोप लगाने का भी आरोप था, लेकिन आर-ोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत न मिलने के बाद उन्होंने पाँच पुलिसकर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया, क्योंकि उन सभी ने श्री यादव को फंसाने के लिए मनगढ़ंत बयान देने से इनकार कर दिया था।

दुनिया देखेगी राज्य संग्रहालय में रखी दो लाख दुर्लभ पांडुलिपि और मूर्तियां

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर थ्रीडी स्वरूप में लाने की तैयारी

लखनऊ, 18 मई (एजेंसियां)। लखनऊ स्थित राज्य संग्रहालय में मौजूद दो लाख दुर्लभ पांडुलिपियां और मूर्तियां अब पूरी दुनिया देखेगी। संग्रहालय की निदेशक डॉ. सृष्टि धवन और सहायक निदेशक डॉ. मीनाक्षी खेमका ने बताया कि संग्रहालय केवल कलाकृतियों के संग्रह तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह ज्ञान का केंद्र भी है। ऐसे में जरूरी है कि यहां मौजूद भारतीय इतिहास, संस्कृति, धर्म, संस्कार, जीवनशैली और परिधानों के बारे में बच्चों और युवाओं को जानकारी दी जाए।

डॉ.सृष्टि धवन
डॉ. मीनाक्षी खेमका

राजधानी लखनऊ के प्राणि उद्यान में स्थित राज्य संग्रहालय में करीब दो लाख कलाकृतियां मौजूद हैं। इनमें से अधिकतर दुर्लभ हैं। इनमें 200 पांडुलिपियां हस्तलिखित व ताम्रपत्र पर लिखी हुई हैं। करीब 4500 मूर्तियां और इतनी ही टेराकोटा शैली की मूर्तियां हैं। इसके अलावा 1600 प्राचीन पेंटिंग्स भी हैं। इन सभी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर थ्रीडी स्वरूप में लाने की तैयारी संस्कृति विभाग कर रहा है। जल्द ही इन्हें पूरी दुनिया में कहीं से भी देखा जा सकेगा। 18 मई को विश्व संग्रहालय दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम रखी गई है हमेशा बदलते समुदायों में संग्रहालय का भविष्य। इस थीम के तहत राज्य संग्रहालय ने स्कूली बच्चों के बीच संग्रहालयों की जानकारी प्रसारित करने की भी तैयारी की है। इसकी शुरुआत मोहनलालगंज स्थित अटल आवासीय विद्यालय से शुक्रवार को की गई। बच्चों में निबंध प्रतियोगिता कराई गई।

राज्य संग्रहालय की निदेशक डॉ. सृष्टि धवन ने बताया कि प्रदेश में सात नए संग्रहालय तैयार हो रहे हैं। इनमें लखनऊ के बख्शी का तालाब में संस्कृति संग्रहालय, बाराबंकी में केडी सिंह बाबू संग्रहालय, बिजनौर में दुष्यंत कुमार संग्रहालय, गोरखपुर में गोरखा रेजीमेंट संग्रहालय, अयोध्या में स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय और कौशांबी व सुल्तानपुर में जिला संग्रहालय तैयार हो रहे हैं। अलीगढ़ में ताला संग्रहालय और कासगंज में जिला संग्रहालय का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि एआर-वीआर का प्रयोग कर संग्रहालयों को मनोरंजक बनाने के प्रयास भी हो रहे हैं। राज्य संग्रहालय की कलाकृतियों का डिजिटलीकरण कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी इनकी जानकारी आमजन को मुहैया कराई जा रही है।

राज्य संग्रहालय की नींव 1863 में लखनऊ डिवीजन के तत्कालीन कमिश्नर कर्नल एबॉट ने सींखचे वाली कोठी में डाली थी। 1883 में इसे प्रांतीय संग्रहालय घोषित किया गया। 1984 में इसे लाल बारादरी में स्थानांतरित किया गया। 1950 में इसका नाम राज्य संग्रहालय रखा गया। 1963 में यह बनारसी बाग स्थित भवन में शिफ्ट हो गया। वर्तमान में यहां पर पुरातत्व वीथिका-1 (प्रागैतिहासिक काल से कुषाण काल तक), पुरातत्व वीथिका-2 (गुप्त काल से मध्यकाल तक), जैन कला वीथिका, ममी वीथिका, अस्त्र-शस्त्र एवं सज्जा कला वीथिका, प्राकृतिक इतिहास वीथिका 1 व 2, चित्रकला वीथिका, विदेशी मूर्ति कला, बुद्ध, मुद्रा, अवध और मृणमूर्ति वीथिका के अलावा प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय व राज हंस विमान मौजूद हैं।

राज्य संग्रहालय में चौथी शताब्दी का गांधार शैली में बना बुद्ध मस्तक मौजूद है जो कुषाण व गुप्तकालीन है। इसमें स्टको कला का बेहतरीन प्रयोग किया गया है। मालूम हो कि 1930 से 1970 के बीच हड्डा में हुई खुदाई के दौरान करीब 23000 बौद्ध मूर्तियां मिली थीं। इसके अलावा यहां ग्रेनाइट पत्थर से बना 12वीं शताब्दी का दुर्लभ महाकाल मस्तक मौजूद है। इसमें ठोड़ी के पास वाला भाग टूटा हुआ है। माथे पर तीसरी आंख स्पष्ट है। सातवीं व आठवीं शताब्दी के बीच की भगवान विष्णु की खंडित प्रतिमा है, जिसमें छवि का दाहिना भाग, देवता का सिर, अतिरिक्त बायां हाथ और बाएं भाग का ऊपरी भाग अप्राप्त है। विष्णु को पद्म पुरुष व एक अन्य पुरुष के साथ दिखाया गया है। जैन धर्म के 19वें तीर्थंकर की 12वीं शताब्दी की सिरविहीन मूर्ति है, जिसका प्राप्ति स्थान उन्नाव है। शरीर का वर्ण नीला है। इन्हें जैन धर्म की एकमात्र महिला तीर्थंकर माना जाता है। इसके अलावा आठवीं शताब्दी की मनसा देवी की मूर्ति भी मौजूद है, जिसे मिर्जापुर से प्राप्त किया गया। इनकी मान्यता व लोकप्रियता बंगाल में अधिक रही। 10वीं शताब्दी की मां गंगा की मूर्ति, 12वीं शताब्दी की मां सरस्वती प्रतिमा समेत हजारों कलाकृतियां मौजूद हैं।

सम्पूर्ण राजस्व अभिलेखों का होगा डिजिटलाइजेशन

लखनऊ, 18 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में डिजिटल क्रांति की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने की तैयारी है। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग ने पुराने राजस्व अभिलेखों और लेखपत्रों को शाश्वत काल तक सुरक्षित रखने के लिए डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। इसके तहत अब 1990 से पहले के सम्पूर्ण राजस्व अभिलेखों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की तैयारी चल रही है और जल्द ही इस कार्य के लिए संस्था का चयन किया जाएगा। विभाग चरणबद्ध तरीके से पुराने अभिलेखों की स्कैनिंग और डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा कर रहा है। विभाग की ओर से मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत की गई प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2025 तक 2002 से 2017 तक के विलेखों का डिजिटला-इजेशन 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। वहीं, 1990 से 2001 तक के विलेखों के डिजिटलाइजेशन के लिए यूपीडीईएससीओ की ओर से टेंडर प्रक्रिया चल रही है। अब तीसरे चरण में 1990 से पहले के अभिलेखों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की योजना पर काम शुरू होने जा रहा है। इस डिजिटलाइजेशन प्रक्रिया से राजस्व से जुड़े दस्तावेजों तक पहुंच आसान हो जाएगी। स्कैनिंग के बाद अभिलेखों की हार्ड कॉपी को सेंट्रल रिकॉर्ड रूम में शिफ्ट किया जाएगा, जिससे उपनिबंधक कार्यालयों में पुरानी फाइलों के अंबार से राहत मिलेगी। इससे न केवल कार्यालयों में स्थान की उप-लब्धता बढ़ेगी, बल्कि अभिलेखों की दीर्घकालिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डिजिटल गवर्नेंस की यह पहल न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आधुनिक बना रही है, बल्कि जनता को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। डिजिटल अभिलेखों के माध्यम से जानकारी प्राप्त करना सुगम होगा और पुराने दस्तावेजों को खोजने में लगने वाला समय और संसाधन बचेगा। यह कदम उत्तर प्रदेश को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को दी बड़ी जिम्मेदारी

बसपा के मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बने आकाश

लखनऊ, 18 मई (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्हें मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया गया है। बहुजन समाज पार्टी की बैठक में बसपा नेता मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए जाने की घोषणा की। उन्हें आगे के कई कार्यक्रमों की जिम्मेदारी भी दी। साथ ही सावधानी बरतते हुए पार्टी को मजबूत बनाने की सलाह दी।

बैठक में देश में बसपा के संगठन की मजबूती व सर्वसमाज के बीच जनाधार बढ़ाने पर गहन चर्चा हुई।

पार्टी के कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के लिए सभी ने भारतीय सेना की सराहना की। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि देश में आतंकी निरोधक उपाय जरूरी हैं। ताकि किसी का सुहाग उजड़ने से बचाया जा सके। प्रधानमंत्री द्वारा पाकिस्तान की परमाणु धमकी नहीं सहने की चेतावनी देना एक सही कदम है। यह भी जरूरी है कि कश्मीर पर अमेरिका या तीसरे पक्ष का दखल स्वीकार नहीं किया जाए। अपने आप पर भरोसा होना बेहतर होता है।

मायावती ने कहा, सरकार इसका भी ध्यान रखे कि गौतम बुद्ध व बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनादर करके समाज में द्वेष न फैलाया जाए। इस पर राज्य सरकारें पूरी तरह रोक लगाएं। मायावती ने बहुजन वालंटियर फोर्स (बीवीएफ) को पहले की तरह संगठित करने पर बल दिया। ताकि देशभर में पार्टी के कार्यक्रम किए जा सकें।

बैठक में बसपा सुप्रीमो मायावती ने सर्वसम्मति से भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी। उन्हें पार्टी के आगे के कार्यक्रमों की भी जिम्मेदारी दी। साथ ही यह भी कहा कि इस बार पार्टी व मूवमेंट के हित में हर प्रकार की सावधानी बरतते हुए पार्टी को मजबूत बनाने में वह अपना सराहनीय योगदान देंगे।

सिम कार्ड फ्रॉड के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा

सीतापुर से नेपाल और पाकिस्तान भेजे गए 50 एक्टिवेटेड सिम

लखनऊ/सीतापुर, 18 मई (एजेंसियां)। यूपी के सीतापुर जिले से 50 सिम कार्डों को एक्टिवेट कर नेपाल और पाकिस्तान भेजने का मामला सामने आया है। आरोपी संतराम को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। एटीएस ने बताया कि जाली दस्तावेज के आधार पर सीतापुर से 50 सिम कार्डों को एक्टिवेट कर नेपाल और पाकिस्तान भेजा गया। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) के निरीक्षक अरविंद कुमार पांडेय की तहरीर पर खैराबाद पुलिस ने शनिवार को मुकदमा दर्ज कर धरैंचा निवासी संतराम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से जाली आधार कार्ड, पहचान पत्र, पैन कार्ड, कई फोटो और संदिग्ध ऑडियो रिकॉर्डिंग भी मिली है। आरोपी के तार साइबर अपराधियों से जुड़े हैं।

एटीएस को जानकारी मिली थी कि खैराबाद के धरैंचा गांव निवासी संतराम वर्ष 2022 से मोबाइल सिम कार्ड बेचने का काम करता है। आरोप है कि संतराम ने जाली दस्तावेज के आधार पर कुछ सिम एक्टिवेट किए। इन एक्टिवेटेड सिमों को संतराम ने पीलीभीत निवासी युवक के माध्यम से नेपाल तक भेजवाया। एक्टिवेटेड सिम कार्डों का उपयोग देश विरोधी गतिविधियों में किया गया है। इस इनपुट के आधार पर एटीएस सक्रिय हुई। संतराम पर नजर रखना शुरू किया। इस दौरान पता चला कि संतराम बिजवार पुलिस चौकी के पास दुकान खोलकर एक निजी मोबाइल कंपनी का पीओएस एजेंट बनकर सिम कार्डों को एक्टिवेट करता है। जांच में पता चला कि संतराम ने 50 सिम कार्डों को एक्टिवेट कर देश के बाहर भी भेजा है। संतराम बिजवार स्थित दुकान से साइबर क्राइम भी करने लगा। वह लोगों को पैसों का लालच देकर बैंक में खाता खुलवाता था और फिर उसमें साइबर क्राइम के माध्यम से रुपये जमा करवाता था। कमीशन देकर सभी पैसे निकलवा लेता था।

जाली दस्तावेज के आधार पर सिम एक्टिवेट कर नेपाल व पाकिस्तान भेजने वाला संतराम महज आठवीं पास है। धरैंचा गांव निवासी संतराम अपने गांव के लोगों से बहुत कम बातचीत करता था। ग्रामीणों के अनुसार संतराम का परिवार मजदूरी करता है। चंद समय में ही उसकी आय तेजी से बढ़ी, जिससे ग्रामीण भी दंग थे। शनिवार को एटीएस की कार्रवाई के बाद उसका राज सामने आया है। संतराम ने वर्ष 2022 में धरैंचा गांव के बाहर मोबाइल की दुकान खोली। वह सिम कार्ड बेचने के साथ मोबाइल रिपेयर का काम भी करने लगा। इसके बाद उसने साइबर क्राइम की दुनिया में कदम रखा। महंगे दर पर सिम कार्ड बेचकर उसने एक बाइक खरीदी। वहीं, अपने कच्चे मकान को गिराकर दो हजार वर्ग फीट में पक्का मकान बनवाया। अपनी दुकान धरैंचा से हटाकर ढेढ़ूराई ले गया। वहां भी करीब छह माह तक रहा।

करीब डेढ़ वर्ष पहले बिजवार में पुलिस चौकी के पास सचिन मोबाइल शॉप के नाम से दुकान खोली। यहीं से एटीएस ने शनिवार को उसे गिरफ्तार किया है। एटीएस को संतराम के विभिन्न प्रदेशों के साथ विदेश में भी कुछ लोगों से संपर्क होने के साक्ष्य मिले हैं। उसके दो बैंक खातों में लाखों रुपए की रकम भी मिली है। संतराम अपनी दुकान से स्थानीय लोगों को फोन कर कमीशन पर बैंक खाते खुलवाने के लिए तैयार करता था।

पुलिस मुठभेड़ में मारा गया शातिर अपराधी संतोष उर्फ राजू

कौशाम्बी, 18 मई (एजेंसियां)। कौशाम्बी में चालक की हत्या कर कॉपर वायर से भरा ट्रेलर लूटने का आरोपी संतोष उर्फ राजू को पुलिस ने शनिवार की देर रात मुठभेड़ में मार गिराया। उसके ऊपर जिले के विभिन्न थानों सहित मुंबई में भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बदमाश की ओर से चलाई गई गोली इंस्पेक्टर और दरोगा के बुलेटप्रूफ में लगी है। एसएचओ चंद्रभूषण मौर्य और एक दरोगा के बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश संतोष उर्फ राजू के सीने में छह गोली लगी है। पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोखराज थाना इलाके के ककोढा हाईवे किनारे शनिवार की रात करीब 11 बजे यह मुठभेड़ हुई। एसपी राजेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार को राजस्थान अजमेर के जगपुरा गांव का रहने वाला साबरमल मीणा (40) अपने ट्रेलर में गुजरात से कॉपर वायर लोड कर प्रयागराज के सूबेदारगंज के लिए निकला था।

जिसकी कीमत करीब चार करोड़ है। शुक्रवार को कोखराज थाना क्षेत्र के ककोढा हाईवे पर कुख्यात बदमाश सन्तोष उर्फ राजू ने अपने गैंग के दो सदस्यों के साथ अर्टिगा कार से ओवरटेक कर ट्रेलर रोक लिया और ड्राइवर साबरमल मीणा को गन पॉइंट पर पहले धमकाया।

फिर उसे यह लालच दिया कि कॉपर वायर किसी और को बेच देते हैं। जिसके बदले उसे भी हिस्सा देंगे। जब ड्राइवर साबरमल मीणा ने बदमाशों से कहा कि यह ट्रेलर उसका खुद का है और यह कॉपर वायर रेलवे का है। वो ऐसा गलत काम नहीं करेगा। इतने में बदमाश संतोष उर्फ राजू ने ड्राइवर साबरमल मीणा को पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी और अपने दो साथियों की मदद से उसके शव को झाड़ियों में फेंक दिया। बदमाशों ने कॉपर वायर से लदा ट्रेलर ले जाकर प्रतापगढ़ की सीमा में खड़ा कर दिया।

शनिवार की रात बदमाश संतोष उर्फ राजू चार लोगों के साथ दो करोड़ में कॉपर वायर का सौदा कर रहा था। तभी कोखराज पुलिस ने बदमाश संतोष उर्फ राजू और चार अन्य खरीददार को धर दबोचा। पुलिस की पूछताछ में बदमाश संतोष ने अपना जुर्म कबूल किया। जिसके बाद पुलिस घटना में इस्तेमाल पिस्टल बरामद करने के लिए उसे घटनास्थल पर लेकर पहुंची। तभी झाड़ियों में छिपाकर रखे लोडेड पिस्टल से बदमाश संतोष उर्फ राजू ने पुलिस टीम पर फायरिंग करना शुरू कर दिया।

पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि एसएचओ कोखराज चंद्रभूषण मौर्य और एक दरोगा के बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी। आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में बदमाश संतोष उर्फ राजू के सीने में छह गोली लगी है। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पास से पिस्टल बरामद की गई है। एसपी के मुताबिक एनकाउंटर में मारा गया बदमाश संतोष उर्फ राजू जौनपुर के खेतासराय थाना क्षेत्र के पोरई कला गांव का रहने वाला था। इसके खिलाफ आधा दर्जन से ज्यादा आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। कुछ मुकदमे मुंबई में भी दर्ज हैं। घटना में शामिल इसके दो साथी अभी भी फरार हैं। यह गैंग हाईवे पर रेकी कर कीमती धातु से लोड वाहनों में लूटपाट करते थे।

विकास के काम में खुद लगे हैं यूपी के लोग

खेल केंद्र, कला अकादमी, कॉलेज बना रहे नागरिक

लखनऊ, 18 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार की मातृभूमि योजना के तहत प्रदेश के लोग अब सरकार के साथ मिलकर अपने गांव और कस्बों को हाईटेक तरीके से संवार रहे हैं। योजना के तहत यूपी के लोग अपनी मातृभूमि पर योगी सरकार के साथ मिलकर स्पोर्ट कॉम्प-लेक्स, कला अकादमी, कन्या इंटर कॉलेज बना रहे हैं। इस योजना से लखनऊ, बुलंदशहर, उन्नाव, बिजनौर, बागपत समेत तमाम जिलों में विकास की रफ्तार तेज हुई है। अब तक 16 योजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। जबकि 18 निर्माणाधीन और 26 संभावित योजनाएं हैं।

मातृ भूमि योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्य हो चुके हैं। इसके अलावा कई योजनाओं के कार्य प्रगति पर हैं। इस योजना के अंतर्गत बुलंदशहर में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य करीब 80 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है।

इसके अलावा उन्नाव में कला अकादमी का निर्माण कार्य 40 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया है। ऐसे ही बिजनौर में कन्या इंटर कॉलेज के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। उधर, बागपत में सीसी रोड का निर्माण कार्य, लखनऊ में हाईमास्ट लाइट समेत कार्य पूरे प्रदेश में हो रहे हैं।

इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यदि कोई व्यक्ति अपने गांव में सार्वजनिक निर्माण कार्य करवाना चाहता है, तो उसे 60 फीसदी राशि खर्च करनी होगी। शेष 40 फीसदी राशि राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए व्यक्ति को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होता है। योजना का उद्देश्य है कि जो लोग प्रदेश से बाहर या विदेशों में रह रहे हैं, वे अपने गांव के विकास में भागीदार बन सकें। इस योजना में भाग लेने वाले व्यक्ति का नाम उस निर्माण कार्य के पास लगे शिलापट्ट पर दर्ज किया जाएगा, जिससे आने वाली पीढ़ियां भी उनके योगदान को याद रखें। यह योजना न केवल गांवों का कायाकल्प कर रही है, बल्कि लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ रही है। स्थानीय लोगों के सहयोग से प्रदेश सरकार सामुदायिक भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, लाइब्रेरी, खेल मैदान, ओपन जिम, शुद्ध पेयजल के लिए आरओ प्लांट, सोलर लाइट, हाईमास्ट लाइट, सीसीटीवी कैमरे, सीवर कार्य, दूध डेयरी, अग्निशमन केंद्र, बस स्टैंड, यात्री शेड, शौचालय, कौशल विकास केंद्र, पशु प्रजनन केंद्र, श्मशान घाट वगैरह का निर्माण करा रही है।

संपादकीय

चीन के मंसूबे

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पाक को सबक सिखाया है, चीन प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करता नजर आ रहा है। चीन-पाक की दुरभिसंधि दशकों पुरानी है लेकिन उसकी हालिया करतूतों की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वह न केवल पाकिस्तान की सैन्य व आर्थिक मदद ही कर रहा है बल्कि चीनी सरकारी मीडिया भी कुप्रचार व भ्रामक समाचार फैलाने में पाक के साथ खड़ा नजर आ रहा है। अब उसने अपनी नई करतूत अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलकर उजागर की है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। लगातार तीसरे साल चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदला है। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। जैसा कि उम्मीद भी थी, भारत सरकार ने चीन के इन बेतुके दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। नई दिल्ली ने बीजिंग के इस बेतुके-निराधार दावे को सिरे से नकार दिया है। भारत सरकार ने फिर से दोहराया है कि 'अरुणाचल भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था और हमेशा रहेगा।' दरअसल, चिंता की बात यह है कि चीन ने यह करतूत ऐसे समय में की है जब पहलगाम हमले और उसके जवाब में सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के चलते भारत-पाक के बीच तनाव कायम है। निश्चय ही इन स्थितियों में चीन का यह भड़काऊ कदम है। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय उपमहाद्वीप में हाल ही में हुई उथल-पुथल के दौरान पाकिस्तान को उसके सदाबहार दोस्त बीजिंग का भरपूर समर्थन मिला है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। भले ही वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा करता हो। निस्संदेह, ऐसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। बीते वर्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने व्यंग्यात्मक लहजे में एक सवाल पूछा था, 'अगर आज मैं आपके घर का नाम बदल दूं तो क्या वो मेरा हो जाएगा?' लेकिन निर्विवाद रूप से चीन ने विदेश मंत्री के इस संदेश को नजरअंदाज ही किया है। इतना ही नहीं वह फिर से भौगोलिक क्षेत्रों के नामों के मनमाने मानकीकरण के साथ आगे बढ़ गया है। लेकिन सवाल इस करतूत के समय का है। जाहिर बात है कि बीजिंग ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। उस पाकिस्तान को, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कड़ी चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री ने सिर्फ और सिर्फ पाकिस्तान द्वारा कब्जाए कश्मीर पर ही बातचीत करने की बात कही थी। ऐसे में चीन ने अरुणाचल पर अपने क्षेत्रीय दावे से फिर से पाकिस्तान का मनोबल बढ़ाने का कुत्सित प्रयास किया। यह जानते हुए भी उसके दावे निराधार हैं। वहीं दूसरी ओर मोदी सरकार ने चीन के सरकारी मीडिया, खासकर ग्लोबल टाइम्स द्वारा कथित तौर पर फैलाए जा रहे पाकिस्तानी दुष्प्रचार के मामले को गंभीरता ले लिया है। गत सात मई को, चीन स्थित भारतीय दूतावास ने ग्लोबल टाइम्स को इस बात के लिये फटकार लगायी थी कि उसने तथ्यों और स्रोतों को पुष्टि किए बिना पाकिस्तान की सेना द्वारा भारतीय लड़ाकू विमान को मार गिराए जाने की रिपोर्ट दी थी।

भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पाक को सबक सिखाया है, चीन प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करता नजर आ रहा है। चीन-पाक की दुरभिसंधि दशकों पुरानी है लेकिन उसकी हालिया करतूतों की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वह न केवल पाकिस्तान की सैन्य व आर्थिक मदद ही कर रहा है बल्कि चीनी सरकारी मीडिया भी कुप्रचार व भ्रामक समाचार फैलाने में पाक के साथ खड़ा नजर आ रहा है। अब उसने अपनी नई करतूत अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलकर उजागर की है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। लगातार तीसरे साल चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदला है। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। जैसा कि उम्मीद भी थी, भारत सरकार ने चीन के इन बेतुके दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

ललित गर्ग

चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है। निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया। चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते,

लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है। चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है। भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है। भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। जाहिर बात है कि चीन ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वस्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी।

आप का नजरिया

'बदजुबान' नेता-मंत्री

मंत्री और नेता 'बदजुबान' क्यों होने लगते हैं? वे आपत्तिजनक ही नहीं, अश्लील, शर्मनाक और मर्यादाहीन भाषा क्यों बोलने लगते हैं? उच्च न्यायालय को उसे 'गटर की भाषा' क्यों करार देना पड़ता है? वे निजी हमले भी करते हैं और देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता के लिए खतरनाक बोली भी बोलते हैं। यह कानूनन मानहानि ही नहीं, देशद्रोह की परिधि में भी आना चाहिए। मप्र के जनजातीय कल्याण मंत्री और 8 बार के निर्वाचित विधायक विजय शाह तो आदतन और सिलसिलेवार 'गालीबाज' रहे हैं। न जाने क्यों भाजपा अभी तक उन्हें ढो रही है? सिर्फ चुनाव जीतना ही राजनीति नहीं होता। राजनीति के सामाजिक और वैचारिक मूल्य भी होने चाहिए। भाषा अभद्र नहीं होनी चाहिए। दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के महासचिव एवं वरिष्ठ सांसद रामगोपाल यादव ने खुलासा किया है कि एयर मार्शल एवं वायुसेना ऑपरेशन के महानिदेशक एके भारती 'यादव' हैं और विंग कमांडर व्योमिका सिंह हरियाणा की 'जाटव' हैं। इन दोनों सैन्य अधिकारियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की कार्रवाई को देश को ब्रीफ किया था। उनके साथ कर्नल सोफिया कुरैशी भी थीं, जिनके खिलाफ मप्र के मंत्री ने 'जहर उगला' था। उन्हें 'आतंकियों की बहन' तक करार दिया था। सवाल है कि इन दोनों नेताओं को बदजुबानी कर क्या हासिल हुआ? सेना और सैनिक का कोई जाति-धर्म नहीं होता। वे सिर्फ 'भारतीय' होते हैं। बेशक मप्र के मंत्री ने बाद में कई बार माफी भी मांग ली, लेकिन वह निर्लज्जता की हंसी भी हंसते रहे। यह हमारे लोकतंत्र के नेताओं-मंत्रियों का चरित्र है। मंत्री विजय शाह का दूसरों के प्रति बदजुबानी का पुराना इतिहास रहा है। उन्होंने 2013 में मप्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पत्नी तक को नहीं छोड़ा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर फब्तियां कसीं। चलो, इसे राजनीति के खाते में डाल देते हैं। किन्नर समुदाय का मजाक उड़ाया और अब आतंकवाद तथा मुस्लिम की आड़ में ऐसे अपशब्दों का प्रयोग किया है, जिन्हें हमारी नैतिकता लिखने से रोकती है। दरअसल यह अलगाववादी सियासत है। भाजपा में एक तबके की सोच यह है कि मुसलमानों को जितनी गालियां दोगे, हिंदुओं के उतने ही वोट मिलेंगे। यह गलतफहमी है। मप्र उच्च न्यायालय की जबलपुर बेंच ने कर्नल सोफिया के प्रति मंत्री की बदजुबानी का स्वतः संज्ञान लिया है। सहज सवाल किया गया कि मंत्री के संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति 'गटरनुमा भाषा' कैसे बोल सकता है? सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बी. आर. गवई ने इसी आधार पर मंत्री के वकील के जरिए मंत्री को फटकार लगाई और उच्च न्यायालय के प्राथमिकी दर्ज करने वाले आदेश को रद्द करने से इंकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 152, 196-1बी, 197-1सी के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। इंदौर पुलिस को देर रात प्राथमिकी दर्ज करनी पड़ी, क्योंकि उसे 'अवमानना' की धमकी दी गई थी, लेकिन पुलिस ने छल और मजाक किया। प्राथमिकी में मंत्री की बदजुबानी का कोई भी ब्यौरा नहीं था। बहरहाल अदालत ने हडक़ा कर प्राथमिकी ठीक कराई और आगे की जांच अदालत की निगरानी में करने का आदेश दिया। बहरहाल शुक्रवार, 16 मई को सर्वोच्च अदालत में सुनवाई थी। उस फैसले का विश्लेषण बाद में किया जा सकता है, लेकिन अहम सवाल यह है कि क्या भाजपा के राजनीतिक संस्कार यह भी हैं कि उसके नेता और मंत्री अपनी बदजुबान के जरिए देश की सेना और सैन्य अधिकारियों को अपमानित करते रहें? देश में ऐसे तत्त्व निरंकुश क्यों हैं कि कभी वे देश के विदेश सचिव विक्रम मिसरी और उनकी बेटी का सोशल मीडिया पर अपमान करते हैं।

देश दुनिया से

हिमालयी औषधीय पौधों का संरक्षण

हर वर्ष मई के तीसरे शुक्रवार को राष्ट्रीय लुप्तप्राय प्रजाति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष 17 मई 2025 को यह अवसर उन हिमालयी औषधीय पौधों पर ध्यान केंद्रित करने का है जो पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और आधुनिक औषधि निर्माण दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, परंतु अत्यधिक दोहन, जलवायु परिवर्तन और आवास विनाश के कारण तेजी से लुप्त होते जा रहे हैं। भारत की औषधीय परंपरा केवल उपचार का माध्यम नहीं, बल्कि लोक संस्कृति, पारिस्थितिकी और आजीविका का अभिन्न अंग है। भारत में 7500 से अधिक औषधीय पौधों की प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से लगभग 1748 का उपयोग आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा पद्धतियों में होता है। औषधीय पौधों का वैश्विक बाजार भी अत्यंत तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2023 में वैश्विक हर्बल दवाओं का बाजार 200 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 16.5 लाख करोड़ रुपए) के आंकलन तक पहुंच चुका है, और इसमें प्रतिवर्ष 8 फीसदी की वृद्धि हो रही है। भारत औषधीय पौधों का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है, जहां से तुलसी, अश्वगंधा, गिलोय, नीम, कुटकी, अतीस, हरड़, बहेड़ा, आंवला जैसी प्रजातियां यूरोप, अमेरिका, चीन और खाड़ी देशों में भेजी जाती हैं। कुटकी और अतीस जैसी हिमालयी प्रजातियों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रति किलोग्राम कीमत 3000 से 6000 रुपए तक पहुंच जाती है, विशेषकर तब जब वे प्रमाणित और जैविक पद्धति से उत्पादित हों। प्रमुख लुप्तप्राय औषधीय पौधों में दक्तयलोराइजा हतागिरिया (सालमपंजा), टैक्सस वलीचियाना (हिमालयी यू), सिनोपोडोफिलम हेग्सान्ड्रम (भारतीय मेएपल), पिकरराइजा कुर्रोआ (कुटकी) और एकोनाइटम हेटेरोफिलम (अतीस) शामिल हैं। इनकी अत्यधिक मांग, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और अनियमित संग्रहण के कारण इनके प्राकृतिक भंडार तेजी से कम हो रहे हैं। टैक्सस वलीचियाना से प्राप्त यौगिक कैंसर की औषधियों में उपयोग होता है। इसी प्रकार कुटकी को यकृत रोगों और रोग प्रतिरोधक औषधियों में व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है। इन पौधों के अस्तित्व पर संकट न केवल पर्यावरणीय असंतुलन लाता है, बल्कि पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को भी खतरे में डालता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन पौधों के संरक्षण हेतु कई विधिक और नीतिगत उपाय लागू हैं। वन्य जीवों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर नियंत्रण से संबंधित सम्मेलन, जैव विविधता पर सम्मेलन, नागोया प्रोटोकॉल तथा अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ जैसी संस्थाएं इन जैव संसाधनों के व्यापार, संरक्षण और सतत उपयोग को नियंत्रित करती हैं। भारत ने इन सभी समझौतों पर हस्ताक्षर कर इन संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग और लाभ-साझेदारी की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय स्तर पर जैव विविधता अधिनियम 2002 के तहत राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, राज्य जैव विविधता बोर्ड और स्थानीय जैव विविधता प्रबंधन समितियां औषधीय पौधों की पहचान, दस्तावेजीकरण, संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान की रक्षा का कार्य कर रही हैं। लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु जैव विविधता रजिस्टर व जन जैव विविधता रजिस्टर तैयार किए जाते हैं, जिनमें स्थानीय वनस्पतियों के उपयोग और उपलब्धता की जानकारी दर्ज की जाती है। औषधीय पौधों की खेती से जुड़ी एक प्रमुख चुनौती है कानूनी खरीदी प्रमाणपत्र की अनिवार्यता। यह प्रमाणपत्र वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 के तहत वन विभाग द्वारा जारी किया जाता है। यदि कोई कृषक लुप्तप्राय प्रजातियों की खेती निजी भूमि पर भी करता है, तो भी उसे उपज विक्रय हेतु यह प्रमाणपत्र प्राप्त करना अनिवार्य होता है। यह प्रक्रिया जटिल और समयसाध्य होने के कारण अनेक किसानों को आर्थिक हानि उठानी पड़ती है। इसे लेकर नीति सुधार की आवश्यकता महसूस की जा रही है। एक महत्वपूर्ण पहल रही है- सर्पगंधा की खेती को 50 एकड़ क्षेत्र में बढ़ावा देना। यह पौधा उच्च रक्तचाप और मानसिक रोगों के उपचार में प्रयुक्त होता है तथा इसकी जड़ों से रेसर्पिन नामक यौगिक निकाला जाता है। अत्यधिक दोहन के कारण यह प्रजाति संकटग्रस्त श्रेणी में आ चुकी है। कई किसानों को प्रमाणित बीज, तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और बिक्री हेतु अधिकृत इकाइयों से जोड़ा गया है। इससे न केवल जैव विविधता संरक्षण हुआ, बल्कि कृषकों को औषधीय खेती से आय भी प्राप्त हुई। एक और सराहनीय उदाहरण है- हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रोहड़ू क्षेत्र में कार्यरत त्रिदेव औषध पादप सोसायटी का। यह सोसायटी राज्य की पहली ऐसी संस्था बनी जिसे औषधीय पौधों के लिए उत्तम कृषि पद्धतियां और उत्तम क्षेत्रीय संग्रहण पद्धति का प्रमाणन प्राप्त हुआ। इस पहल में 200 से अधिक किसानों ने भाग लिया और 40 हेक्टेयर कृषि भूमि तथा 60 हेक्टेयर वनों में नियंत्रित संग्रहण को प्रमाणित किया गया।

कुछ अलग

मैं ना मानूं...

मैं ट्रंप हूं। मैं नहीं मानूंगा। मैं पंगे खड़े करता हूं और फिर चौधरी बनकर दुनिया के आगे तन जाता हूं। मेरा एजेंडा दादागिरी का है। मेरा एजेंडा बिजनेस का है। मैं व्यापारी हूं, राजनीतिक व्यापारी। सौदेबाजी करना मेरी रग-रग में है। मैं दो देशों की लड़ाई में अपने आप बीच में कूद पड़ता हूं और अपनी राजनीतिक रोटियां सेकता हूं। दो देश एक-दूसरे पर गोली बरसाते हैं, मैं बयानों के गोले दागता हूं। दुनिया मुझे ट्रंप कहती है। मैं किसी को भी हडक़ा देता हूं। मेरा मुल्क जिस आतंकवादी पर हजारों डॉलर का इनाम रखता है, मैं गिरगिट की तरह रंग बदलकर उस आतंकवादी को गले लगा लेता हूं और उसे चाय पेश करता हूं। दुनिया दंग रह जाती है। दुनिया को दंग रखना मेरे व्यक्तित्व की फितरत है। मैं हिटलर की तरह तानाशाह हूं। मैं दुनिया का सबसे जबरदस्त व्यापारी भी हूं। मैं माल बेचने में यकीन रखता हूं, मैं फुस्स पटाखे भी मिसाइल के नाम पर बेच देता हूं। खरीदने वाले उन पटाखों को खरीदते हैं और फिर अपने स्टोर में जमा कर देते हैं। मैं जमाखोरी को बढ़ावा देता हूं। मैं किसी की नहीं सुनता। दुनिया मुझे दादा भी कहती है। क्योंकि मैं दुनिया का बॉस हूं और बॉस वही जो सब को हडक़ाए। ईश्वर ने दुनिया को हडक़ाने के लिए धरती पर भेजा है। मैं ईश्वर को खुश करने में लगा हूं। मैंने जाकर ईश्वर को हिसाब-किताब भी देना है। अभी ईश्वर ने मुझसे पूछा नहीं है, क्योंकि ईश्वर की भी हिम्मत नहीं हो रही। मेरी आउटपुट ने ईश्वर को भी सकते में डाल रखा है। मैं ट्रंप हूं और मेरे भीतर नीरो की आत्मा भी है। रोम जलता है तो जलता रहे, मेरा काम बंसी बजाना है। मैं अपनी एक टांग पर दूसरी टांग रखकर बंसी बजाता हूं और दुनिया मेरा हुकम बजाती है। मेरी आंखें छोटी-छोटी हैं, लेकिन उनमें साजिशों, षड्यंत्रों के सैटेलाइट घूमते रहते हैं। उन सैटेलाइट का कंट्रोल मेरे दिमाग में रहता है। मैं दिमाग से काम लेता हूं, लेकिन कभी-कभी मेरा दिमाग खराब भी हो जाता है। मैं उल्टे-सीधे डिसीजन लेता हूं। लेकिन दुनिया खुलकर हंस नहीं पाती। दुनिया में मेरा जलवा है। खौफ है। क्योंकि मैं ट्रंप हूं। मैं वोट मांगता नहीं, वोट हथिया लेता हूं। मैं हार मानता नहीं, हार को फाड़ देता हूं। मुझे लोकतंत्र से एलर्जी है, लेकिन मैं लोकतंत्र का मुखौटा पहनकर तानाशाही करता हूं। मेरे भाषणों में तथ्य नहीं, धमकी होती है। मेरे ट्वीट्स हथियार होते हैं। मैं ट्विटर को भी अपनी जागीर समझता था, जब तक उसने मुझे ही ब्लॉक नहीं कर दिया।

दृष्टि कोण

सजा से रुकेंगे जहरीली शराब जैसे हादसे

भारत में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं है। सरकारों का काम सिर्फ टैक्स वसूलना रह गया है, जब जिम्मेदारी लेने के वक्त आता है तो सब एक-दूसरे को दोषी ठहरा कर पीछा छुड़ाने की कोशिश करते हैं। इससे भी ज्यादा आश्चर्य यह है कि सरकारें पिछली गलतियों से भी कोई सबक नहीं सीखती हैं। साथ ही गलतियों के लिए जिम्मेदार अफसरों पर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं होती, जिससे दूसरे लोग इससे सबक सीख सकें। महज कागजी खानापूर्ति करने के लिए कार्रवाई करने के बाद अफसर वापस मलाईदार पोस्टिंग पाने में कामयाब हो जाते हैं। पंजाब के अमृतसर के कई गांव में जहरीली शराब पीने से करीब दो दर्जन लोगों की मौत भी ऐसी ही गैरजिम्मेदाराना प्रवृत्ति का परिणाम है। इस मामले में मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। आबकारी विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतने लोगों की मौत के बाद अधिकारियों को सिर्फ निलंबित किया गया है। दरअसल कानून में ऐसा कोई प्रावधान ही नहीं है कि अफसरों की लापरवाही से होने वाली मौतों के लिए उन्हें भी अपराधियों की तरह सजा होगी। केंद्र सरकार ने आपराधिक कानून का नाम बदल दिया। इसमें कई तरह के संशोधन किए गए। किन्तु नौकरशाहों को जिम्मेदार बनाने के लिए सजा का प्रावधान नहीं किया गया। यही वजह है कि जहरीली शराब पीने से होने वाले हादसे हों या इसी तरह के दूसरे हादसों में जिम्मेदार अधिकारियों को आपराधिक मामलों की तरह जेल की सजा नहीं होती।

पांच साल पहले पंजाब में तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर जिलों में एक बड़ी शराब त्रासदी हुई थी। जुलाई और अगस्त 2020 में माझा क्षेत्र के तीन जिलों तरनतारन, गुरदासपुर और अमृतसर में नकली शराब पीने से लगभग 130 लोगों की मौत हो गई थी। लगभग एक दर्जन लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। अकेले तरनतारन जिले में लगभग 80 मौतें हुई थीं। 19 मार्च 2024 को पंजाब के ही संगरूर जिले में नकली शराब पीने से 21 मौतें हो गई थीं, जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हुए। यह पहला मौका नहीं है जब देश के किसी राज्य में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हुई हो। वर्ष 2014 में अवैध शराब के सेवन से 1699 मौतें हुईं। वर्ष 2015 में 1624 घटनाओं में 1522 लोगों की जान गई। महाराष्ट्र (278), पुडुचेरी (149) और मध्य प्रदेश (246) में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2016 में 1073 घटनाओं में 1054 मौतें दर्ज की गईं। इस वर्ष मध्य प्रदेश (184) और हरियाणा (169) में सबसे ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसी तरह वर्ष 2017 में 1497 घटनाओं में 1510 मौतें हुईं। इनमें कर्नाटक (256), मध्य प्रदेश (216) और आंध्र प्रदेश (183) में हालात गंभीर रहे। वर्ष 2018 में 1346 घटनाओं में 1365 लोगों की जान गई। मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (218) में सबसे ज्यादा मौत के मामले सामने आए। वर्ष 2019 में 1141 घटनाओं में 1296 मौतें हुईं। इनमें मध्य प्रदेश में 410 और कर्नाटक में 268 लोगों की मौत हुई। वर्ष 2020 में 931 घटनाओं में 947 लोगों की जान गई। मध्य प्रदेश (214) और झारखंड (139) में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2021 में 708 घटनाओं में 782 मौतें हुईं और वर्ष 2022 में 507 घटनाओं में 617 मौतें हुईं। इनमें बिहार (134) और कर्नाटक (98) में अवैध शराब का कहर जारी रहा। वर्ष 1992 ओडिशा के कटक में जहरीली शराब पीने से 200 से अधिक लोगों की मौत हुई, जबकि 600 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जो दशकों में भारत में इस तरह की सबसे बड़ी घटना थी। वर्ष 1981 में कर्नाटक के बेंगलुरु में सबसे भयानक हादसा हुआ। बेंगलुरु में मिथाइल अल्कोहल विषाक्तता के कारण 308 लोगों की मौत हो गई। यह सस्ती शराब में मिलावट के कारण हुआ था। अवैध या जहरीली शराब सिर्फ बिहार या पंजाब की समस्या नहीं है। देश के लगभग सभी राज्यों में अवैध शराब का कारोबार धड़ल्ले से चलता है। हर साल लाखों लीटर अवैध शराब जब्त भी होती है। लेकिन इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पा रही। बिहार ही नहीं, बल्कि गुजरात, मिजोरम, नागालैंड और लक्षद्वीप में भी पूरी तरह से शराबबंदी है। इसके बावजूद यहां जहरीली शराब से मौतें होती रहती हैं।

व्हाइट हाउस में लश्कर के संदिग्ध आतंकी की एंट्री, बनाया गया बोर्ड सदस्य

वाशिंगटन,18 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के व्हाइट हाउस में एक ऐसे व्यक्ति की तैनाती हो गई है, जो कि लश्कर का संदिग्ध आतंकवादी रहा है। व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स में इस संदिग्ध इस्लामिक आतंकवादी को शामिल किया गया है।

इन नियुक्तियों ने जहां भारत के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय जगत में चिंता पैदा कर दी है, वहीं दक्षिणपंथी कार्यकर्ता लारा लूमर भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रम्प के प्रशासन से खासे खफा हैं। दरअसल अमेरिका प्रशासन ने बीते व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स का गठन किया। इसमें इस्माइल रायर और मुस्लिम स्कालर शेख हमजा यूसूफ को भी नामित किया गया। कथित तौर पर इस्माइल रायर के इस्लामी जिहादियों से संबंध रहे हैं। दावा है कि इस्माइल रायर पहले रेंडेल रायर के नाम से जाना जाता था। कथित तौर पर इसके संबंध पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से रहे हैं। आरोप है कि रायर ने वर्ष 2000 में पाकिस्तान में हुए लश्कर के ट्रेनिंग सेंटर में भाग लिया था और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में भी शामिल रहा है। दूसरे नामित सदस्य शेख हमजा यूसूफ मुस्लिम स्कालर होने के साथ ही जायतूना कालेज के सह संस्थापक हैं। उन पर भी कथित तौर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों से संबंध रखने के आरोप हैं। दक्षिणपंथी कार्यकर्ता लारा लूमर ने इस्माइल रायर की तैनाती पर खासी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने इसे अमेरिकी प्रशासन का एक आत्मघाती कदम बताते हे कहा इस्माइल रायर लश्कर ए तैयबा के आतंकी कैंप में ट्रेनिग ले चुका है। उसने कश्मीर में भारतीय ठिकानों पर फायरिंग जैसी गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। अमेरिका की अदालत ने भी 2004 में रायर को आतंकवादी गतिविधियों के लिए दोषी पाते हुए 20 साल की सजा सुनाई थी। इसमें उसने 13 साल जेल में बिताए हैं। रायर ने वर्ष 2003 में मिडिल ईस्ट फोरम के साथ एक इंटरव्यू में कबूल किया था कि मुझे लश्कर के लोग पसंद आए। यह एक चरमपंथी समूह नहीं हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईएमएफ से पाक को झटका लोन की अगली किश्त जारी करने से पहले लगाई 11 शर्तें

इस्लामाबाद, 18 मई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। आईएमएफ ने बैलआउट पैकेज की अगली किस्त जारी करने से पहले पाकिस्तान पर 11 शर्तें लगा दी हैं। अगर पाकिस्तान इन शर्तों को पूरा करेगा तो ही उसे अगली किस्त मिलेगी।इन शर्तों में बजट की संसदीय मंजूरी, बिजली उपभोक्ताओं पर लगने वाले कर्ज सेवा अधिभार में बढ़ोतरी और 3 साल से ज्यादा पुरानी कारों के आयात पर प्रतिबंध हटाना शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आईएमएफ द्वारा लागू की गईं शर्तों में 17.6 लाख करोड़ रुपये के अगले बजट को संसदीय मंजूरी दिलाना, वित्त वर्ष 2026 का बजट संसद से पारित कराना, जिससे आईएमएफ के लक्ष्य जून, 2025 तक पूरा किया जा सके और कृषि आय कर पर नई नीति लागू करना शामिल है।

इसमें आयकर जमा करने, लोगों को कर के दायरे में लाने और जागरूकता फैलाने की योजना शामिल है। ये काम जून, 2025 तक करने होंगे।

लंदन में सिख दम्पति पर पाकिस्तानी गुंडों ने किया हमला

लंदन। यहां एक सिख दम्पति ने आरोप लगाया है कि उनके परिवार पर पाकिस्तानी गुंडों के एक समूह ने हमला किया तथा इसके बाद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब शहर के मेयर सादिक खान के आदेश के कारण हुआ। अपनी बात को साबित करने के लिए लंदन के एक रेस्टोरेंट मालिक हरमन सिंह कपूर ने कहा कि दो दिन पहले एक पाकिस्तानी को पाकिस्तानी कहने पर शहर की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने उन पर नस्लीय भेदभाव का आरोप लगाया। कपूर ने ट्वीट किया कि कल रात मैंने पाकिस्तानियों के एक समूह द्वारा हमला किए जाने के बाद 999 पर कॉल किया। जब पुलिस आई, तो एक अधिकारी मेरी ओर दौड़ा, जबकि अन्य चिल्ला रहे थे, इसे गिरफ्तार करो! मेरा अपराध मैंने एक पाकिस्तानी कोज एक पाकिस्तानी कहा। उन्होंने मुझ पर नस्लीय रूप से उत्तेजित होने का आरोप लगाया- असली हमलावरों पर नहीं। यह सादिक खान के अधीन पुलिसिंग है। लंदन में पाकिस्तानियों के एक समूह द्वारा किए गए हमलों की अपनी व्यथा का ब्यौरा देते हुए दम्पति ने कहा कि यह पिछले ढाई वर्षों से हो रहा है, जिसके कारण अंततः पति को गिरफ्तार कर लिया गया। दंपत्ति ने एक वीडियो में कहा कि 'हमारे परिसर में ही कुछ पाकिस्तानी गुंडों ने हम पर हमला किया। हमें कुछ चोटें आई हैं। पति ने खुद को और अपने परिवार को बचाने की कोशिश की। जबकि पत्नी ने पुलिस को बुलाया। बाद में पति को गिरफ्तार कर लिया गया। क्योंकि मेरा नाम खान नहीं है और हम आतंकवादी नहीं हैं।' एक अलग वीडियो में महिला ने कहा कि पुलिस के पास हुए हमलों के सबूत हैं। मगर उन्होंने अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू नहीं की है, क्योंकि वे लंदन के मेयर सादिक खान के नियंत्रण में हैं, जिनकी जड़ें पाकिस्तान में हैं।

यूएन ने चेताया कहा- गाजा, सूडान और हैती जैसा हो जाएगा पाकिस्तान का हाल

रोम। पाकिस्तान की हालत भी खराब होती जा रही है और अगर उसने अपनी स्थिति में सुधार नहीं किया, तो

आने वाले दिनों में उसकी हालत गाजा और सूडान की तरह हो जाएगी। यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की कुल आबादी करीब 24 करोड़ है, जिसमें पांच से कम उम्र के 40 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। इतना ही नहीं, कुल जनसंख्या के 20 ।7 फीसद लोग ऐसे हैं, जिन्हें जीवन के जरूरी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता ।संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इन आंकड़ों को दुनिया के लिए बेहद खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया में भूख और कुपोषण के फैलने की दर हमारी नियंत्रण क्षमता से कहीं अधिक है। हालांकि वैश्विक स्तर पर उत्पादित अन्न का एक-तिहाई बर्बाद हो जाता है। एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए फंड में कमी होना लगातार भूखमरी जैसी वैश्विक समस्या को और जटिल बना रहा है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में खाद्य असुरक्षा और कुपोषण की स्थिति और खराब हुई, जिससे 53 देशों में 29.5 करोड़ लोग भूख से प्रभावित रहे।

नए पोप लियो-14 ने शपथ ली

* खुली कार में पहुंचे, कार्डिनल ने अंगूठी पहनाई * अब यही उनकी मुहर, 200 वर्ल्ड लीडर्स मौजूद रहे

वेटिकन, 18 मई (एजेंसियां)। वेटिकन में सेंट पीटर स्क्वायर पर नए पोप लियो-14 का शपथ ग्रहण समारोह पूरा हो गया है। इसमें शामिल होने के लिए दुनिया भर से कई नेता वेटिकन पहुंचे हैं। इस कार्यक्रम में हजारों लोग भी शामिल हुए है।

यह कार्यक्रम भारतीय समयानुसार 1:30 बजे शुरू हुआ। नए पोप और अन्य कैथोलिक चर्च के नेता शपथ ग्रहण शुरू होने से पहले बेसिलिका के अंदर सेंट पीटर की कब्र पर गए, और प्रार्थना किया।

शपथ ग्रहण का पूरा कार्यक्रम करीब 2 घंटे तक चला। पोप को एक धार्मिक वस्त्र और एक अंगूठी दी गई। धार्मिक वस्त्र नए पोप के पदभार ग्रहण करने का प्रतीक होता है।

वहीं, कैथोलिक प्रथा और परंपरा के मुताबिक अंगूठी इस बात का संकेत होती है कि पोप कैथोलिक चर्च के प्रमुख और

सेंट पीटर के उत्तराधिकारी हैं, जो पेशे से मछुआरे थे।

पोप ने इतालवी में कहा- भाइयों और बहनों, मैं चाहता हूं कि हमारी इच्छा एक एकजुट चर्च की हो, जो एकता और भाईचारे का प्रतीक हो।

पोप ने कहा कि रोम का चर्च प्रेम में भरोसा करता है और इसकी असली ताकत जीजस का प्रेम है। यह कभी भी दूसरों को बलपूर्वक, धार्मिक प्रोपेगैंडा या ताकत के जरिए अपने वश में करने की बात नहीं करता है। बल्कि, यह हमेशा प्रेम करने की बात करता है, जैसा यीशु ने किया।

पोप ने अपने उपदेश में कहा- पोप चुनने वाले कार्डिनल्स ने एक ऐसे चरवाहे की तलाश की थी। जो ईसाई धर्म की समृद्ध विरासत को संरक्षित कर सके। इसके साथ ही भविष्य की ओर देख सके, ताकि आज की दुनिया के सवालों, चिंताओं और चुनौतियों का सामना कर सकें।

उन्होंने आगे कहा- मेरे पास कोई खास योग्यता नहीं थी, फिर भी मुझे चुना गया, और अब मैं डर और कांपते हुए आपके सामने एक भाई के रूप में आया हूं। हम सभी एक परिवार के रूप में एकजुट हों।

पोप लियो ने अपना उपदेश खत्म करते हुए थोड़ा रुककर जोर देकर कहा- भाइयों और बहनों, यह प्यार का समय है।

फिलीपींस के कार्डिनल लुइस एंटोनियो टैगल ने पोप को अंगूठी दी, जिसमें सेंट पीटर की तस्वीर है।

सेंट पीटर पहले मछुआरे थे, जो मछली पकड़ते थे और बाद में लोगों को आध्यात्मिक मार्ग पर लाए। अंगूठी के अंदर पोप का नाम, लियो 14, उकेरा गया है। पोप इस अंगूठी को मुहर के रूप में इस्तेमाल करेंगे।

अरब लीग शिखर सम्मेलन

फिलीस्तीन और मिस्र के राष्ट्रपतियों ने गाजा पर हमले को तुरंत रोकने की अपील की

बगदाद

इराक की राजधानी बगदाद में आयोजित 34वें अरब लीग शिखर सम्मेलन के दौरान फिलीस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फत्ताह अल-सीसी ने गाजा पट्टी में इस्राइली सैन्य अभियान को तत्काल और स्थायी रूप से समाप्त करने की पुरजोर अपील की।

राष्ट्रपति अब्बास ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए अरब देशों से आग्रह किया कि वे एक सामूहिक अरब योजना को अपनाएं, जिसका उद्देश्य इजराइली हमलों को रोकना और क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करना हो। उन्होंने कहा कि, टिकाऊ शांति केवल इजराइली कब्जे की समाप्ति और फिलीस्तीनी जनता को उनके पूर्ण अधिकार मिलने के बाद ही संभव है। वहीं मिस्र के राष्ट्रपति अल-सीसी ने गाजा में बीते 19 महीनों से जारी व्यवस्थित अत्याचार और अमानवीय हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह हिंसा फिलीस्तीनी जनसंख्या को मिटाने का प्रयास है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेषकर संयुक्त राज्य अमेरिका, से गाजा में मानवाधिकार संकट को समाप्त करने के लिए कड़े और प्रभावी कदम उठाने की अपील की। राष्ट्रपति अल-सीसी ने यह भी कहा कि जैसे ही संघर्ष विराम होता है, मिस्र गाजा की पुनर्निर्माण और पुनर्बहाली के लिए एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गाजा स्थित हमास के मीडिया कार्यालय ने सम्मेलन के प्रतिभागियों से अपील की कि वे केवल बयानबाजी तक सीमित न रहें, बल्कि व्यावहारिक और साहसिक कदम उठाएं, ताकि गाजा पर थोपे गए अन्यायपूर्ण नाकाबंदी को समाप्त किया जा सके और लोगों की मानवाधिकारों की रक्षा की जा सके। हमास ने इजराइल पर दबाव बनाने और सीमा पारियों को तत्काल व बिना शर्त खोलने की मांग की ताकि खाद्य सामग्री, मानवीय सहायता और चिकित्सीय संसाधन गाजा की पीड़ित जनता तक पहुंच सकें, जो इस समय भुखमरी और जीवन संकट से जूझ रही है। सम्मेलन में लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने भी इजराइली आक्रामकता की आलोचना की और कहा कि नवंबर 2024 में हुई समझ के बावजूद इजराइल द्वारा लेबनानी क्षेत्रों पर हमले जारी हैं। उन्होंने सदस्य देशों से अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर दबाव डालें ताकि इस्राइल अपने आक्रामक अभियान बंद करे और लेबनान से पूरी तरह पीछे हटे।

उल्लेखनीय है कि यह सम्मेलन इराक द्वारा 2003 के अमेरिकी आक्रमण के बाद आयोजित किया गया सिर्फ दूसरा शिखर सम्मेलन है। इससे पहले 2012 में ऐसा आयोजन हुआ था। इस बार सम्मेलन में 22 अरब लीग सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शीर्ष राजनयिकों के अलावा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

नेपालः स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को समन

काठमांडू

नेपाल की एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से कथित जमीन घोटाले में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को समन भेजा गया है। नेपाल सरकार द्वारा आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा शोध संस्थान बनाने के लिए पतंजलि ट्रस्ट नेपाल को सरकारी जमीन दी गई थी। इस जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित गड़बड़ियों की जांच चल रही है। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल से भी पूछताछ की जा चुकी है। नेपाल के कंपनी रजिस्ट्रार के दफ्तर में पतंजलि योगपीठ नेपाल और पतंजलि ट्रस्ट नेपाल दोनों ही कंपनियों को गैर नाफामुलक कंपनी के रूप में रजिस्टर्ड किया गया है। इन दोनों ही कंपनियों में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण संचालक समिति में हैं जबकि नेपाल की तरफ से शालीग्राम सिंह संचालक समिति में हैं। ब्यूरो के तरफ से प्रवक्ता राजेन्द्र पौडेल ने बताया कि संचालक समिति में होने के कारण रामदेव और बालकृष्ण को समन भेजा गया था लेकिन उनकी तरफ से जून के आखिरी सप्ताह में यह जवाब आया कि नेपाल में हुई सभी खरीद-बिक्री के लिए स्थानीय प्रतिनिधि शालिग्राम सिंह जवाबदेह हैं इसलिए कानूनी रूप से उनसे ही पूछताछ की जाए। नेपाल सरकार ने कैबिनेट की मंजूरी के साथ पतंजलि योगपीठ नेपाल और पतंजलि ट्रस्ट नेपाल कॉन्जमिन हदबंदी की छूट देते हुए जमीन का आवंटन किया था। आयुर्वेद विश्वविद्यालय, आयुर्वेद शोध संस्थान, योग महाविद्यालय तथा अन्य प्रयोजन के लिए बनेपा जिले में में 61 बीघा, दांग जिले मे 75 बीघा, 22 बीघा, स्यांगजा जिले में 18 बीघा, चितवन में 15 बीघा, जनकपुर में 25 बीघा, बारा और परसा जिले में 50 बीघा और काठमांडू में 11 बीघा जमीन पतंजलि योगपीठ और पतंजलि ट्रस्ट ने अपने नाम पर खरीदा। इसके दो वर्ष के बाद ही पतंजलि ट्रस्ट नेपाल ने बनेपा में सहूलियत में मिले 61 बीघा जमीन को महंगे दाम पर बेच कर कहीं और जमीन की खरीद की। तत्कालीन नेपाल सरकार ने इस खरीद-बिक्री को अनुमति प्रदान कर दी थी लेकिन नेपाल के जमीन खरीद बिक्री कानून के मुताबिक सरकार द्वारा आवंटित जमीन की बिक्री नहीं हो सकती है।

चीन की विमान कंपनियों ने नेपाल का कानून मानने से क्या इनकार, सरकार को नहीं देतीं टैक्स

काठमांडू,18 मई (एजेंसियां)।

चीन की विमान कंपनियां नेपाल के नियम कानून को नहीं मानती हैं। नेपाल आने वाले सभी विमानों की कंपनियां यहां की सरकार को टैक्स देती हैं, लेकिन चीन की कोई भी एयरलाइंस नेपाल सरकार को टैक्स नहीं देती हैं। नेपाल के ऑडिटर जनरल ने बीते दिनों अपनी वार्षिक रिपोर्ट सार्वजनिक की है।

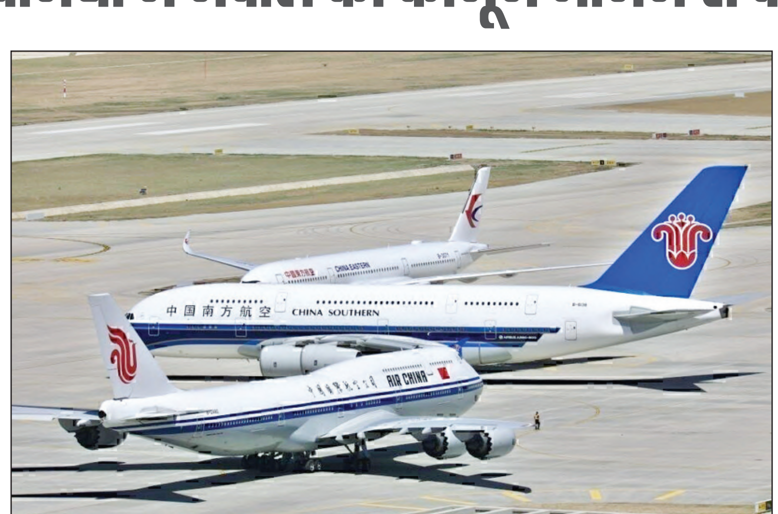

इसमें नेपाल में उड़ान भरने वाले चार चीनी एयरलाइंस कंपनियों के द्वारा सरकार के तरफ से निर्धारित टैक्स को नहीं देने पर सवाल खड़े किए हैं। सरकार को सौंपी गई इस रिपोर्ट के मुताबिक एयर चाइना, साउदर्न चाइना एयरलाइंस, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस और सिचुवान एयरलाइंस ने नेपाल सरकार के द्वारा निर्धारित टैक्स नहीं दिया है।

ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट में इस बात का भी उल्लेख है कि इन चारों चीनी एयरलाइंस कंपनियों से अन्य विदेशी एयरलाइंस की तरह टैक्स वसूला जाए। इसके मुताबिक दिसंबर 2024 तक इन चार चीनी एयरलाइंस कंपनी ने नेपाल सरकार को टैक्स नहीं देने से करीब 400 करोड़ रूपये का घाटा हुआ है। उन्होंने नेपाल सरकार को जल्द से जल्द टैक्स लेने अन्यथा इन विमान कंपनियों की सेवा सुविधा को बंद करने को कहा है।

वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव रहे दिनेश घिमिरे ने शनिवार को कहा कि मंत्रालय के तरफ से बार बार चारों चीनी एयरलाइंस कंपनियों को टैक्स देने को लेकर पत्राचार किया गया, लेकिन उनके तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में तो चीनी राजदूत ने मंत्रालय में आकर टैक्स नहीं देने की बात की थी। चीनी राजदूत का कहना था कि चीन सरकार का नियम है विश्व में कहीं भी किसी भी एयरपोर्ट पर लैंड करने और उड़ान करने के लिए अतिरिक्त टैक्स या वैल्यू एडेड टैक्स नहीं देना पड़ता है। फिर नेपाल में क्यों दिया जाए।

राजस्व सचिव ने बताया कि जब दुनिया की सारी एयरलाइंस कंपनिया नेपाल के नियम कानून का सम्मान करते हुए यह टैक्स देती हैं तो चीन की एयरलाइंस कंपनी को भी देना चाहिए। वित्त मंत्रालय की तरफ से नागरिक उड्डयन मंत्रालय को इनकी सेवा सुविधा को बंद कर लाइसेंस रद्द करने की भी सिफारिश की गई है, लेकिन राजनीतिक कमजोरी के कारण उस पर अमल नहीं किया जा रहा है।

नेहाल-शशांक की तूफानी बल्लेबाजी और हरप्रीत की गेंदबाजी से पंजाब किंग्स ने राजस्थान को 10 रन से हराया

जयपुर,18 मई (एजेंसियां)। नेहाल वढेरा (70) और शशांक सिंह (नाबाद 59) के आतिशी अर्धशतकों तथा प्लेयर ऑफ द मैच हरप्रीत बराड़ (22 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को रविवार को आईपीएल के रोमांचक मुकाबले में 10 रन से हराकर शीर्ष दो में स्थान हासिल कर लिया।पंजाब ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 219 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद राजस्थान की चुनौती को 20 ओवर में सात विकेट पर 209 रन पर रोक लिया। पंजाब की 12 मैचों में यह आठवीं जीत है और वह 17 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

पंजाब ने इस तरह प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। दूसरी तरफ राजस्थान को 13 मैचों में 10 वीं हार का सामना करना पड़ा और वह नौवें स्थान पर है।राजस्थान छह ओवर में एक विकेट पर 89 रन की आतिशी शुरुआत के बाद मध्य ओ- वरों में लड़खड़ा गया। ध्रुव जुरेल ने 31 गेंदों में 53 रन की पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाए लेकिन 20वें ओवर में जुरेल के आउट होने से राजस्थान को झटका लगा। राजस्थान को आखिरी दो ओवर में 30 रन चाहिए थे लेकिन अर्शदीप सिंह ने 19वें ओवर में मात्र आठ रन दिए। आखिरी ओवर में 22 रन की जरूरत के सामने राजस्थान की सारी उम्मीदें जुरेल पर टिकी हुई थीं।

जुरेल को मार्को यानसन ने आखिरी ओवर की तीसरी गेंद पर आउट किया और चौथी गेंद पर वानिन्दु हसरंगा को आउट कर राजस्थान का संघर्ष समाप्त कर दिया। राजस्थान 209 रन ही बना सका और उसे हार का सामना करना पड़ा। राजस्थान की तरफ से वैभव सूर्यवंशी ने 40, यशस्वी जायसवाल ने 50 और कप्तान संजू सैमसन ने 20 रन बनाये। हरप्रीत बराड़ ने दोनों ओपनरों को आउट करने के अलावा रियान पराग का विकेट भी झटका।

इसी के साथ पंजाब किंग्स प्लेऑफ की दहलीज पर आ गई है, अगर शाम का मुकाबला गुजरात जीत जाती है तो पंजाब, आरसीबी और गुजरात टाइटंस प्लेऑफ में प्रवेश कर जाएंगी। बहरहाल यह मुकाबला एक बार फिर राजस्थान रॉयल्स के लिए कई लिहाज से सीखने योग्य रहा, इस सीजन राजस्थान ने कई हाथ में आए मुकाबले गवांए हैं। पंजाब किंग्स अपने इस प्रदर्शन से खुश होगी लेकिन देखना होगा कि श्रेयस की उंगली की चोट कितनी गंभीर है क्योंकि आज वो गेंदबाजी के दौरान फील्ड पर नहीं आ पाए और उनकी जगह कप्तानी शशांक सिंह ने की थी।इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की शुरुआत थोड़ी खराब रही और उसने तीन विकेट 34 रन तक गंवा दिए। लेकिन इसके बाद तीन अच्छी साझेदारियों ने पंजाब को 200 के पार पहुंचा दिया। नेहाल ने 37 गेंदों पर 70 रन में पांच चौके और पांच छक्के लगाए।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड दौरे के लिए अभिमन्यु ईश्वरन बने इंडिया ए के कप्तान, ऋषिकेश बने कोच

मुम्बई। अभिमन्यु ईश्वरन को अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया ए टीम का कप्तान बनाया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस दौर लिए पूर्व ऑलराउंडर ऋषिकेश कानितकर को मुख्य कोचा बनाया है जबकि दत्ता गेंदबाजी व जॉयदीप भट्टाचार्य फील्डिंग कोच होंगे। इस दौरे में वाली इंडिया ए टीम तीन मैच खेलेगी। इसमें दो इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होंगे। पहला 30 मई से 2 जून तक कैंटरबरी में जबकि दूसरा 6 से 9 जून तक नॉर्थम्प्टन में खेला जाएगा। इसके बाद इंडिया ए भारतीय टीम के साथ एक अभ्यास मैच भी खेलेगी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए खिलाड़ियों के पहले जत्थे के साथ इंग्लैंड पहुंचेंगे। इंडिया ए के कोच बनाये गये कानितकर ने 146 प्रथम श्रेणी मैचों में 52.26 की औसत से 10,400 रन बनाए हैं! इससे पहले कानितकर भारतीय महिला टीम, के अलावा अंडर-19 टीम के भी कोच रहे हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया ए टीम : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), ध्रुव जुरेल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, नीतीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन, मानव सुथार, तनुष कोटियां, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कम्बोज, खलील अहमद, ऋतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे. शुभमन गिल और साई सुदर्शन शामिल किये गये हैं।

कोलकाता में ही खेला जाएगा आईपीएल फाइनल : गांगुली

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल की मेजबानी कोलकाता के ईडन गार्डन की जगह किसी अन्य स्थल को दिये जाने की चर्चाओं के बीच ही भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि ये इतना आसान नहीं है। गांगुली के अनुसर बंगाल बोर्ड (कैब) के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से अच्छे संबंध हैं। इसलिए उन्हें पूरा भरोसा है कि फाइनल कोलकाता से बाहर नहीं जाएगा। शुरुआत में फाइनल कोलकाता में 25 मई को खेला जाना तय था पर बीच में भारत-पाकिस्तान के बची टकराव के कारण आईपीएल एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। दौबारा शुरु होने पर बोर्ड ने तीन जून को खेले जाने वाले फाइनल के स्थल की जानकारी नहीं दी। ये कहा जा रहा है कि इस दिन कोलकाता में बारिश की संभावना को देखते हुए फाइनल किसी अन्य स्थल पर खेला जाएगा। कैब के पूर्व अध्यक्ष रहे गांगुली से जब पूछा गया कि क्या कोलकाता तय कार्यक्रम के अनुसार ही फाइनल मैच की मेजबानी करेगा तो उन्होंने कहा, 'हम प्रयास कर रहे हैं। साथ ही कहा कि है यह ईडन का प्लेऑफ है, और मुझे भरोसा है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा क्योंकि मैच को अचानक ही किसी दूसरे स्थल पर ले जाना आसान नहीं है। इसी बीच प्रशंसकों ने भी मांग की है कि फाइनल कोलकाता में ही खेल जाना चाहिये। गांगुली ने कहा कि विरोध से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं प्लेऑफ स्थलों को तय करने में हो रही पर गांगुली ने कहा, 'कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस मैदान पर अपने लीग मैच खेले हैं, इसलिए कोलकाता पहली सूची में शामिल नहीं है।' ईडन गार्डन को 2024 सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिताब जीतने के कारण इस सत्र के फाइनल के मेजबानी का अधिकार मिला था। इस स्थल में ही आईपीएल का उद्घाटन मैच भी खेला गया था। वहीं बीसीसीआई ने हालांकि फाइनल के लिए नए स्थल के बारे में जानकारी नहीं दी है।

धोनी का संन्यास अभी नहीं! 2026 में भी खेल सकते हैं आईपीएल

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल और लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक हैं। 43 साल की उम्र में भी वे मैदान पर पूरी ऊर्जा के साथ खेल रहे हैं। हालांकि आईपीएल 2025 का सीजन उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खास अच्छा नहीं रहा। टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और खुद धोनी का प्रदर्शन भी अपेक्षित स्तर का नहीं रहा। ऐसे में यह चर्चा जोर पकड़ने लगी थी कि क्या यह धोनी का आखिरी सीजन है और क्या वे अब हमेशा के लिए क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। लेकिन एक नई रिपोर्ट ने उनके फैंस के लिए बड़ी राहत की खबर दी है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े सूत्रों का मानना है कि धोनी अभी टीम को छोड़ने के मूड में नहीं हैं। टीम के भीतर कई ऐसी चीजें हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है और इसके लिए धोनी की अनुभव और नेतृत्व की जरूरत है। यही वजह है कि फ्रेंचाइजी के लोग मानते हैं कि अगर धोनी की फिटनेस ने उनका साथ दिया, तो वह आईपीएल 2026 में भी येलो जर्सी में नजर आ सकते हैं।

गुजरात प्लेऑफ में पहुंची, दिल्ली को 10 विकेट से हराया

साई सुदर्शन-शुभमन ने मचाया धमाल

नई दिल्ली ,18 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में एक साथ तीन टीमों की प्लेऑफ में जगह पक्की हो गई है। सीजन के 60वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार मिली। इस जीत ने शुभमन गिल की गुजरात को 18 पॉइंट के साथ प्लेऑफ में पहुंचा दिया। इसके साथ ही 17-17 पॉइंट के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स भी प्लेऑफ में पहुंच गई है। पहले खेलते हुए दिल्ली ने 3 विकेट पर 199 रन बनाए। गुजरात ने 10 विकेट से मुकाबला जीत लिया। साई सुदर्शन ने 108 रनों की पारी खेली जबकि कप्तान गिल के बल्ले से 93 रन निकले।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए सलामी बल्लेबाज केएल राहुल शतक ठोका। राहुल ने 65 गेंद में चार छक्कों और 14 चौकों से नाबाद 112 रन की पारी खेलने के अलावा अभिषेक पोरेल (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 90 और कप्तान अक्षर पटेल (25) के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी करके दिल्ली को धीमी शुरुआत से उबारा और टीम के मजबूत स्कोर की नींव रखी। टाइटंस की ओर से अरशद खान, प्रसिद्ध कृष्णा और साई किशोर ने एक-एक विकेट चटकाया।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरुआत धीमी रही। राहुल ने मोहम्मद सिराज के पहले ओवर में दो चौके मारे लेकिन फाफ डु प्लेसी 10 गेंद में सिर्फ पांच रन बनाने के बाद चौथे ओवर में अरशद खान की गेंद को मिड ऑन पर सिराज के हाथों में खेल गए। चार ओवर में दिल्ली का स्कोर एक विकेट पर 19 रन था। राहुल ने अगले ओवर में सिराज पर दो और चौके मारे और फिर कागिसो रबाडा का स्वागत दो छक्कों और एक चौके से करते हुए पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 45 रन तक पहुंचाया।

अभिषेक पोरेल ने धीमी शुरुआत के बाद प्रसिद्ध कृष्णा पर छक्का मारा। राहुल ने राशिद खान पर चौके के साथ 35 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। पोरेल और राहुल ने इसके बाद रबाडा पर छक्के जड़े। राहुल ने साई किशोर की गेंद पर एक रन के साथ 12वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। पोरेल ने इसी ओवर में सीधा छक्का भी जड़ा लेकिन अगली गेंद को कट करने की कोशिश में विकेटकीपर जोस बटलर को कैच दे बैठे। उन्होंने 19 गेंद का सामना करते हुए तीन छक्के और एक चौका मारा। राहुल और पोरेल ने 90 रन जोड़े।

किशोर ने 71 रन के स्कोर पर राहुल का अपनी ही गेंद पर कैच टपकाया। राहुल ने अगली दो गेंद पर भी चौके मारे। अक्षर ने 16वें ओवर में किशोर पर चौके और छक्के के साथ टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। वह हालांकि अगले ओवर में प्रसिद्ध की गेंद को थर्ड मैन पर किशोर के हाथों में खेल गए। राहुल ने 19वें ओवर में प्रसिद्ध पर छक्के और चौके के साथ 60 गेंद में शतक पूरा किया। राहुल ने अंतिम ओवर में सिराज पर लगातार दो चौके मारे जबकि ट्रिस्टन स्टब्स (21 रन*) ने छक्के के साथ टीम का स्कोर 200 के करीब पहुंचाया।

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में बच्चों की एंट्री मुफ्त

टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए वेस्टइंडीज बोर्ड का बड़ा फैसला

बारबाडोस

दुनियाभर में टेस्ट क्रिकेट का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है और इसे बचाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और तमाम क्रिकेट बोर्ड्स नए-नए कदम उठा रहे हैं। हाल ही में आईसीसी ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की पुरस्कार राशि को दोगुना कर दिया है, वहीं अब वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने टेस्ट क्रिकेट को बच्चों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए एक अनोखा फैसला लिया है। सीडब्ल्यूआई ने घोषणा की है कि वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान बच्चों को स्टेडियम में प्रवेश के लिए कोई टिकट नहीं खरीदना पड़ेगा।

इस फैसले का मकसद युवा पीढ़ी में टेस्ट क्रिकेट के प्रति रुचि जगाना है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेह्रिंग ने इस पहल की जानकारी देते हुए कहा कि बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल, ग्रेनेडा नेशनल स्टेडियम और जमैका के सबीना पार्क में होने वाले तीनों टेस्ट मैचों के दौरान सभी बच्चों को निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। केंसिंग्टन ओवल में आयोजित डब्ल्यूआई होम फुल आह एनर्जी कैंपेन के लॉन्च के दौरान डेह्रिंग ने कहा कि यह निर्णय वेस्टइंडीज क्रिकेट की एक नई नीति के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य टेस्ट क्रिकेट को फिर से जीवंत करना है। उन्होंने कहा, सीडब्ल्यूआई में हम मानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट तक बच्चों की पहुंच एक मानवाधिकार है। यह जरूरी है कि हमारे बच्चे इस पारंपरिक फॉर्मेट से जुड़ सकें और इसके लिए किसी भी प्रकार की वित्तीय रुकावट उनके सामने न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों को किसी टिकट की जरूरत नहीं होगी, यह उनका अधिकार है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब यह अधिकार बच्चों का है, तो यह माता-पिता, सरकारों और समाज की जिम्मेदारी है कि वे इस अधिकार को बच्चों तक पहुंचाएं। वहीं, सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने उम्मीद जताई है कि इस पहल से स्टेडियम में दर्शकों की संख्या में इज़ाफा होगा और टेस्ट मैचों का माहौल पहले की तरह जोशभरा होगा। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस उम्र तक के बच्चों को मुफ्त प्रवेश की सुविधा मिलेगी। वेस्टइंडीज का यह कदम निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट को नई पीढ़ी में पुनर्जीवित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है।

जर्मनी में बंदेलसगा लीग फुटबॉल

जर्मनी में बंदेलसगा लीग फुटबॉल में ट्रॉफी के साथ बेयर्न म्यूनिख के हैरी केन्स व होफेनहेम की सेलीना सर्सरी।

रोहित ने मजाकिया अंदाज में प्रशंसक को मुक्का दिखाया

मुम्बई, 18 मई (एजेंसियां)।

भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट प्रारुप से संन्यास लिया है। इसके बाद रोहित का वानखेडे स्टेडियम में सम्मान किया गया। इस दौरान रोहित ने माता पिता के त्याग और बलिदान को भी याद किया। वे समारोह में अपने प्रशंसकों से भी मिले। इस दौरान वह एक प्रशंसक को हंसी-मजाक में मुक्का दिखाते दिखे। इसके अलावा छोटे भाई को डांटने का उनका वीडियो भी वायरल हुआ है।

रोहित ने अपने एक प्रशंसक दीपक पटेल के साथ भी हंसी मजाक किया। दीपक को भारतीय झंड लहराते हुए देखकर रोहित ने कुछ समय के लिए उनसे बातचीत की और एक तस्वीर भी खिंचवाई। रोहित जब स्टेडियम में मंच की ओर बढ़ रहे थे तो तभी एक प्रशंसक ने उन्हें आवाज दी। वह रोहित से हाथ मिलाने का प्रयास कर रहा था। तब रोहित ने आगे बढ़कर उससे हाथ मिलाया। मुंबई ने स्टेडियम में रोहित ने माता-पिता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ खड़े होकर स्विच दबाया जिससे रोहित शर्मा स्टैंड का अनावरण हुआ। इस पल को रंगीन आतिशबाजी ने और भी खूबसूरत बना दिया। इस रोहित की पत्नी, रितिका बेहद खुश नजर आयीं। इससे पहले इस स्टेडिया में पूर्व भारतीय कप्तान अजीत वाडेकर और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष शरद पवार के नाम पर भी स्टैंड बना है। रोहित ने कहा कि अपने नाम पर स्टैंड बनना और दिग्गजों के साथ नाम आने की उन्होंने कल्पन तक नहीं की थी।

अमेरिका में खेलेंगे ताईक्वांडो खिलाड़ी व प्रयागराज में तैनात सिपाही ऋषी राय

प्रयागराज, 18 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग के प्रयागराज पुलिस तैनात सिपाही ऋषी राय 22 जून से 7 जूलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष आयोजित होने वाले विश्व पुलिस गेम्स में खेलने जाएंगे। यह जानकारी रविवार को हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी के प्रतिनिधि से अनौपचारिक मुलाकात में ताईकांडो खिलाड़ी ऋषी राय ने दी।

प्रयागराज पुलिस लाइंस में तैनात सिपाही गौतम स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षित ऋषी राय उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के सैदपुर गांव निवासी है। वह पुलिस विभाग में खेल कोटे से सिपाही के पद पर नियुक्त हुए है। उनकी खेल के

विश्व पुलिश गेम्स के लिए भारतीय ताइक्वांडो टीम में गैबिपुर के ऋषी राय का हुआ चयन

प्रति लगन ने विश्व पुलिस गेम्स के लिए भारतीय टीम में चयन हो गया ।

उन्होंने बताया कि आगामी 27 जून से 7 जुलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष विश्व पुलिश गेम्स का आयोजन होने जा रहा है जिसके लिए भारतीय पुलिस् गेम्स में खेले जाने वाले विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों का चयन किया गया है । इसमें गाजीपुर के लाल और ताईक्वांडो खिलाड़ी ऋषी राय का चयन भारतीय ताईक्वांडो टीम में किया गया है जो अमेरिका में जुटने जा रहे विश्व

के तमाम देशों के पुलिस खिलाड़ियों के समक्ष पुरुषों के 68किग्रा में भारत का नेतृत्व करेंगे।

वहीं ऋषी राय के कोच व गौतम स्पोर्ट्स अकादमी के प्रबन्ध निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि ऋषी वर्ष 2016 में मेरे संपर्क में आए और उनके अनुशाषित दिनचर्या व ताईक्वांडो खेल के प्रति सच्ची निष्ठा भावना ने मुझे प्रभावित किया । कोच ने बताया कि ऋषी के नाम दर्जनों राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक हैं । इनके शानदार खेल के प्रदर्शन को देखते हुये राज्य सरकार के खेल कोटे से ऋषी राय को वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती कर लिया गया है ।

भर्ती के पश्चात् भी ऋषी के प्रशिक्षण व दिनचर्या में कोई बदलाव नही आया है और विगत वर्ष जून में गुवाहाटी(असम) में आयोजित नवीं अखिल भारतीय पुलिश गेम्स में भी बी.एस.एफ., सी.आर.पी.एफ. और आई.टी.बी.पी. जैसे टीमों को हरा कर स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का अपना दबदबा यहां भी बनाए रखा । इस अद्वितीय प्रदर्शन को देखते हुये अखिल भारतीय पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड नई दिल्ली के उच्चाधिकारियों ने वर्ल्ड पुलिस गेम्स के लिए ऋषी राय का चयन भारतीय दल में कर लिया है ।

इस अवसर पर ऋषी राय को उत्तर प्रदेश के पुलिस् महानिदेशक (डी.जी.पी.) प्रशांत कुमार ने पुलिस मुख्यालय लखनऊ में संम्मानित किया , इस अवसर पर मुख्य अतिथि भूतपूर्व महान क्रिकेटर कपिल देव ने ऋषी राय को प्रतीक चिन्ह प्रदान किया और विश्व दौरे के लिए शुभकामनाएं दीं । इधर विश्व पुलिस् गेम्स के लिए भारतीय टीम में ऋषी के चयन की खबर पाते ही गौतम स्पोर्ट्स अकादमी गैबिपुर में साथी खिलाड़ियों व अकादमी के सदस्यों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी , सभी ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर बधाइयाँ दीं , गाजीपुर ताईक्वांडो एसोसिएशन के चेयरमैन डा.मुकेश सिंह ने कहा कि जनपद वापसी पर ऋषी राय को सम्मानित किया जाएगा ।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अटारी-वाघा सीमा पर फिर से शुरू हुआ कारोबार

अटारी, 18 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार पूरी तरह ठप हो गया था, लेकिन अटारी-वाघा सीमा के रास्ते पुनः खुलने से व्यापारिक गतिविधियां फिर से चलने लगी हैं। इस सीमा के माध्यम से भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाला व्यापार फिर से गति पकड़ रहा है। पाकिस्तानी सीमा पर फंसे ट्रकों के विवाद के बाद अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से भारत में प्रवेश की अनुमति दी गई। इसके बाद लगभग 50 ट्रक और भारतीय ट्रकों ने सीमा पार करके व्यापारिक गतिविधियों को फिर से जीवंत किया। भारत और अफगानिस्तान के बीच यह मार्ग सूखे मेवों और जड़ी-बूटियों के आयात के लिए महत्वपूर्ण है। इसके बंद हो जाने से व्यापारियों को बड़ा नुकसान हुआ था, लेकिन अब उन्हें राहत मिली है। इस सीमा के खुलने से व्यापारियों में आर्थिक सुधार होने की उम्मीद है।

पाकिस्तानी सीमा पर फंसे ट्रकों के विवाद के बाद भारत में प्रवेश की अनुमति मिली

भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार का यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है। अटारी-वाघा सीमा भारत और तालिबान शासित अफगानिस्तान के बीच एकमात्र स्वीकृत व्यापारिक भूमि मार्ग है। भारत अफगानिस्तान से मुख्य रूप से सूखे मेवे और जड़ी-बूटियां आयात करता है, जो अधिकतर कंधार और काबुल से आते हैं। इस मार्ग के बंद होने से न केवल व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हुआ, बल्कि बाजार में इन सामानों की उपलब्धता पर भी असर पड़ा।

जीईईएल ने अपनी ब्रांड पहचान को नया रूप देने की घोषणा की

नई दिल्ली। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज़ लिमिटेड (जीईईएल) ने अपनी ब्रांड पहचान को नया रूप देते हुए अपने कॉर्पोरेट और चैनलों के लोगो को नया लुक देने की घोषणा की है। कंपनी के सीईओ ने यह घोषणा ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2025 के दौरान की। नए लोगो ज़ी टीवी, ज़ी5, ज़ी म्यूज़िक कंपनी और ज़ी स्टूडियोज़ जैसे ब्रांड्स के लिए जारी किए जाएंगे। नया कारपोरेट लोगो लॉन्च, बाकी ब्रांड्स के नए लोगो 8 जून को जारी किए जाएंगे कंपनी के अनुसार ज़ी का नया कॉर्पोरेट लोगो पहले ही लॉन्च किया जा चुका है, जबकि बाकी ब्रांड्स के नए लोगो 8 जून को जारी किए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

क्लिकः भारत में ग्राहक आधार 1,000 को पार करने के लिए तैयार

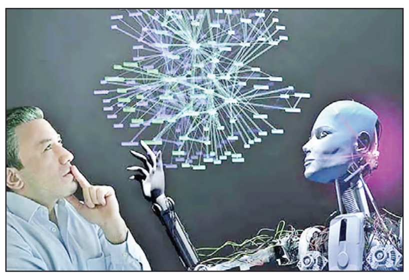

ऑरलैंडो। कृत्रिम मेधा क्षेत्र के अग्रणी कंपनी क्लिक ने भारतीय बाजार में वृद्धि को लेकर आशान्वित होने का इजहार किया है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि क्लिक ने पिछले दो साल में अपने कारोबार को दोगुना किया है और ग्राहकों की संख्या अब 800 से भी ज्यादा हो गई है। उनके अनुसार इस साल कंपनी का ग्राहक आधार 1,000 को पार कर जाएगा। उन्होंने डेटा विश्लेषण और एआई रणनीति में भागीदारी के लिए कई छोटे और मझोले कारोबारों के साथ भविष्य की योजना की बात की। उन्होंने कहा कि क्लिक के भारतीय शाखा में मात्र एक्सपैंशन हुई है और कर्मचारी संख्या में भी वृद्धि हुई है। कंपनी ने पिछले 16 माह में भारत में कर्मचारियों की संख्या दोगुनी कर दी है और नियुक्तियों का कार्य जारी रहेगा। वे भारतीय बाजार में तेजी से आगे बढ़ने के संकेत का समर्थन करते हुए निवेश के साथ एक वीरपंथी किरदार बनाने का दावा कर रहे हैं। क्लिक ने हाल ही में भारत में एक बड़े निवेश के साथ डेटा सेंटर खोला है, जो भारतीय बाजार के लिए नई सेवाएं प्रदान करेगा। यह कॉन्फिगरेशन के साथ क्लाउड ढांचे को बढ़ाने और भारतीय बाजार के साथ प्रतिबद्धता को गहरा करने में मदद करेगा।

भारत के कोयले का आयात 2024-25 में घटकर 26.35 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली। भारत में कोयले का आयात वित्त वर्ष 2024-25 में 1.7 प्रतिशत घटकर 26.35 करोड़ टन रहा है। इसके सम्बंधित पिछले वित्त वर्ष, 2023-24, में देश कोयले का 26.82 करोड़ टन आयात करता था। इस वर्ष गैर-कोकिंग कोयले का आयात 16.71 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की 17.59 करोड़ टन से कम है। कोकिंग कोयले का आयात 5.40 करोड़ टन है जो पिछले वर्ष की 5.72 करोड़ टन से कम है। एक ई-कॉमर्स मंच द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार मार्च में कोयले का आयात 2.27 करोड़ टन रहा जो पिछले वर्ष की 2.39 करोड़ टन की मुकाबला है। मार्च में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.48 करोड़ टन है जो 2023-24 के समान महीने की 1.53 करोड़ टन का है। मार्च में कोकिंग कोयले का आयात 44.1 लाख टन है जो 2023-24 के समान महीने की 53.4 लाख टन से कम है। वित्त वर्ष 2024-25 में कुल कोयले उत्पादन एक अरब टन के आंकड़े को पार कर गया है। अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में कोयले उत्पादन 104.75 करोड़ टन है, जो 2023-24 में 99.78 करोड़ टन का था। इस तरह वित्त वर्ष के दौरान कोयले का उत्पादन 4.99 प्रतिशत बढ़ गया है।

बीते वित्त वर्ष में भारत के स्मार्टफोन निर्यात ने पेट्रोलियम उत्पादों, हीरे को पछाड़ा

नई दिल्ली। पिछले तीन साल में भारत का स्मार्टफोन निर्यात पांच गुना हो गया है। वहीं इस दौरान जापान को निर्यात चार गुना हो गया है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इस तरह स्मार्टफोन निर्यात ने देश से पेट्रोलियम उत्पादों और हीरे के निर्यात को पीछे छोड़ दिया है। आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में स्मार्टफोन निर्यात 55 प्रतिशत के उछाल के साथ 24.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2023-24 में 15.57 अरब डॉलर और 2022-23 में 10.96 अरब डॉलर था। बीते वित्त वर्ष में अमेरिका, नीदरलैंड, इटली, जापान और चेक गणराज्य शीर्ष पांच देश रहे जहां स्मार्टफोन निर्यात में सबसे ऊंची वृद्धि दर्ज हुई है। अकेले अमेरिका को 2024-25 में स्मार्टफोन का निर्यात 10.6 अरब डॉलर का हो गया। - 2024-25 में स्मार्टफोन निर्यात 55 प्रतिशत के उछाल के साथ 24.14 अरब डॉलर पर अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 2022-23 में 2.16 अरब डॉलर और 2023-24 में 5.57 अरब डॉलर रहा था। जापान को निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। जापान को निर्यात 2022-23 के 12 करोड़ डॉलर से 2024-25 में 52 करोड़ डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार नीदरलैंड को निर्यात 2022-23 के 1.07 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 2.2 अरब डॉलर हो गया।इसी तरह, इटली को निर्यात 72 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1.26 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

ट्रंप ने फेड पर किया हमला, पॉवेल की इस्तीफा की मांग, जेरोम पॉवेल नहीं हो रहे टस से मस

वाशिंगटन, 18 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संकेतों के साथ एक बार फिर फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल पर हमला बोला है। ट्रंप ने फेड के ब्याज दरों में कटौती की मांग की और पॉवेल को उनके मौजूदा कार्यकाल से पहले हटाने की धमकी दी। यह तनातनी के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भारी असर पड़ सकता है। ट्रंप का मानना है कि कम ब्याज दरें अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी, जबकि पॉवेल ने ऐसे कदमों की चेतावनी दी है कि इससे महंगाई बढ़ सकती है। इस तनातनी के बीच ट्रंप ने पॉवेल को मेजर लूजर कहकर भी मामूली भाषा में संबोधित किया है।

यह विवाद अमेरिकी राजनीति के दौरान एक और रोमांचक घटना बन गया है, जिसके परिणामों का सामर्थ्यक असर पूरी दुनिया देख रही है। इस संघर्ष के बीच, पॉवेल ने साफ किया है कि वे अपनी पदवी पर कटौती का विचार नहीं करेंगे और उन्हें इस्तीफा देने का कोई इरादा नहीं है। ट्रंप ने उनकी योग्यता पर सवाल उठाया है, लेकिन पॉवेल ने प्रधान्य देने का इरादा जताते हुए इस संघर्ष में निष्ठा प्रकट की है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह पॉवेल को 2026 से पहले हटाएंगे, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, नहीं, ऐसा क्यों करूंगा मुझे जल्द ही उन्हें बदलने का मौका मिल जाएगा। ट्रंप भले ही पॉवेल को न हटाने की बात कह रहे हो, लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि वे चाहकर भी ऐसा कर नहीं सकते। अगर वे ऐसा करते हैं तो कानूनी पचड़े में पड़ जाएंगे और इससे फजीहत हो सकती है। इसलिए पॉवेल को झेलना ट्रंप की मजबूरी है।

मूडीज ने घटाई अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग, निवेशकों को मिली चेतावनी, बढ़ सकती हैं ब्याज दरें

नई दिल्ली। मूडीज रेटिंग्स ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग को ट्रिपल ए से घटाकर एए1 कर दिया। यह पहली बार है जब मूडीज ने 1917 के बाद अमेरिका को परफेक्ट क्रेडिट स्कोर से वंचित किया है। इससे अमेरिकी निवेशकों को उधार लेने के लिए महंगा होने की संभावना है, क्योंकि ब्याज दरें बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव महंगाई और टैरिफ पर हो सकता है। मूडीज ने कहा कि पिछले दशक में अमेरिका का सरकारी कर्ज और ब्याज भुगतान का अनुपात बढ़ गया है, जो अन्य रेटिंग वाले देशों से अधिक है। एजेंसी का अनुमान है कि अमेरिका की उधारी की जरूरत और बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था पर दबाव डालेगी। रेटिंग को स्थिर आउटलुक दिया गया है, लेकिन फेडरल रिजर्व की नीतियां अब भी मजबूत और स्वतंत्र मानी जाती हैं। मूडीज के फैसले ने अमेरिका में राजनीतिक बहस को बढ़ावा दिया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने इसके लिए बाइडन प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। वे कहते हैं कि ट्रंप प्रशासन और रिपब्लिकन बाइडन के गलत नीतियों को सुधारने के लिए काम कर रहे हैं।

वेदांता लिमिटेड : 20 अरब डॉलर की परियोजनाओं के क्रियान्वयन में कंपनियों की रुचि

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। दुनिया की कई परामर्शक कंपनियों ने वेदांता लिमिटेड की कई क्षेत्रों में फैली 20 अरब डॉलर की विस्तार परियोजनाओं को लागू करने में रुचि दिखाई है। प्रमुख कंपनी चालू तिमाही में परामर्शक कंपनी का चयन करेगी। वेदांता अगले तीन साल में अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करने की योजना बना रही है, क्योंकि यह चार इकाइयों- वेदांता एल्युमीनियम, तेल और गैस, बिजली, और लौह एवं इस्पात में पुनर्गठन कर रही है।

वेदांता लिमिटेड के एक अधिकारी ने बताया कि वे एक वैश्विक रुचि पत्र जारी करेंगे और कुछ सप्ताह के भीतर भागीदार का चयन करेंगे। कंपनी अगले तीन साल में धातु, खनन, और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करेगी। वेदांता के चेयरमैन ने इससे पहले कहा था कि कंपनी विविध कारोबार के विभाजन के बाद संपत्ति प्रबंधन से संपत्ति की मालिक बनेगी।

कंपनी अपने संपत्ति आधार को मजबूत कर रही है और वैश्विक अगुवा के रूप में स्थापित होने का प्रयास कर रही है। धातु क्षेत्र की दिग्गज कंपनी की आमदनी 41,216 करोड़ रुपये हो गई है। इसमें मार्च में समाप्त तिमाही में 3,483 करोड़ रुपये का आकलन शामिल है, जो पिछले साल की सामान्यतः 1,369 करोड़ रुपये से अधिक है।

ईबीपी मंच पर इलेक्ट्रॉनिक बुक व्यवस्था अनिवार्य

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 20 करोड़ रुपये या उससे अधिक के निजी नियोजन के लिए ईबीपी मंच पर इलेक्ट्रॉनिक बुक व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया है। यह प्रावधान ईबीपी मंच की दक्षता और सुरक्षा को बढ़ाने में मदद करेगा। सेबी के नए परिपत्र के अनुसार, अब निजी नियोजन के लिए 20 करोड़ रुपये या उससे अधिक के निर्गम आकार की ऋण या बॉन्ड प्रतिभूतियों, एनसीआरपीएस और म्यूनिसिपल बॉन्ड जैसे अनुभागों के लिए भी ईबीपी मंच का उपयोग अनिवार्य होगा। अब तक निर्गम आकार वाले बॉन्ड प्रतिभूतियों के सभी निजी नियोजन के लिए ईबीपी मंच का प्रयोग अनिवार्य था, लेकिन अब रीट और इनविट भी इसमें शामिल होंगे। ईबीपी मंच की दक्षता और सुरक्षा को बढ़ाने में मिलेगी मदद सेबी ने इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) और रियल एस्टेट इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट (आरईआईटी) को भी शामिल कर दिया है। इस पहल से इलेक्ट्रॉनिक बुक प्रदाता के मंच की महत्वपूर्णता और प्रभाव बढ़ेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ऑपरेशन सिंदूर के...

रक्षा मंत्रालय ने निजी और सरकारी उद्योगों के साथ दूर तक की योजनाओं पर भी बातचीत शुरू कर दी है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड कंपनी को ड्रोन डिटेक्शन के लिए 10 नए लो-लेवल रडार का ऑर्डर मिलने की संभावना जताई गई है। इससे पहले 6 रडारों के लिए ऑर्डर दिया जा चुका है। इसके अलावा कुछ अन्य ड्रोन निर्माण वाली भारतीय कंपनियों को भी तीनों सेनाओं से बड़ा ऑर्डर मिल सकता है।अधिकारियों ने बताया कि नई आपातकालीन शक्तियों के तहत बजट की 15 प्रतिशत सीमा होगी और अनुबंधों को 40 दिनों के भीतर अंतिम रूप देना होगा। साथ ही एझ खरीद वित्तीय सलाहकारों की सहमति से की जाएगी और किसी भी आयात या वैश्विक खरीद के लिए विशेष अनुमति की आवश्यकता होगी।बता दें कि इससे अतिरिक्त भारत सरकार बजट के आवंटन में अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सेना की धनराशि को बढ़ाने पर भी विचार कर सकती है। यह आपातकालीन शक्तियों मंजूरी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिली है, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान वायु सेना को भारी नुकसान पहुँचाया है।

ऑपरेशन सिंदूर ...

जवान ने कहा है कि दुश्मन अपनी पोस्ट छोड़कर भागता नजर आया।

वीडियो में भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से जब सीजफायर का उल्लंघन किया जा रहा था, भारतीय चौकियों के साथ-साथ रिहायशी इलाकों को भी टारगेट किया जा रहा था। इसका वीडियो वेस्टर्न कमांड इंडियन आर्मी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया।

इस हफ्ते की शुरुआत में भारतीय सेना की पश्चिमी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने जम्मू क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कई स्थानों का दौरा किया और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों की सटीक और दंडात्मक प्रतिक्रिया की सराहना की।

अब भारत...

सोनोबॉय एक अत्याधुनिक डिवाइस है, जो समुद्र के नीचे दुश्मन की पनडुब्बियों को डिटेक्ट, लोकेट और ट्रैक करने में मदद करता है। ये भारतीय नौसेना की अंडरसी डोमेन जागरूकता क्षमताओं को बढ़ाता है। यह सिस्टम नौसेना की सुरक्षा, गश्त और कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स की रक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।अब तक भारत को ये टेक्नोलॉजी विदेशों से मंगवानी पड़ती थी, जिससे विदेशी कंपनियों पर निर्भरता बनी रहती थी। लेकिन अब अडाणी डिफेंस इस तकनीक को देश के भीतर ही तैयार करेगा।

स्पार्टन पहले से ही भारतीय नौसेना के साथ काम कर रही है और अब इस नई साझेदारी के तहत अडानी डिफेंस इनको पूरी तरह मेक इन इंडिया रूप में उपलब्ध कराएगा। इस पहल से देश की डिफेंस टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।अडाणी एंटरप्राइजेज के वाइस प्रेसिडेंट जीत अडाणी ने इस मौके पर कहा, आज के अस्थिर समुद्री माहौल में, भारत की अंडरवॉटर वॉरफेयर क्षमताओं को मज़बूत करना रणनीतिक प्राथमिकता नहीं बल्कि राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय नौसेना को ऐसे मिशन-रेडी और देसी रूप से विकसित सिस्टम्स की ज़रूरत है जो वैश्विक स्तर पर भी प्रतिस्पर्धी हों। स्पार्टन के साथ इस साझेदारी के ज़रिए अडाणी डिफेंस अब वही समाधान देश को उपलब्ध कराएगा।

हैदराबाद में ...

कांग्रेस सांसद अनिल कुमार यादव और जीएचएमसी मेयर विजयलक्ष्मी गडवाल ने आग दुर्घटना के बाद स्थिति का आकलन करने के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) का दौरा किया। हालांकि, पीड़ितों के परिवार के सदस्यों ने सांसद से भिड़ंत की और दुर्घटना स्थल पर एम्बुलेंस के देरी से पहुंचने का आरोप लगाया।

पीड़ितों के रिश्तेदारों ने कहा, परिवार के सत्राह सदस्यों की मौत हो गई। अगर एंबुलेंस समय पर पहुंच जाती तो छह साल की बच्ची को बचाया जा सकता था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एम्बुलेंस में ऑक्सीजन मास्क भी नहीं थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद की एक इमारत में आग लगने की घटना पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए की सहायता राशि देने की भी घोषणा की है।प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी पोस्ट में कहा गया, तेलंगाना के हैदराबाद में आग लगने की घटना में लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

तेलंगाना सरकार ने भी इस दुखद आग दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के लिए 5 लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की है।उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने उस्मानिया अस्पताल के शवगृह में मीडिया को संबोधित करते हुए यह घोषणा की, जहां उन्होंने शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की। इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि पूरा मंत्रिमंडल इस त्रासदी से बहुत दुखी है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया और अधिकारियों को आग में फंसे लोगों को बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, वह पुलिस और अग्निशमन सेवा अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और उन्हें घायलों के लिए सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।इस बीच, चारमीनार के विधायक मीर जुल्फिकार अली ने दुर्घटना स्थल का दौरा किया और बचाव एवं राहत कार्यों की निगरानी कर रहे अधिकारियों के साथ चर्चा की।भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने भी आग त्रासदी पर दुख व्यक्त किया। रामा राव ने पोस्ट किया, बेहद हैरान और दुखी हूँ!! पुराने शहर में गुलज़ार हाउस में आग लगने की घटना से जो विवरण सामने आए हैं, वे बहुत दुखद हैं। इस त्रासदी के पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएँ। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। उम्मीद और प्रार्थना है कि इस आग पर जल्द ही काबू पा लिया जाएगा। बीआरएस टीम आपकी किसी भी ज़रूरत के लिए उपलब्ध रहेगी।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद में आग लगने की घटना पर दुख जताते हुए कहा, गुलज़ार हाउस में आज एक दर्दनाक घटना घटी। यह परिवार 125 सालों से इस इलाके में रह रहा था। मरने वाले सभी 17 लोग परिवार के ही सदस्य थे। यह बहुत दुख की बात है... मैं अपनी संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने भी आग दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है।सीएम नायडू ने एक्स पर लिखा, हैदराबाद के गुलज़ार हाउस में लगी आग में निर्दोष लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

बांग्लादेश से ...

अधिसूचना के अनुसार, फल और फलों के स्वाद वाले कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, बेक्ड सामान, स्नैक्स, चिप्स और कन्फेक्शनरी, कपास और कॉटन याम अपशिष्ट, प्लास्टिक और पीवीसी से तैयार सामान और लकड़ी के फर्नीचर के आयात को असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में किसी भी भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों / एकीकृत चेक पोस्ट और पश्चिम बंगाल में चंगराबांधा और फुलबारी के भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों के माध्यम से अनुमति नहीं दी जाएगी।

इससे पहले 09 अप्रैल 2025 को भारत सरकार ने भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर भीड़भाड़ का हवाला देते हुए बांग्लादेश को पहले दी गई ट्रांसशिपमेंट सुविधा को वापस लेने की घोषणा की थी। इस सुविधा के तहत बांग्लादेश को भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित पेट्रापोल लैंड पोर्ट से कंटेनर ट्रक भेजने की अनुमति दी गई थी, जो दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा लैंड पोर्ट है। यह कोलकाता बंदरगाह, कोलकाता एयरपोर्ट के एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स, महाराष्ट्र के न्हावाशेवा पोर्ट और दिल्ली एयरपोर्ट तक जाता है।

भूमि बंदरगाहों...

उन्होंने कहा कि भारत ने अब तक बांग्लादेश से सभी निर्यातों को बिना किसी प्रतिबंध के अनुमति दी थी, लेकिन बांग्लादेश द्वारा पूर्वोत्तर में पारगमन और बाजार पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया गया है।भारत ने 17 मई को बांग्लादेश से 77 करोड़ डॉलर के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया, जो द्विपक्षीय आयात का लगभग 42 प्रतिशत था। परिधान, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और प्लास्टिक की वस्तुओं जैसे प्रमुख सामान अब चुनिंदा समुद्री बंदरगाहों तक सीमित हैं या भूमि मार्गों से पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं।कुल 61।8 करोड़ डॉलर मूल्य के सिलेसिलाए कपड़ों को अब केवल दो भारतीय बंदरगाहों के माध्यम से सख्त मार्ग का सामना करना पड़ रहा है। यह बांग्लादेश के भारत के लिए सबसे मूल्यवान निर्यात चैनल को गंभीर रूप से सीमित करता है।सूत्रों ने कहा कि भारत द्वारा यह उपाय दोनों देशों के लिए समान बाजार पहुंच बहाल करता है। सूत्रों ने कहा कि नई दिल्ली की स्थिति यह है कि बांग्लादेश के साथ संबंध पारस्परिक शर्तों पर होंगे।सूत्रों में से एक ने कहा, बांग्लादेश से तैयार कपड़ों के आयात को प्रतिबंधित करना, बांग्लादेश द्वारा भारतीय धागे और चावल पर समान व्यापार प्रतिबंध लगाने और बांग्लादेश को निर्यात किए जाने वाले सभी भारतीय सामानों पर जांच बढ़ाने का एक जवाबी उपाय है।एक अन्य सूत्र ने कहा, बांग्लादेश को यह समझने की जरूरत है कि वह केवल अपने लाभ के लिए द्विपक्षीय व्यापार की शर्तों को नहीं चुन सकता है या यह नहीं मान सकता है कि पूर्वोत्तर में उसके बिना व्यापार नहीं हो सकता।

आईएसआई के ...

मंत्रालय या विदेश मंत्रालय के आमंत्रण पर गए होते तो भी बात अलग होती।सरमा ने कांग्रेस पर विदेशी एजेंसियों से संबंध रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो नेता देश विरोधी तत्वों से संबंध रखते हैं, उन्हें जनता पहचान चुकी है। उन्होंने कहा, गोगोई और पाकिस्तान की एजेंसी के बीच जो भी संबंध हैं, यह केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने पहले भी यह बात कही थी। गौरव गोगोई और कांग्रेस पार्टी ने इन आरोपों को खारिज किया है।

एक राष्ट्र,...

तभी हम वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जीएसटी कार्यान्वयन, अनुच्छेद 370 को हटाना, ट्रिपल तलाक का उन्मूलन और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) की शुरुआत जैसे प्रमुख सुधारों का हवाला दिया। उन्होंने कहा, ये आसान निर्णय नहीं थे। इसके लिए दृढ़ संकल्प और राष्ट्र के लिए सही काम करने की इच्छाशक्ति की आवश्यकता थी। मोदी जी के नेतृत्व ने उन्हें संभव बनाया।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर श्री रेड्डी ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में भारत निष्क्रिय रुख से सक्रिय दृष्टिकोण में बदल गया है। उन्होंने कहा, पहले हम केवल मोमबत्ती जलाकर आतंकी हमलों की निंदा करते थे। आज हम विदेशी धरती पर भी सटीक हमलों के साथ जवाब देते हैं।ऑपरेशन सिंदूर'जैसे ऑपरेशन हमारी सरकार के दृढ़ संकल्प का सबूत हैंउन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों और रेलवे स्टेशनों सहित बुनियादी ढांचे के तेजी से विकास पर भी प्रकाश डाला और कहा कि लगातार चुनाव ऐसे विकास की गति में बाधा डालते हैं। उन्होंने कहा, यह केवल चुनावी सुधार के बारे में नहीं है। यह हमारे देश के लिए निर्बाध प्रगति और अगली पीढ़ी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के बारे में है।एकजुट समर्थन का आह्वान करते हुए केंद्रीयमंत्री ने सभी वर्गों से राजनीति से परे सोचने की अपील की। उन्होंने कहा, यह केवल नीतिगत चर्चा नहीं है - यह देश के भविष्य के बारे में है। बुद्धिजीवियों, युवाओं और नागरिकों को एक राष्ट्र, एक चुनाव के बारे में शामिल होने के साथ ही जागरुकता पैदा करनी चाहिए।

पिछले 5 वर्षों में ...

बिहार और हरियाणा में केवल 19 से 20 प्रतिशत सड़कों पर ही ये नियम लागू थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जहां फुटपाथ मौजूद थे, उनमें से अधिकांश खठउ के मानकों के अनुरूप नहीं थे। हाल ही में दिए गए एक आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, नागरिकों के लिए उचित फुटपाथ होना ज़रूरी है। वे ऐसे होने चाहिए कि वे विकलांग व्यक्तियों के लिए सुलभ हों और अतिक्रमण हटाना अनिवार्य है। इस अदालत ने माना है कि पैदल चलने वालों को फुटपाथ का उपयोग करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत है।वैश्विक स्तर पर, सड़क दुर्घटनाओं में 21 प्रतिशत मौतें पैदल चलने वालों की होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में पैदल चलने वालों की संख्या लगभग पाँचवीं होगी।

भूमि दोष होने पर घर में घटती हैं अशुभ घटनाएं!

हिंदू धर्म में वास्तु दोष और भूमि दोष को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। कई बार लोग नया घर या फ्लैट बड़े सपनों और उम्मीदों के साथ खरीदते हैं, लेकिन वहां अचानक समस्याएं बढ़ने लगती हैं। रिश्तों में तनाव, आर्थिक परेशानियां, बनते कामों में रुकावट और घर में कलह – ये सब भूमि दोष के संकेत हो सकते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि बहुत से लोग भूमि ले लेते हैं। उसे फिर अजीब घटना देखने को मिलती है। ऐसी ही भूमि दोष वाली भूमि पर आपका घर बना है तो परिवार के लोगों के साथ अप्रिय घटनाएं हो सकती हैं। वास्तुशास्त्र में माना गया है कि भवन निर्माण से पूर्व उचित भूखंड या फिर कहें जमीन का चयन कर उसका भूमि परीक्षण किया जाना चाहिए। ऐसा करने से भवन निर्माण के उपरांत वहां निवास करने वाले सदस्य अनेक प्रकार की परेशानियों से बच सकते हैं। मिट्टी परीक्षण संबंधी कुछ सिद्धांत और विधियां वास्तु में बताई गई हैं, जो वैज्ञानिक आधार पर भी एकदम सटीक उतरती हैं। नियमानुसार यदि मिट्टी उपयुक्त हो तभी भवन निर्माण करना चाहिए। यदि मिट्टी में कोई दोष हो तो उसका निवारण करने के बाद ही भवन निर्माण करना लाभदायक रहता है।

जिस जमीन पर वास्तु दोष होता है। उस पर न सिर्फ मकान बनवाने के बाद दिक्कत आती है। बल्कि कई बार ऐसा भी होता है कि लोग जमीन तो खरीद लेते हैं लेकिन उसमें सालों साल तक कोई मकान नहीं बनवा पाता है। यदि आप चाहते हैं कि आपके घर की खुशियां हमेशा बरकरार रहें और घर का प्रत्येक सदस्य सुख-समृद्धि और आरोग्य के साथ जीवन में उत्कर्ष करे तो आपको हमेशा वास्तु नियमों का पालन करना चाहिए। ज्योतिष के अनुसार भूमि का कारक ग्रह मंगल और चतुर्थ भाव मजबूत होने पर जातक अक्सर भूमि खरीदने की स्थिति में आ जाता है। यदि आपके साथ भी ऐसी शुभ स्थिति बन रही है तो आपको भूमि को खरीदने से पहले उसके वास्तु दोष का पता लगाने के लिए इन नियमों को जरूर जानना चाहिए।

मिट्टी के रंग और गंध से पहचानें जमीन

जमीन की ऊपरी मिट्टी की परत को हटाकर थोड़ी नीचे की मिट्टी को हाथ में लेकर देखने से इसका रंग आसानी से पता लग जाता है और सूंघकर इसकी गंध व चखकर इसका स्वाद मालूम हो जाता है। यदि श्वेत रंग की मिट्टी सुगंध और मिठास लिए हुए है तो इसे ब्राह्मणी मिट्टी कहते हैं। आध्यात्मिक सुख प्रदान करने वाली ऐसी मिट्टी वाले भूखंड पर निर्मित भवन बुद्धिजीवियों, धार्मिक व्यक्तियों के लिए अनुकूल होते हैं। क्षत्रिय मिट्टी लाल रंग, तीखी गंध और तीखे कसैले स्वाद वाली होती है। वर्चस्व और पराक्रम को बढ़ाने वाली ऐसी मिट्टी के भूखंड प्रशासकों और राजकीय अधिकारियों के लिए उपयुक्त होते हैं। हल्के पीले रंग की हल्की गंध और खटास वाली मिट्टी वैश्य मिट्टी कहलाती है। व्यवसायी और व्यापारी वर्ग के लिए ऐसे स्थान पर आवास बनाना लाभकारी माना गया है, जो धन-धान्य से पूर्ण करती है। तीखी हल्की गंध और कड़वे स्वाद वाली काली मिट्टी को शुद्ध मिट्टी कहा जाता है। इस प्रकार की मिट्टी वाले भूखंड पर निर्माण करना सभी के लिए उपयुक्त है।

गड्ढा खोद करें परीक्षण

जिस जमीन पर मकान आदि का निर्माण करना हो, उस स्थान पर गृह स्वामी की कुहनी से मध्यमा

अंगुली तक की लम्बाई नापकर उसी नाप का गहरा, लम्बा व चौड़ा गड्ढा कर लें एवं निकली हुई मिट्टी से गड्ढे को पुनः भर दें। यदि मिट्टी कम पड़े तो हानि, बराबर रहे तो न हानि न लाभ तथा मिट्टी शेष बच जाए तो ऐसी भूमि को सुख-सौभाग्य प्रदान करने वाली समझना चाहिए।

नारायण भट्ट ग्रंथ के अनुसार सांयकाल सूर्यास्त के समय ऊपर बताए गए नाप का गड्ढा खोदकर उसे पानी से पूरा भर दें। प्रातःकाल जाकर देखें, यदि पानी शेष है तो शुभ, पानी नहीं बचा लेकिन मिट्टी गीली है तो मध्यम तथा सूखकर दरारें पड़ जाए तो भवन निर्माण के लिए इसे अशुभ माना गया है। एक अन्य तरीके के अनुसार गड्ढे को जल से भरकर सौ कदम जाकर पुनः लौट कर देखें। गड्ढा अगर पूरा भरा हो तो उत्तम, चौथाई कम हो तो मध्यम, आधा या उससे कम रह जाए तो ऐसी भूमि वास्तु की दृष्टि में अच्छी नहीं मानी गई है।

बीज बोकर जमीन की पहचान

वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा ने बताया कि भूमि परीक्षण बीज बो कर भी किया जाता है। यदि बीज समय पर अंकुरित हो जाए तो ऐसी भूमि पर निर्माण करना वास्तु में उचित माना जाता है। जिस जगह पर विश्राम करने से व्यक्ति के मन को शांति अनुभव होती है, अच्छे विचार आते हैं तो वह भूमि भवन निर्माण के योग्य होती है। वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि गड्ढे में पानी स्थिर रहे तो घर में स्थायित्व, बाएं से दाएं घूमता दिखे तो सुख, दाएं से बाएं घूमे तो अशुभ रहता है।

न बनाएं मकान

भूखंड की खुदाई में कपाल, बाल, हड्डी, कोयला, कपड़ा, जली लकड़ी, चींटियां, सर्प, कौड़ी, रुई अथवा लोहा मिले तो अनिष्ट होता है। लेकिन पत्थर मिलें तो धनलाभ, ईंट मिलें तो बढ़ोत्तरी एवं तांबे के सिक्के आदि निकलें तो ऐसी भूमि सुख-समृद्धि दायक होती है।

भूमि दोष होने पर संकेत

अगर दोष वाली भूमि पर आपका घर बना है तो परिवार के लोगो के साथ अप्रिय घटनाएं हो सकती हैं। ऐसे घर में पालतू जानवर जैसे- कुत्ता, बिल्ली, गाय ज्यादा दिन तक जी नहीं पाते। घर के लोगों के साथ दुर्घटनाएं होती रहती हैं, तो समझ जाइए इसका कारण भूमि दोष हो सकता है। घर में अनजान आवाजों का सुनाई देना या विचित्र आकृतियां दिखने का भ्रम पैदा होना भी भूमि दोष का कारण है। धन का संचित न हो पाना और बने-बनाए कार्यों का भी बिगड़ जाना। करियर में मेहनत करने पर भी तरक्की न होना और घर के लोगों के बीच लड़ाई-झगड़े होने का कारण भी भूमि दोष हो सकता है।

भूमि दोष उपाय

हर रोज़ हनुमान चालीसा, दुर्गा सप्तशती और गीता का पाठ करें। साल में कम से कम एक बार वास्तु शांति कराएं। घर में काले और लाल रंग का कम से कम इस्तेमाल करें। केले और तुलसी के पौधे लगाएं, ये भूमि को शुद्ध करते हैं।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सोमवती अमावस्या पर करें स्नान-दान जानें तिथि, मुहूर्त और पूजा विधि

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र माना गया है। अमावस्या का दिन पितरों की शांति और मोक्ष के लिए समर्पित होता है। यदि यह तिथि सोमवार को पड़े, तो इसका महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। इस दुर्लभ संयोग को सोमवती अमावस्या कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान शिव की आराधना करने से विशेष फल प्राप्त होते हैं और जीवन में सुख-शांति का आगमन होता है।

सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है, और जब अमावस्या इसी दिन आ जाती है, तो यह दिन पूजा-पाठ, जप-तप और दान-पुण्य के लिए अत्यंत फलदायी हो जाता है। मान्यता है कि सोमवती अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान और जरूरतमंदों को दान देने से पितृगण प्रसन्न होते हैं और उनके आशीर्वाद से जीवन में चल रही परेशानियां समाप्त होती हैं। साथ ही ग्रह दोषों का प्रभाव भी कम होता है।

सोमवती अमावस्या की तिथि

दृक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि इस वर्ष 26 मई 2025 को पड़ रही है। यह तिथि दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से आरंभ होगी और अगले दिन यानी 27 मई को शाम 8 बजकर 31 मिनट तक चलेगी। ऐसे में सोमवती अमावस्या का प्रमुख पर्व 26 मई को ही मनाया जाएगा।

स्नान और दान का शुभ मुहूर्त

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान और दान करना विशेष पुण्यदायी होता है। इस दिन अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:51 से 12:46 बजे तक रहेगा, जो किसी भी कार्य के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

इन वस्तुओं का करें दान

इस पावन अवसर पर पितरों की कृपा प्राप्त करने के लिए वस्त्र, मिठाई, अन्न और जल का दान किया जाना चाहिए। विशेष रूप से चावल, दूध, मिश्री, सफेद वस्त्र या अन्य सफेद चीजों का दान करना अत्यंत फलदायी माना गया है। इसके अतिरिक्त किसी भूखे या गरीब व्यक्ति को भोजन करवाना भी पुण्य का कार्य होता है। इस दिन किए गए सभी धार्मिक कार्य न केवल पितरों को संतुष्टि देते हैं, बल्कि जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं।

मासिक शिवरात्रि व्रत को करने से विवाह में आ रही बाधा से मिलता है छुटकारा

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह में मासिक शिवरात्रि का पर्व 25 मई को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती के पूजा-अर्चना करने खास महत्व है। साथ ही श्रद्धा अनुसार अन्न और धन का दान करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि मासिक शिवरात्रि के दिन व्रत और भगवान शिव की पूजा करने से साधक को जीवन में शुभ परिणाम देखने को मिलते हैं। साथ ही महादेव की कृपा बनी रहती है।

मासिक शिवरात्रि के दिन शिवलिंग का विशेष चीजों के द्वारा अभिषेक करना चाहिए। मासिक शिवरात्रि के दिन इस उपाय को करने से जीवन में आ रहे सभी दुख और संकट दूर होते हैं।

मासिक शिवरात्रि शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 25 मई को दोपहर में 03 बजकर 51 मिनट पर ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 26 मई को दोपहर में 12 बजकर 11 मिनट पर होगा। ऐसे में मासिक शिवरात्रि व्रत 25 मई को किया जाएगा।

धन से जुड़ी समस्या होगी दूर

मासिक शिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर चावल चढ़ाना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शिवलिंग का चावल से अभिषेक करने से धन से जुड़ी समस्या छुटकारा मिलता है। साथ ही धन लाभ के योग बनते हैं, लेकिन एक बात का खास ध्यान रखें कि पूजा में टूटे हुए चावल शामिल न करें।

वैवाहिक जीवन होगा खुशहाल

अगर आप वैवाहिक जीवन में किसी समस्या का सामना कर रहे हैं, तो ऐसे में मासिक शिवरात्रि के दिन महादेव और मां पार्वती की पूजा करें। इस दौरान शिवलिंग

पर गेहूं अर्पित करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शिवलिंग पर गेहूं चढ़ाने से वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही संतान सुख की प्राप्ति होती है।

प्रसन्न होंगे महादेव

महादेव को बेलपत्र प्रिय है। इसलिए भगवान शिव की पूजा के समय बेलपत्र जरूर अर्पित करना चाहिए। मासिक शिवरात्रि के दिन सुबह स्नान करने के बाद महादेव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना करें। इस दौरान शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करें। प्रभु से जीवन में सुख-शांति के लिए प्राप्ति के लिए कामना करें। ऐसा माना जाता है कि शिवलिंग का बेलपत्र चढ़ाने से साधक को सभी पापों से छुटकारा मिलता है और महादेव प्रसन्न होते हैं।

शनि की छाया के कारण आर्थिक मामलों पर पड़ता है असर

इन 4 उपायों से घर में माता लक्ष्मी की रहती है कृपा

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार जब शनि की दृष्टि किसी व्यक्ति पर पड़ती है, तो व्यक्ति बहुत मेहनत के बाद भी सफल नहीं हो पाता। करियर में तरक्की रूकने लग जाती है और घर-परिवार की सुख-शांति भंग होने लग जाती है। शनि की छाया यानी शनि की साढ़ेसाती या ढैया का सबसे ज्यादा असर आर्थिक मामलों पर पड़ता है। व्यक्ति तंगहाली में जीने लगता है। व्यक्ति की आर्थिक स्थिति को देखकर ऐसा लगता है, जैसे शनि की छाया होने के कारण माता लक्ष्मी उस घर से दूर होती जा रही हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप कुछ विशेष उपाय करें, जिससे कि माता लक्ष्मी की कृपा आप पर सदा बनी रहे।

अच्छे कर्म करना न छोड़ें

शनिदेव को न्यायधीश कहा जाता है। शनिदेव कर्मों के आधार पर किसी को भी दंड देते हैं। इस कारण से कभी भी अच्छे कर्म करना न छोड़ें। अच्छे कर्मों का फल आपको मिलता ही है। माता लक्ष्मी भी ईमानदार और सच्चाई के साथ खड़े लोगों के घर स्थायी रूप से निवास करती हैं। साथ ही शनि प्रकोप अच्छे कर्म करने वाले लोगों पर ज्यादा समय तक नहीं रहता।

भगवान विष्णु की आराधना जरूर करें

शनिदेव भगवान विष्णु के अवतार भगवान कृष्ण के भक्त हैं। शनिदेव की कृपा कृष्ण जी के भक्तों पर हमेशा बनी रहती है। वहीं, माता लक्ष्मी भी उसी जगह पर निवास करती हैं, जहां पर भगवान विष्णु को पूजा जाता है। इस वजह से अगर आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है, तो आपको भगवान विष्णु पूजा नियमित रूप से करनी चाहिए, तभी माता लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहेगी।

शनिवार को पीपल के नीचे दीया जलाकर श्रीफल मंदिर में चढ़ाएं

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए शनिवार की शाम पीपल के नीचे घी दीया जरूर जलाएं। पीपल में कई देवी-देवताओं का वास होता है। स्कंद पुराण के

अनुसार, पीपल के मूल में भगवान विष्णु का निवास होता है। इस कारण से माता लक्ष्मी की कृपा पाने के साथ शनिदेव का प्रकोप भी इस उपाय से शांत होता है। इसके साथ ही भगवान विष्णु और लक्ष्मी मंदिर में जाकर श्रीफल यानी नारियल भी जरूर चढ़ाएं।

पीपल की जड़ में ये चीजें डालें

माता लक्ष्मी की कृपा से घर में सुख और समृद्धि लाने के लिए एक और आसान उपाय है। पीपल के पेड़ की छाया में खड़े होकर लोहे के बर्तन का इस्तेमाल करें। बर्तन में पानी, चीनी, घी और दूध मिलाएं। फिर इसे पीपल के पेड़ की जड़ में डालें। ऐसा करने से घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और लक्ष्मी जी का वास बना रहता है।

कैसे बना सुदर्शन चक्र? जानिए भगवान कृष्ण के दिव्य अस्त्र की कहानी

भगवान कृष्ण का सुदर्शन चक्र एक ऐसा दिव्य अस्त्र है, जिसका नाम से बड़े से बड़े असुरों के दिल में भय आ जाता है। यह चक्र भगवान कृष्ण के सबसे शक्तिशाली अस्त्रों में से एक माना जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस दिव्य अस्त्र को सुदर्शन चक्र नाम कैसे मिला और इसकी उत्पत्ति की कहानी क्या है?

सुदर्शन चक्र कैसे बना?

प्रचलित पौराणिक कथाओं के अनुसार, सुदर्शन चक्र का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने किया था। इसकी उत्पत्ति के पीछे एक रोचक कहानी छिपी हुई है। एक समय में जब ऋषि दधीचि ने देवताओं की रक्षा के लिए अपनी अस्थियां दान कर दी थीं। इन्हीं अस्थियों से भगवान विश्वकर्मा ने तीन दिव्य अस्त्रों का निर्माण किया था। पहला भगवान शिव के लिए त्रिशूल, दूसरा इंद्र देव के लिए वज्र और तीसरा भगवान विष्णु के लिए सुदर्शन चक्र।

सुदर्शन चक्र को विशेष रूप से भगवान विष्णु के लिए बनाया गया था, ताकि वे अन्याय और बुराई का अंत कर सकें। यह अस्त्र बहुत शक्तिशाली था, जिसकी गति मन की गति से भी तेज मानी जाती थी। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक बार छोड़े जाने के बाद अपने लक्ष्य को पूरा करके वापस लौटता था।

सुदर्शन शब्द का मतलब

अब बात करते हैं इसके नाम की। सुदर्शन शब्द दो संस्कृत शब्दों से मिलकर बना है। 'सु' का अर्थ है अच्छा या शुभ और 'दर्शन' का मतलब है देखना। इस तरह 'सुदर्शन' का पूरा मतलब इस प्रकार है - जो अच्छी तरह से देखता है' या जिसका दर्शन शुभ हो।

कई महत्वपूर्ण समय पर किया था इसका उपयोग

भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र का उपयोग कई महत्वपूर्ण समय पर किया था। जैसे - महाभारत के युद्ध में उन्होंने भीष्म पितामह को शरशय्या पर लेटाने में अर्जुन की सहायता की थी। इसके अलावा शिशुपाल का वध करने और अन्य समय में इस दिव्य अस्त्र का उपयोग किया था।

शक्तिशाली अस्त्र

सुदर्शन चक्र न केवल एक शक्तिशाली अस्त्र है, बल्कि यह ब्रह्मांडीय व्यवस्था और धर्म की रक्षा का भी प्रतीक है। भगवान कृष्ण के हाथों में यह दिव्य अस्त्र अन्याय के खिलाफ लड़ने और धर्म की स्थापना करने की उनकी प्रतिज्ञा का प्रतीक है।

घर की छत पर ये वस्तूएं रखने से मिलता है फायदा!

वास्तु शास्त्र में घर से लेकर ऑफिस तक से संबंधित वास्तु नियम बताए गए हैं, जिनकी अनदेखी करने पर व्यक्ति को कई तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ता है।

रखें ये चीजें

त्रिशूल भगवान शिव के अस्त्र समेत कई देवी-देवताओं का भी अस्त्र है। वास्तु के अनुसार अगर आप अपने घर की छत पर त्रिशूल लगाते हैं, तो इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। आप इसे छत की उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित कर सकते हैं, जिससे आपको अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे।

लगाएं ये पेड़-पौधे

अगर आप अपने घर की छत पर वास्तु के अनुसार, पेड़-पौधे लगाते हैं, तो इससे आपको विशेष लाभ देखने को मिल सकता है। आप छत पर तुलसी, गेंदा आदि जैसे छोटे पेड़-पौधे उत्तर दिशा में लगा सकते हैं। इसी के साथ उत्तर दिशा में नीले रंग के फूल वाले पौधे लगाना भी शुभ माना जाता है।

वहीं बड़े पेड़-पौधों को लगाने के लिए दक्षिण या फिर पश्चिम दिशा शुभ मानी जाती है। वास्तु के अनुसार, आपको पश्चिम दिशा में सफेद रंग के फूल वाले पौधे जैसे चांदनी, चमेली और मोगरा आदि लगाने से काफी लाभ मिल सकता है।

न रखें ये चीजें

कई लोग घर की छतों पर जंग लगा हुआ सामना या फिर खराब पड़ा फर्नीचर जैसे टूटी हुई कुर्सी, पलंग, टेबल आदि रख देते हैं। लेकिन वास्तु की दृष्टि से ऐसा करना बिल्कुल भी सही नहीं माना गया। कई लोग अपनी छत पर पेड़-पौधे भी लगाते हैं, लेकिन इस बात का खासतौर से ध्यान रखें कि आपकी छत पर सूखे पेड़-पौधे नहीं होने चाहिए। वास्तु के अनुसार, घर की छत पर ये सभी चीजें रखने से नकारात्मकता का प्रभाव बढ़ सकता है।

नाना पाटेकर ने की किसान परिवारों की मदद

विधवाओं के सिर पर दी छत

एक ऐसे एक्टर के बारे में बता रहे हैं, जो फिल्मी दुनिया के स्टारडम में खोने के बजाय अपनी चमक से किसानों की जिंदगी को रोशन कर रहे हैं। यह हैं नाना पाटेकर, जिन्होंने बहुत से किसानों की आत्महत्या को रोकने में अहम भूमिका निभाई है। और तो और उन्होंने उन किसानों की विधवाओं की भी आर्थिक मदद की है, जिन्होंने पैसों की तंगी और फसल बर्बाद होने के कारण जान दे दी। नाना पाटेकर को किसानों का मसीहा कहा जाता है। जब भी किसानों की आत्महत्या की बात होती है, तो सबसे पहले नाम महाराष्ट्र का आता है। किसानों की आत्महत्या के मामले में यह राज्य अव्वल रहा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2022 में देश में कृषि क्षेत्र से जुड़े 11,290 लोगों ने आत्महत्या की। इनमें 5,207 किसान और 6,083 खेतिहर मजदूर थे। किसानों की दयनीय स्थिति देख नाना पाटेकर ने उनकी मदद के लिए मराठी कलाकार मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर नाम फाउंडेशन की शुरुआत की।

यही नहीं, अपने इस एनजीओ के तहत नाना पाटेकर ने लगभग 100 किसान परिवारों को 15-15 हजार रुपये के चेक बांटे थे। कहते हैं कि दुनिया में जब तक इंसान जिंदा है, तब तक इंसानियत भी जिंदा है। और यह नाना पाटेकर और मराठवाड़ के रहने वाले उनके दोस्त और एक्टक मकरंद अनासपुरे ने साबित कर दिया। साल 2015 में जब महाराष्ट्र के मराठवाड़ और लातूर घोर सूखे की ग्रस्त में था, तो हर किसान की उम्मीद टूट चुकी थी और दिल जख्मी थे।

किसान आत्महत्या करने को मजबूर थे। कई किसानों ने तब मौत को गले लगाना सबसे आसान रास्ता समझा था। यह देख नाना पाटेकर का दिल छलनी हो गया। उन्होंने अपनी गाड़ी खरीदने के लिए डेढ़ करोड़ रुपये रखे हुए थे। उन्होंने मकरंद के साथ मिलकर वो रकम 15-15 हजार रुपये करके मराठवाड़, लातूर और विदर्भ के किसानों में बांट दी। वहां नाना पाटेकर ने सरकार से भी पहले आर्थिक मदद पहुंचाई थी। नाना पाटेकर ने जब किसानों की हालत करीब से देखी तो फैसला कर लिया कि उनके लिए कुछ करना है क्योंकि ये यहीं नहीं रुकने वाला है। तब उन्होंने नाम फाउंडेशन की शुरुआत की। और जब नाना पाटेकर किसानों को सहारा देने के लिए खड़े हुए, तो सैंकड़ों लोग भी एक्टर की मदद को खड़े हो गए। नाना पाटेकर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जैसे ही उनके एनजीओ की शुरुआत हुई, तो लोगों ने दो महीने के अंदर ही 60 करोड़ रुपये दिए थे।अब आलम यह कि नाना पाटेकर मराठवाड़ और विदर्भ में ही अपना वीकेंड बिताते हैं।

उन्होंने किसानों की मदद को अपनी जिंदगी का मिशन बना लिया है। नाना पाटेकर खुद एक गरीब परिवार से आते हैं और खूब स्ट्रगल झेला था। वह कभी जेब्रा क्रॉसिंग पेंट करके पेट भरते थे, और 13 साल की उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था। घर के हालात ऐसे थे कि नाना पाटेकर एक बार खाना खाकर गुजारा करते थे। यही वजह है कि नाना पाटेकर किसानों की तकलीफ, उनके दर्द को गहराई से समझते और महसूस करते हैं। नाना पाटेकर की वजह से महाराष्ट्र की 2,641 से अधिक किसानों की विधवाओं को आर्थिक मदद मिल चुकी है।यही नहीं, नाना पाटेकर ने अपने एनजीओ के जरिए औरंगाबाद, पुणे, सोलापुर, जलना, बीड़, लातूर और अहमदनगर में विधवाओं के लिए घर भी बनवाए हैं। 'नाम' फाउंडेशन ने साल 2020 में दावा किया था कि किसानों की विधवाओं को लगभग 1270 सिलाई मशीनें, 600 बकरियां, 10 आटा चक्कियां और तीन नूडल मशीनें दी जा चुकी हैं।

मनी ट्री रियलटी के मुताबिक, नाना पाटेकर की नेट वर्थ अभी 80 करोड़ रुपये है और काफी संपत्ति है। लेकिन इसके बावजूद वह बहुत ही सिंपल लाइफ जीते हैं। नाना पाटेकर के पास एक शानदार फॉर्महाउस है, जो पुणे के नजदीक खड़कवासला में स्थित है, और 25 एकड़ में फैला हुआ है। यहां नाना पाटेकर धान, गेहूं और चने की खेती करते हैं। उनके फार्महाउस में फिल्म 'एक : द पावर ऑफ वन' की शूटिंग भी हो चुकी है।

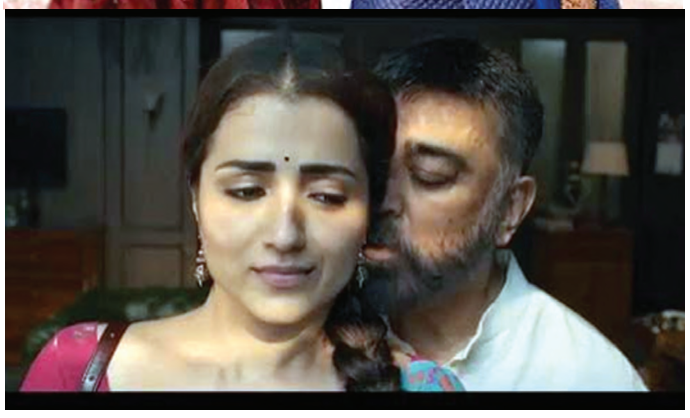

कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ का ट्रेलर रिलीज

70 की उम्र में करते दिखे धुंआधार एक्शन

साउथ एक्टर कमल हासन की मच अवेटेड फिल्म ठग लाइफ का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। 2 मिनट के इस ट्रेलर में दिग्गज अभिनेता का दमदार एक्शन फैंस का ध्यान खींच रहा है। ट्रेलर में इमोशन्स, ड्रामा और धुंआधार एक्शन देखने को मिल रहा है।मनिरत्नम की फिल्म ठग लाइफ के ट्रेलर में सबसे पहले कमल हासन को दिखाया जाता है।

राजधानी दिल्ली के बैकग्राउंड में कहानी को दिखाया जा रहा है। ट्रेलर में सबसे पहले एक बच्चे से कमल हासन कहते हैं- जान तूने ही बचाई है मेरी, यमराज के चंगुल से बाहर निकाल लाया है मुझे।इसके बाद वो बच्चे से कहते हैं कि अब से तू और मैं आखिरी तक एक साथ रहेंगे। इसके बाद दिखाया गया है कि वो बच्चा जिसका नाम अमर है, अब बड़ा हो चुका है और कमल हासन के साथ उसका बॉन्ड और रिश्ता ही पूरी फिल्म की नींव के तौर पर नजर आ रहा है। हालांकि आगे जाकर यही रिश्ता फिल्म की कहानी में बदलाव लेकर आएगा।फिल्म में कमल हासन के अलावा तृषा कृष्णनन, सिलाम्बरासन, नस्सर, ऐश्वर्या लक्ष्मी, महेश मांजरेकर और अली फजल जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म किंग में शाहरुख खान के साथ फिर नजर आएंगी रानी मुखर्जी

पठान की ज़बरदस्त सफलता के बाद, शाहरुख खान और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद एक बार फिर साथ आ रहे हैं एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'किंग' के लिए। रेड चिलीज़ और मार्फ्लिक्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में शानदार कलाकारों की टोली नजर आएगी, जिसमें शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं। फिल्म में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में होंगे, जबकि अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, सुहाना खान, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत और अभय वर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

अब एक नई जानकारी सामने आई है कि फिल्म के कलाकारों की फेहरिस्त और भी बड़ी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, रानी मुखर्जी भी फिल्म 'किंग' का हिस्सा बन गई हैं। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, रानी मुखर्जी फिल्म में एक महत्वपूर्ण विस्तारित कैमियो रोल में दिखाई देंगी, जिसमें वो शाहरुख खान के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। एक सूत्र के हवाले से बताया गया, रानी मुखर्जी और शाहरुख खान इससे पहले 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी ग़म', 'चलते चलते' और 'कभी अलविदा न कहना' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अब दोनों एक बार फिर साथ में नजर आएंगे। रानी फिल्म में सुहाना खान की मां का किरदार निभा रही हैं, जो फिल्म की कहानी में एक अहम मोड़ लाती हैं और पूरी थ्रिलर की नींव बनती हैं।

सूत्र ने यह भी बताया कि रानी का रोल एक विस्तारित कैमियो है, जिसकी शूटिंग केवल पांच दिनों में पूरी की जाएगी। शाहरुख और सिद्धार्थ आनंद के इस ऑफर को रानी ने तुरंत स्वीकार कर लिया। स्क्रिप्ट सुनते ही उन्होंने हामी भर दी। रानी का किरदार फिल्म की भावनात्मक गहराई को मजबूत करता है और पूरी कहानी में एक खास जुड़ाव लेकर आता है। निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग 20 मई से मुंबई में शुरू होगी, जिसके बाद एक इंटरनेशनल शेड्यूल यूरोप में प्लान किया गया है। 'किंग' के 2026 के अक्टूबर से दिसंबर के बीच बड़े पर्दे पर रिलीज होने की संभावना है। फिल्म में शाहरुख खान एक कातिल (असैसिन) की भूमिका निभा रहे हैं, जिनका आमना-सामना अभिषेक बच्चन से होगा।

रणबीर कपूर की रामायण से जुड़ीं काजल अग्रवाल

निभाएंगी ये अहम किरदार

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण की पिछले लंबे समय से चर्चा हो रही है। जब से रणबीर कपूर की इस फिल्म का ऐलान हुआ है, प्रशंसकों का उत्साह सातवें आसमान पर है।फिल्म में रणबीर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी को माता सीता के किरदार के लिए चुना गया है।सुपरस्टार यश फिल्म में रावण की भूमिका में दिखाई देंगे।अब रामायण में अभिनेत्री काजल अग्रवाल की एंट्री हो चुकी है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अब काजल फिल्म रामायण की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं। वह फिल्म में रावण (यश) की पत्नी मंदोदरी की भूमिका में नजर आएंगी।फिल्म की शूटिंग लगभग खत्म होने वाली है। यह पहला मौका पर जब यश और काजल एक साथ स्क्रीन साझा करेंगे।इससे पहले खबर आई थी कि मंदोदरी की भूमिका के लिए अभिनेत्री साक्षी तंवर से बातचीत चल रही है। हालांकि, उन्होंने खुद इन अफवाहों का

खंडन किया।लक्ष्मण के किरदार के लिए पहले ही रवि दुबे के नाम पर मुहर लग चुकी है। विभीषण की भूमिका के लिए विजय सेतुपति से संपर्क किया गया है।सनी देओल भगवान हनुमान बने नजर आ सकते हैं। इसके अलावा रकुल प्रीत सिंह फिल्म में शूर्पणखा की भूमिका में दिखाई देंगी।रामायण का पहला भाग दिवाली, 2026 में रिलीज किया जाएगा, वहीं फिल्म का दूसरा भाग ठीक एक बाद यानी 2027 में दिवाली के मौके पर ही दर्शकों के बीच आएगा।

हर उस दिल की धड़कन के साथ हूं, जो हमारे देश के लिए धड़कती है: करिश्मा तन्ना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ा हुआ है। भारतीय सेना पाकिस्तान की हरकतों का करारा जवाब दे रही है। पूरा देश सेना के साथ खड़ा है। बॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी खुलकर सरहद पर देश की रक्षा करने वालों का हौसला बढ़ा रहे हैं। इस कड़ी मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने भारतीय सैनिकों को सलाम करते हुए कहा कि वह हम आपकी वजह से सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।करिश्मा तन्ना ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा , जय हिंद, जय भारत.. इस समय, जो हम अपना जीवन सुख से जी रहे हैं। इसके पीछे हमारी सीमाओं पर खड़े बहादुर सैनिक हैं, जो अपना सब कुछ दांव पर लगाकर हमें सुरक्षित महसूस करा रहे हैं। हर सैनिक, हर अधिकारी, हर परिवार.. जो चुपचाप डटे हुए हैं, उनके प्रियजन हमारे देश के लिए लड़ रहे हैं, उनके लिए धन्यवाद कहना बहुत छोटा लगता है। मैं भारत के साथ खड़ी हूं। हर जवान के साथ। हर उस दिल की धड़कन के साथ, जो हमारे देश के लिए धड़कती है। आपकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हूं। ... करती हूं। भारत आपके कारण है। जयहिंद, जय भारतीय सेना ... बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने भी भारतीय सशस्त्र बलों ... आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के पोस्ट ... प्रिय भारतीय सेना, इन मुश्किल परिस्थितियों में मैं आप ... आपके अटूट साहस, बलिदान और समर्पण के लिए ... धन्यवाद देना चाहती हूं। भारत की सुरक्षा व संप्रभुता सुनि... करने के लिए आपकी लगातार की जा रही कोशिशें नजरअंदाज नहीं की जा सकती। देश मुश्किल हालातों से गुजर रहा है ... ऐसे समय में भारतीय सैनिकों की हिम्मत और समर्पण आम लोगों को प्रेरणा और सकारात्मक उम्मीद दे रही है। गर्व और सम्मान के साथ भारत की रक्षा करने और मजबूती से खड़े रहने के लिए आपका धन्यवाद। हम भारत और सशस्त्र बलों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं! हमारे असली हीरो! जय हिंद!वहीं एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय ने इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पोस्ट शेयर किया था। पोस्ट पर लिखा था, जब किसी महिला के सामने उसके पति को मार दिया जाता है, तो पूरा देश केवल शोक नहीं करता, बल्कि ... जाग उठता है। आज ये दोनों महिला अधिकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी केवल फौजी अफसर की तरह नहीं बोलीं, बल्कि वे प्रतीक बन गईं उन हर महिला की, जिन्होंने अपने दुःख को शक्ति में बदला, उन हर माता... जिन्होंने अपने बच्चों को राष्ट्र सेवा के लिए भेजा।

ऑपरेशन सिंदूर बदला नहीं है, यह एक चेतावनी है: जब ... पर चोट की जाती है, तो दुर्गा उठ खड़ी होती है। इस बार, ... देने नहीं, बल्कि बदला लेने के लिए आ रही है।भारतीय सेना के ... और उसके बाद की कार्रवाई को लेकर कई सितारे अपनी प्र... हैं।बता दें कि अब भारत और पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर का ऐलान कर दिया गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। हालांकि आपका साथी समझदारी दिखाते हुए आपको शांत कर देगा। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है।पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैव–ाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आस–पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे,दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। नौकरी बदलना मददगार साबित होगा। आप अपनी वर्तमान नौकरी को छोड़कर किसी नए क्षेत्र जैसे कि मार्केटिंग वग़ैरह में जा सकते हैं, जो आपके लिए बढ़िया रहेगा। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे– लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल–कूद को शामिल किया जाना चाहिए। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं– लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा और दिमाग़ी बोझ से छुटकारा मिलेगा। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता । आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें या आपका बटुआ खो भी सकता है– ऐसे मामलों में सावधानी की कमी आपको नुक़सान पहुँचा सकती है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोले । मीटिंग में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। प्यार–मोहब्बत के मामले में दबाव बनाने की कोशिश न करें। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज रात को जी–वनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 मई 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रातः 06:14 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 07:30 तक
योग : शुक्ल प्रातः 05:51 तक
करण : वणिज प्रातः 06:14 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– भद्रा प्रातः 06:14 से सायं 06:09 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात

अपनी पुस्तक 'जनता की कहानी मेरी आत्मकथा' की प्रति भेंट की

चंडीगढ़, 18 मई (एजेंसियां)।
हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति को अपनी हाल ही में लॉन्च की गई पुस्तक जनता की कहानी मेरी आत्मकथा की प्रति भेंट की। राज्यपाल ने कहा कि यह बहुत खुशी और सम्मान का क्षण था क्योंकि राष्ट्रपति ने पुस्तक के कुछ पन्नों को विनम्रतापूर्वक पढ़ा और आत्मकथा में शामिल विषयों पर अपने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की, जो मेरे सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र के प्रति सेवा का वर्णन करती है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हरियाणा में चल रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में विशेष रुचि थी। राज्यपाल दत्तात्रेय ने उन्हें राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और महिला सशक्तिकरण सहित प्रमुख क्षेत्रों में किए जा रहे विकास के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने राष्ट्रपति को हरियाणा में अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन के बारे में भी अवगत कराया। राष्ट्रपति ने हरियाणा में लड़कियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों, विशेष रूप से खेल क्षेत्र के बारे में, जानकर प्रसन्नता व्यक्त की और राज्य की प्रगति में उनके बढ़ते योगदान की सराहना की।

राष्ट्रपति ने राज्यपाल दत्तात्रेय की सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने में राज्य द्वारा अपनाए गए बहुआयामी दृष्टिकोण की सराहना की।

आमजन को समय पर मिले राहत, सरकार पर उनका भरोसा हो और मजबूत : भजनलाल

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता के समग्र कल्याण के लिए समर्पण भाव से कार्य कर रही है। हम राज्य की चहुंमुखी प्रगति के लिए जनकल्याणकारी विकास योजनाओं का निर्बाध संचालन सुनिश्चित कर रहे हैं। इनमें विधिक कारणों से किसी प्रकार की रूकावट ना आए इसके लिए राज्य सरकार द्वारा न्यायालयों में लंबित मामलों में प्रभावी रूप से पक्ष रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन को समय पर राहत मिले और सरकार पर उनका भरोसा और अधिक मजबूत हो इसके लिए सभी अधिकारीगण अपने कर्तव्यों का जिम्मेद–ारीपूर्ण निर्वहन करें। शर्मा ने कहा कि विधिक कार्यों में राज्य सरकार की ओर से संसाधनों की किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर न्यायालयों में लंबित विभिन्न विभागों से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन का हित ही हमारी प्रमुख प्राथमिकता है। इसलिए जनकल्याण से जुड़े प्रकरणों की न्यायालयों में प्राथमिकता से पैरवी की जाए। ऐसे महत्वपूर्ण प्रकरणों में राज्य सरकार की तरफ से प्रभावी ढंग से पक्ष रखने के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता स्तर पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं को नियुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में उच्चस्थ अदालतों में अपील की आवश्यकता हो उनमें राज्य सरकार की ओर से समय पर अपील की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में विभाग की तरफ से नियुक्त अधिकारीगण प्रकरणों की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करें। ये अधिकारी न्यायालय में पैरवी के लिए राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिवक्ता के साथ निरंतर संपर्क में रहते हुए उन्हें आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध करवाएं जिससे इन प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण हो सके। उन्होंने विभागों के शासन सचिवों को निर्देश दिए कि इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चाधिकारी स्वयं भी नियमित रूप से अधिवक्ताओं के साथ चर्चा कर प्रकरण से संबंधित विभिन्न पहलूओं से उन्हें अवगत कराएं।

शर्मा ने कहा कि न्यायालय में विचार–ाधीन ऐसे मामले जो एक से अधिक विभागों से संबंधित हैं उनके लिए संबंधित विभाग आपसी सहयोग एवं निरंतर समन्वय के साथ विधिक कार्यवाही करें। इसके लिए सक्षम स्तर पर नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए जो इन विभागों और राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिवक्ता के साथ आपसी समन्वय बनाकर कार्य को गति दें। श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय स्तर पर भी समन्वय हेतु अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोर्ट केसेज की पेंडेंसी कम करने के लिए समयबद्ध लक्ष्य तय कर कार्यवाही की जाए। विभाग पेंडिंग केसेज को प्राथमिकता के आधार पर श्रेणीवार विभाजित करें और और अधिक महत्वपूर्ण मामलों में त्वरित कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों में भी विभागीय अधिकारी संबंधित अधिवक्ताओं के साथ वीसी के माध्यम से नियमित बैठक कर चर्चा करें और उन्हें पूरा सहयोग करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना सरकार का लक्ष्य है।

भजनलाल ने नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

बीकानेर, 18 मई (एजेंसियां)।
धानमंत्री नरेंद्र मोदी की 22 मई की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को पलाना में कार्यक्रम स्थल पर प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लेते हुए दिशा–निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कार्यक्रम से जुड़ी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और गर्मी के मौसम के मद्देनजर सभी व्यवस्थाएं चाक–चौबंद रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर आमजन के प्रवेश, निकास, बैठक, पेयजल सहित सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। साथ ही, मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर भूमि पूजन भी किया। प्रधानमंत्री करेंगे 103 रेलवे स्टेशनों के सुदृढ़ीकरण कार्यों का लोकार्पणउल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने यात्री सुविधाओं के दृष्टिगत रेलवे स्टेशनों के सुदृढ़ीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बीकानेर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान मोदी देश के 103 स्थान पर रेलवे स्टेशनों का सुदृढ़ीकरण कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

सीएम भजनलाल ने थड़ी पर लिया चाय का स्वाद

बीकानेर, 18 मई (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार देर शाम बीकानेर में डूंगर कॉलेज के निकट स्थित थड़ी पर चाय का स्वाद लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री की सादगी देखकर लोग अभिभूत हो गए। शर्मा ने आम आदमी की तरह कुल्हड़ चाय पी और आमजन के साथ आत्मीयता से बात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बेटियों को आशीर्वाद दिया। साथ ही, शर्मा ने बेटियों को पढ़ने की सीख दी और चॉकलेट भी भेंट की।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशवासियों में उत्साह

तिरंगा यात्रा सेना के प्रति सम्मान व्यक्त करने का तरीका : शेखावत

जोधपुर, 18 मई (एजेंसियां)।
केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशभर में आयोजित की जा रही तिरंगा यात्रा को सेना के सम्मान में पूरा देश की एकजुटता करार दिया। रविवार को केंद्रीय मंत्री जोधपुर पहुंचे। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पहलगाम की भयावह घटना के बाद प्रधानमंत्री मोदी का संदेश स्पष्ट था कि आतंकवाद के इस क्रूर कृत्य के पीछे हर आतंकी को अकल्पनीय सजा मिलेगी। इसके बाद, वीर भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जिसने भारत के 140 करोड़ लोगों को सेना के प्रति अपार गर्व और सम्मान से भर दिया। सभी जातियों, भाषाओं, वर्गों, क्षेत्रों और राजनीतिक मान्यताओं के

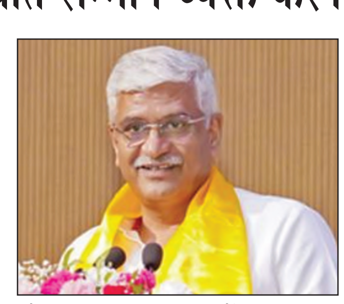

लोग भारतीय सशस्त्र बलों का सम्मान करने के लिए एक साथ आए हैं।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने जिस तरीके से भारत की सीमाओं पर हमला करने का प्रयास किया और जिस तरीके से भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया, उसके बाद पाकिस्तान को भारत के सामने घुटने टेकने पड़े। पाकिस्तान ने सीजफायर की मांग की। सीजफायर के लिए डीजीएमओ से संपर्क किया। इन सभी घटनाक्रम के बाद जो भारत को 2014 से पहले की तरह कमजोर समझ रहे थे, उन्हें अब भारतीय सैन्य शक्ति का आभास हो गया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद 140 करोड़ लोग भारी उत्साह के साथ लबरेज हैं। इसी के तहत देशभर में तिरंगा यात्रा का आगाज हो रहा है। तिरंगा यात्रा में शामिल होकर लोग अपनी ओर से सेना के प्रति सम्मान व्यक्त कर रहे हैं। जोधपुर में तिरंगा यात्रा आयोजित की जा रही है। मुझे विश्वास है कि यह तिरंगा यात्रा ऐतिहासिक होगी। गजेंद्र सिंह शेखावत ने पीएम मोदी के राजस्थान दौरे पर कहा कि पीएम मोदी का यह दौरा सिर्फ राजस्थान के लिए नहीं बल्कि पूरे देश को संदेश देने का काम करेगा।

परीक्षा के पूर्व विद्यार्थियों से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चर्चा भावी पीढ़ी को भी मार्गदर्शित करती है : राठौड़

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)।
कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सीबीएसई कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर उत्तीर्ण हुए एग्जाम वॉरियर्स मेधावी विद्यार्थियों से मुलाकात कर उन्हें प्रशंसा पत्र प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि हमारे युवा साथी देश का स्वर्णिम भविष्य हैं। इनकी मेहनत, समर्पण और सफलता अन्य छात्र–छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, परीक्षा के पूर्व विद्यार्थियों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा चर्चा वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी को भी मार्गदर्शित करती है।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार

और नवाचार को बढ़ावा मिला है। विशेष रूप से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने विद्यार्थियों को उनकी रुचि और कौशल के अनुसार आगे बढ़ने के लिए सशक्त मंच प्रदान किया है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि छएझ हमारे शिक्षा तंत्र को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप बना रही है, जिसमें छात्रों की रचनात्मकता, नवाचार और कौशल विकास को प्राथमिकता दी गई है। जो कि छात्रों को सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन के लिए आवश्यक कौशल भी प्रदान कर रही है।

मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकवाद को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध : बड़ौली

चंडीगढ़, 18 मई (एजेंसियां)।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के पराक्रम और पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ पीएम मोदी के नेतृत्व में नए और आत्मनिर्भर भारत की प्रतिज्ञा है। ये बातें बड़ौली ने शनिवार को गोहाना में तिरंगा यात्रा के दौरान कही। इस मौके पर उनके साथ मंत्री अरविंद शर्मा, भाजपा गोहाना जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, भाजपा के कार्यकर्ता, युवा, महिलाएं और बड़ी संख्या में क्षेत्र के सामाजिक व धार्मिक संगठन के लोग शामिल हुए।

तिरंगा यात्रा के दौरान हाथों में तिरंगा लेकर लोगों ने देश के प्रति अपने प्रेम और समर्पण का प्रदर्शन किया और भारत माता की जय, भारतीय सेना जिंदाबाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए। यात्रा में लगाए गए भारत माता के जयकारों से गोहाना गूंज उठा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय सेना द्वारा हाल ही में सफलतापूर्वक संपन्न ऑपरेशन सिंदूर की गौरवगाथा को जनमानस तक पहुंचाने और वीर सैनिकों के शौर्य को नमन करने के उद्देश्य से तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही है।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के संपर्क में थी ज्योति मल्होत्रा : शशांक कुमार

वित्तीय विवरणों की हो रही जांच

हिसार, 18 मई (एजेंसियां)।
हरियाणा के हिसार की 33 वर्षीय यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा को कथित तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के लिए जासूसी करने और संवेदनशील जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हिसार पुलिस ने 17 मई को उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

हिसार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शशांक कुमार सावन ने रविवार को मीडिया को बताया कि आधुनिक युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंट सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोगों को भर्ती कर अपने प्रचार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्रीय एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर ज्योति को न्यू अग्रसेन कॉलोनी, हिसार से गिरफ्तार किया गया। ज्योति कई बार पाकिस्तान और एक बार चीन की यात्रा कर चुकी थी। वह पाकिस्तानी ऑपरेटिव के संपर्क में थी।

पुलिस के अनुसार, ज्योति का यूट्यूब चैनल ट्रैवल विद जो 3.77 लाख सब्सक्राइबर्स के साथ लोकप्रिय है, और इंस्टाग्राम पर उसके 1.31 लाख फॉलोअर्स हैं। जांच में पता चला कि उसने 2023 में कमीशन एजेंटों के माध्यम से वीजा प्राप्त कर पाकिस्तान की यात्रा की थी। वहां उसकी मुलाकात पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी एहसान–उर–रहीम उर्फ दानिश से हुई, जिसे हाल ही में भारत से निष्कासित किया गया है। एसपी सावन ने स्पष्ट किया कि अभी तक ज्योति के पास महत्वपूर्ण सैन्य या रक्षा जानकारी तक सीधी पहुंच का कोई सबूत नहीं मिला है। हालांकि, हिसार एक रणनीतिक स्थान है, और छोटी–छोटी जानकारियां भी दुश्मन देश के लिए महत्वपूर्ण हो सकती हैं। पुलिस ज्योति के वित्तीय लेनदेन, सोशल मीडिया खातों और वीडियो सामग्री की गहन जांच कर रही है। साइबर विशेषज्ञों की एक टीम उसके वीडियो का विश्लेषण कर रही है ताकि महत्वपूर्ण सुराग मिल सकें।जांच में यह भी सामने आया कि ज्योति ने सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान की सकारात्मक छवि पेश करने और भारत के खिलाफ प्रचार को बढ़ावा देने की कोशिश की।

प्रदीप शेखावत को हरियाणा के मुख्य सूचना आयुक्त का कार्यभार दिया

चडीगढ़, 18 मई (एजेंसियां)।
राजस्थान के वरिष्ठ पत्रकार एवं वर्तमान में हरियाणा के राज्य सूचना आयुक्त प्रदीप शेखावत को हरियाणा सरकार ने राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर 16 मई को देर रात राज्य के मुख्य सचिव की ओर से यह आदेश जारी किए गए। इसके साथ ही उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया। शेखावत मूलतः झुंझुनू जिले के टांई ग्राम के निवासी हैं और वे पत्रकारिता के माध्यम से करीब 34 वर्ष तक राजस्थान में सक्रिय रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मार्च माह से हरियाणा राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त का पद रिक्त था। वरिष्ठतम सूचना आयुक्त होने के कारण प्रदीप शेखावत को यह कार्यभार दिया गया है। शेखावत की आयोग में सकारात्मक कार्यशैली और प्रकरणों के तीव्र निष्पादन की छवि है। वे राज्य में अब तक तीन हजार से अधिक प्रकरणों का निस्तारण कर चुके हैं। वहीं सैकड़ों प्रकरणों में उन्होंने सूचना आवेदकों को मुवावजा राशि दिलवाई है। उन्होंने अनेक प्रकरणों में राज्य लोक सूचना अधिकारियों पर 25 हज़ार रुपये का जुर्माना किया है। शेखावत के पास अभी आयोग में कुल 38 महत्वपूर्ण विभागों का दायित्व है तथा आयोग में कुछ पद रिक्त होने से इनके पास विभागों की संख्या भी तुलनात्मक रूप से अधिक है।

सीएम नीतीश के गांव में रोक पर भड़के प्रशांत किशोर

लोकतंत्र में गांव जाना अपराध नहीं

पटना (एजेंसियां)।

राजनीतिक रणनीतिकार से जनसेवक बने प्रशांत किशोर आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पैतृक गांव जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें रास्ते में पुलिस ने रोक दिया। प्रशांत किशोर अपनी टीम के साथ गांव के दलित परिवारों से मिलने जा रहे थे। उनका कहना है कि इन परिवारों को सरकार की योजनाओं का फायदा नहीं मिल रहा है। जब पुलिस ने उन्हें रोका, तो प्रशांत किशोर ने कहा, 'आप यहीं रुकिए, हमारे आगे चार लोग जा रहे हैं।

हमें जानकारी है कि यहां धारा 144 लागू नहीं है। यह लोकतांत्रिक देश है। किसी गांव में जाने और लोगों से मिलने पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए।' उन्होंने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, 'अगर सरकार को अपने ही गांव में लोगों से मिलने देने में डर लग रहा है, तो फिर पूरे बिहार के 40,000 गांवों को बंद कर देना चाहिए।

प्रशांत किशोर का मकसद यह था कि वह सरकार की योजनाओं की असली स्थिति को समझें। उन्होंने कहा कि बिहार में करीब 94 लाख गरीब परिवार हैं, जिन्हें इन योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम बस यह देखना चाहते हैं कि अगर नीतीश जी के गांव में किसी को योजना का फायदा मिला है, तो उनसे मिलें और बात करें।' प्रशांत किशोर ने 2008 में नीतीश कुमार की उस घोषणा का भी जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि सभी दलित और महादलित परिवारों को तीन लाख रुपये की जमीन दी जाएगी। किशोर ग्रामीणों से यह जानना चाहते थे कि क्या उन्हें वाकई इस योजना का फायदा मिला है या नहीं।

प्रशांत किशोर ने जमीन के सर्वे और कागज़ों के काम में हो रहे भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, 'हम कल्याणबीघा गांव में जाकर लोगों से बस यह पूछना चाहते हैं कि जमीन के कागज़ बनवाने, रसीद कटवाने और दाखिल-खारिज करवाने में अधिकारी या नेता आपसे पैसे मांगते हैं या नहीं?' उन्होंने यह भी साफ किया कि वह कोई धरना या सभा नहीं कर रहे हैं, सिर्फ गांव वालों से मिलकर बातचीत करना चाहते हैं।

प्रशांत किशोर ने अपने बयान में कहा, 'हम तो सिर्फ लोगों से सवाल पूछना चाहते हैं। अगर सवाल पूछने से भी रोका जा रहा है, तो इसका मतलब है कि सरकार डर रही है।' फिलहाल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गांव में भारी पुलिस बल तैनात है। हर रास्ते पर पुलिस मौजूद है और गांव में आने-जाने वाले हर व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। यहां तक कि गांव के अपने लोगों को भी पूछताछ के बाद ही अंदर जाने दिया जा रहा है।

जनसुराज अभियान के कार्यकर्ताओं को गांव में घुसने नहीं दिया जा रहा है। इस मामले में एसडीओ काजले वैभव नितिन ने कहा कि बिहार शरीफ के श्रम कल्याण मैदान में 8 हजार लोगों की सभा की अनुमति दी गई है। लेकिन कल्याणबिघा गांव में भीड़ जुटाने की इजाज़त नहीं है। अगर सभा करनी है तो तय जगह पर जाएं।

आरसीपी सिंह-प्रशांत किशोर के मिलन पर तेजस्वी यादव बोले-

यह सब किसके इशारे पर हो रहा, जनता को सब पता है

पटना (एजेंसियां)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के जनसुराज में शामिल होने पर सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस मामले में प्रतिक्रिया दी है। उन्हांने कहा कि किसके इशारे पर यह मिलन हुआ है, जनता को अच्छे से पता है। दोनों जनता दल यूनाईटेड में थे। तब एक राष्ट्रीय अध्यक्ष थे औ दूसरे उपाध्यक्ष। अब दोनों फिर से एक ही पार्टी में आ गए हैं। यह सब कौन करवा रहा? जनता को पता है। इससे ज्यादा हमें इस मामले पर कुछ नहीं कहना है।

तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर भी जमकर हमला बोला। कहा कि बिहार में सत्ता संपोषित अपराधियों द्वारा चारो ओर व्यापारियों, छात्रों, महिलाओं और आमजनों की हत्याएं हो रही हैं लेकिन अचेत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित उनके दो सहायक वाचाल उपमुख्यमंत्री आंखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी, कानों में तेल और मुंह में दही जमा कर मस्ती से शराबबंदी के नशे में लेटे हैं।

तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने लिखा कि 20 वर्षों की अंधी-गूंगी-बहरी एवं भ्रष्ट, निकम्मी, नकारा और नालायक एनडीए सरकार किसी आपराधिक घटना की जवाबदेही लेती ही नहीं है। अपराधी अब बिहार में सरकार चला रहे है और मंत्री व एनडीए के विधायक अपराधियों तथा अधिकारियों के पैर छूकर खुद को धन्य समझ रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि 2005 से पहले अफसरों का राज नहीं था। 2005 से टायर्ड मुख्यमंत्री नहीं थे और रिटायर्ड मुख्यमंत्री सरकार नहीं चलाते थे।

झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से जच्चा-बच्चा की दर्दनाक मौत

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया जिले के बगहा पुलिस जिला अंतर्गत रामनगर थाना क्षेत्र के अर्जुन नगर में एक झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से प्रसव के दौरान एक महिला और उसके नवजात की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने निजी अस्पताल में जमकर हंगामा किया और आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मृतका की पहचान तौलाहा पंचायत के सिगीर बहुवरी गांव निवासी संदीप राम की पत्नी चिंता देवी के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, चिंता देवी को प्रसव पीड़ा होने पर कुछ स्थानीय दलालों ने उन्हें रामनगर के अर्जुन नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल का संचालन कथित झोलाछाप डॉक्टर उषा सिंह कर रही थीं।

परिजनों का आरोप है कि वहां न तो पर्याप्त चिकित्सा संसाधन थे और न ही प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी। इलाज में भारी लापरवाही बरती गई, जिससे चिंता देवी और उसके गर्भ में पल रहे शिशु दोनों की मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के परिजन अस्पताल पहुंचे और वहां जमकर हंगामा किया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मृतका के परिजन सदमे में हैं और परिवार में मातम पसरा हुआ है।

सूचना मिलते ही रामनगर थाना अध्यक्ष ललन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को काबू में लिया। पुलिस ने अस्पताल को सील कर दिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बगहा अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैब (ऋडङ) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, जो अस्पताल परिसर की जांच कर रही है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आरोपी डॉक्टर उषा सिंह पहले भी एक चिकित्सा लापरवाही के मामले में जेल जा चुकी हैं। बावजूद इसके वह फिर से मरीजों का इलाज कर रही थीं। घटना के बाद से डॉक्टर उषा सिंह फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

घटना के बाद इलाके में गहरा आक्रोश फैल गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासनिक लापरवाही और स्वास्थ्य तंत्र की अनदेखी के कारण क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों और फर्जी अस्पतालों की भरमार हो गई है, जिससे आमजन की जान खतरे में पड़ रही है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि इस मामले में दोषियों को कठोर सजा दी जाए और क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे अस्पतालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

मुसहरी अंचल में फैले भ्रष्टाचार की अब होगी जांच, अपर मुख्य सचिव को सौंपी गई जिम्मेदारी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

राज्य के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, दलाली और अनियमितताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। विभाग के मंत्री संजय कुमार सरावगी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विभागीय अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह को जांच सौंप दी है।

सूत्रों के अनुसार, मंत्री सरावगी को यह जानकारी राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के माध्यम से मिली। डिप्टी सीएम को जिले के दौरे के दौरान आम नागरिकों और कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुसहरी अंचल कार्यालय में दलालों के दखल, अवैध वसूली और काम के बदले घूसखोरी की शिकायतें दी थीं। इसके बाद मंत्री सरावगी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एसीएस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने को कहा।

जांच का जिम्मा संभालते हुए अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने

मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि वे एक पखवाड़े के भीतर पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट सौंपें। उन्होंने जिले के डीएम से विशेष रूप से मुसहरी अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली, भ्रष्टाचार के आरोपों और दलालों की संलिप्तता पर रिपोर्ट मांगी है।

इस पूरे मामले ने तूल तब पकड़ा जब बीते मंगलवार को मुजफ्फरपुर शहर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र में एक जमीन कारोबारी मोहम्मद जावेद और उसके सहयोगी राजू साह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने जब घटनास्थल से मृतकों की स्कूटी और उनके निजी कार्यालय की तलाशी ली, तो वहां से दाखिल-खारिज समेत कई राजस्व से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए।

इनमें रजिस्टर-2 के मूल दस्तावेज और सरकारी डोंगल जैसे साक्ष्य भी शामिल थे, जिनका इस्तेमाल सिर्फ अंचल कार्यालय के हल्का कर्मचारी करते हैं। प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि हत्या से कुछ देर पहले मोहम्मद जावेद और राजू साह अंचल कार्यालय से निकलकर जिला स्कूल के पास चाय दुकान पर रुके थे। वहीं किसी से विवाद और हाथापाई हुई थी, जिसके कुछ देर बाद बाइक सवार अपराधियों ने दोनों को गोली मार दी।

जांच में यह भी सामने आया है कि मृतक मोहम्मद जावेद का मुसहरी अंचल कार्यालय पर वर्षों से प्रभाव था। वह कथित तौर पर लोगों के जमीन से जुड़े काम कराने के बदले मोटी रकम वसूलता था। इस संबंध में पहले भी निगरानी विभाग में शिकायत की गई थी। पुलिस ने इस सिलसिले में अंचल कार्यालय के तीन कर्मचारियों समेत दर्जनभर संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। विभागीय स्तर पर भी यह आशंका जताई जा रही है कि अंचल कार्यालय के कुछ कर्मचारी दलालों के साथ मिलकर भूमि रजिस्ट्रेशन और दाखिल-खारिज के मामलों में अनियमितताएं कर रहे थे।

नवादा-जमुई हाईवे पर बड़ा हादसा, तीन लोगों की मौत

पटना (एजेंसियां)।

नवादा-जमुई पथ पर शनिवार देर रात शहर के कोनियापर के पास सड़क हादसे में एक ही गांव के तीन लोगों की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को बेहतर इलाज के लिए पावापुरी बीम्स रेफर किया गया है। सभी मृतक और घायल नरहट थाना क्षेत्र के छोटी पाली गांव के रहने वाले हैं। मृतकों में पूर्व उप मुखिया पंकज चंद्रवंशी, नथ्थू चंद्रवंशी और कारू चंद्रवंशी शामिल हैं। दुर्गा चंद्रवंशी और जयनंदन चंद्रवंशी गंभीर रूप से घायल हैं।

जानकारी के अनुसार, छोटी पाली गांव निवासी गणेश सिंह के बेटे की शादी थी। बारात रुपौ थाना क्षेत्र के धनवां गांव गई थी। देर रात बारात से लौटते समय कादिरगंज थाना क्षेत्र के कोनिया मोड़ के पास उनकी ऑल्टो कार की टक्कर एक ट्रक से हो गई। हादसा रात करीब डेढ़ बजे हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई।जबकि दो गंभीर रूप से जख्मी हो गए।एक ही गांव के तीन लोगों की मौत के बाद पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ हैं। मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हैं।

बताया जा रहा है कि बारात के गए लोग जयमाला हो जाने के बाद खाना खाने के बाद अपने गांव पाली लौट रहे थे कि। हाईवे पर ट्रक ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। वहीं देर रात घर लौट रहे पत्रकार सानू, प्रभात, दिलशाद, रंजीत ने घायलों को पुलिस की मदद से अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां दो लोगों का इलाज चल रहा है।

शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर का हो रहा पुनरुत्थान

लेज़र शो से दिखाई जाएगी मां पाटेश्वरी की महिमा

लखनऊ, 18 मई (एजेंसियां)।

योगी सरकार प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए कई नवाचार कर रही है। इसी कड़ी में बलरामपुर जिले के तुलसीपुर में स्थित ऐतिहासिक देवीपाटन मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए और आकर्षक बनाने की तैयारी चल रही है। सरकार यहां एक तैरता हुआ संगीतमय फव्वारा (फ्लोटिंग म्यूजिकल फाउंटेन), मल्टीमीडिया लेजर शो, बीम प्रोजेक्शन और पानी की स्क्रीन पर वीडियो प्रोजेक्शन स्थापित करने जा रही है। यह परियोजना न केवल मंदिर के सौंदर्य को बढ़ाएगी, बल्कि पर्यटकों और श्रद्धालुओं को एक अनूठा अनुभव भी प्रदान करेगी। सरकार का लक्ष्य है कि इस धार्मिक स्थल पर आधुनिक सुविधाओं और आकर्षणों के माध्यम से अधिक से अधिक तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं को आकर्षित किया जाए, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिले और रोजगार के अवसर बढ़ें।

योगी सरकार इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत देवीपाटन मंदिर को धार्मिक पर्यटन का नया केंद्र बनाने जा रही है, जिसमें तैरता हुआ संगीतमय फव्वारा रंग-बिरंगी रोशनी और संगीत के साथ श्रद्धालुओं व पर्यटकों को मंत्रमुग्ध करेगा।

मल्टीमीडिया लेजर शो मां पाटेश्वरी की कथाओं और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करेगा, जबकि पानी की स्क्रीन पर 15-20 मिनट का वीडियो शो हिंदी और अंग्रेजी में पेशेवर वॉयस ओवर और एनिमेशन के साथ मंदिर का इतिहास दर्शाएगा। सरकार का विशेष जोर है कि विश्वस्तरीय ब्रांड के टिकाऊ उपकरण, जिनकी आयु कम से कम 10 वर्ष हो, इस परियोजना को और भव्य बनाएं। मात्र 180 दिनों में डिजाइन से लेकर स्थापना तक का काम पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें 30 दिन डिजाइन स्वीकृति, 60 दिन उपकरण आपूर्ति, 60 दिन स्थापना और 30 दिन सिस्टम शुरू करने में लगेंगे। इसके बाद 5 साल तक मुफ्त रखरखाव, सफाई और मरम्मत सुनिश्चित कर यह परियोजना मंदिर के सौंदर्य और पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

योगी सरकार ने प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण और पूरे परिसर का विकास, महाकुंभ मेले का भव्य आयोजन इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

देवीपाटन मंदिर में यह नई परियोजना भी इसी विजन का हिस्सा है। सरकार का मानना है कि धार्मिक स्थलों को आधुनिक और आकर्षक बनाकर न केवल देशी, बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित किया जा सकता है। यह परियोजना धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा तो देगी ही, साथ ही बलरामपुर और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक विकास को भी गति देगी। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से स्थानीय व्यापार, होटल और परिवहन सेवाओं को लाभ होगा। साथ ही परियोजना के निर्माण और रखरखाव में स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

देवीपाटन मंदिर उत्तर प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है, जो मां पाटेश्वरी देवी को समर्पित है। यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, जहां माता सती का बायां कंधा गिरा था। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर की स्थापना महाभारत काल में पांडवों द्वारा की गई थी। मंदिर का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व इसे देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनाता है। नवरात्रि के दौरान यहां लाखों भक्त मां के दर्शन के लिए उमड़ते हैं। इसके अलावा, मंदिर के पास स्थित प्राचीन कुंड और आसपास का प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों को भी लुभाता है।

जातीय जनगणना पर झूठ फैला रहे हैं राहुल गांधी, जदयू ने साधा निशाना

सीवान (एजेंसियां)।

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सीवान इकाई की ओर से जिला अतिथि गृह के सभागार में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष चन्द्रकेतु सिंह ने कहा कि राहुल गांधी जातीय जनगणना को लेकर जो बयान दे रहे हैं, वह पूरी तरह से झूठ और भ्रम फैलाने वाला है। उन्होंने राहुल गांधी को 'राजनीतिक लंपट' बताया और कहा कि जनता उन्हें गंभीरता से नहीं लेती। चन्द्रकेतु सिंह ने कहा कि जातीय जनगणना को सबसे पहले बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने शुरू किया। कांग्रेस पार्टी ने कभी भी इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। राहुल गांधी इसे तेलंगाना मॉडल से जोड़ रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि तेलंगाना ने बिहार का ही अनुसरण किया है।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना सरकार ने आज तक जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए, जबकि बिहार सरकार ने 215 पन्नों की रिपोर्ट जारी की है, जिसमें 215 जातियों की सूची दी गई है। राहुल गांधी ने जो यह आरोप लगाया कि उन्हें बिहार पुलिस ने रोका, वह पूरी तरह से झूठ है। अगर उन्हें रोका गया होता तो वे पहुंचे कैसे? यह सिर्फ एक राजनीतिक नाटक है।

चन्द्रकेतु सिंह ने कांग्रेस को भी घेरा और कहा कि यह वही पार्टी है जिसने आपातकाल के समय संविधान और प्रेस की स्वतंत्रता को कुचला था, और आज लोकतंत्र की बातें कर रही है। इस मौके पर जदयू के अन्य वरिष्ठ नेता जैसे मुख्य प्रवक्ता निकेश चंद्र तिवारी, जिला प्रवक्ता सुनील कुमार, मीडिया प्रभारी संतोष कुंवर और जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह भी मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com